THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 107 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.5 2083 शनिवार, 18 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

स्काईरूट का विक्रम-1 पीएम मोदी के हाथ से लिखा 'वंदे मातरम' पोस्टकार्ड ले जाएगा

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में स्काईरूट एयरोस्पेस ने कहा कि इस मिशन में ले जाए जाने वाले खास पेलोड में पीएम मोदी का हाथ से लिखा संदेश भी शामिल होगा। इसके साथ ही, कंपनी की टीम, निवेशकों, नीति-निर्माताओं और दुनिया भर के शुभचिंतकों के हाथ से लिखे नोट भी इसमें शामिल होंगे।

पीएम मोदी ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

'भारतीय रेल की एक बड़ी उपलब्धि'

जींद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जींद से सोनीपत के बीच में यह ट्रेन चलेगी, जिसका किराया पांच से 26 रुपये रखा गया है। इस ट्रेन से शून्य प्रदूषण होगा।

वहीं, 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह 'हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज' परियोजना का हिस्सा है। इस पहल के साथ भारत हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक अपनाने वाले चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया। जींद और सोनीपत के बीच हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन भारतीय रेल की एक बड़ी उपलब्धि है।

चंडीगढ़ को पीएम मोदी ने दी 4700 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ को 4700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि चंडीगढ़ केवल एक शहर नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए व्यवस्थित और आधुनिक विकास का एक आदर्श मॉडल है। पीएम मोदी ने कहा कि चंडीगढ़ अपनी सुनियोजित बसावट, बेहतर जीवनशैली और उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं के लिए पूरे देश में जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि मां चंडी के आशीर्वाद से जुड़े इस शहर का विकास हमेशा से एनडीएम सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। आने वाले समय में भी इसे और गति दी जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में चंडीगढ़ हब है। चंडीगढ़ के विकास से हरियाणा पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर के लोगों को भी लाभ होता है। जब मैं चंडीगढ़ रहता था तो मुझे कई बार पीजीआई जाना पड़ता है। मेरे कई जानकार पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और जम्मू कश्मीर से इलाज करवाने के लिए आते थे।

भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट पर अटैक

कंट्रोल टावर को निशाना बनाया, लगातार छठी रात ईरान पर एयरस्ट्राइक की

अमेरिकी हमलों की भेंट चढ़ गया भारत का चाबहार पोर्ट? ट्रंप के रक्षा मंत्री ने शेयर की तबाह टावर की तस्वीर

तेल अवीव/वॉशिंगटन डीसी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने शुक्रवार को लगातार छठी रात ईरान पर एयरस्ट्राइक की। इस दौरान भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट को भी निशाना बनाया गया। हमले में पोर्ट के कंट्रोल (निगरानी) टावर को नुकसान पहुंचा है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कंट्रोल टावर के क्षतिग्रस्त होने की तस्वीर भी शेयर की है। ईरानी समाचार एजेंसी ने चाबहार पोर्ट और कंट्रोल टावर पर अमेरिकी हमले की पुष्टि की है। पिछले एक हफ्ते में इस टावर पर यह तीसरा हमला है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि फाइटर जेट, ड्रोन और युद्धपोतों से ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया गया। सेंटकॉम ने कहा कि हमलों में तटीय निगरानी केंद्र, एयर डिफेंस सिस्टम, सैन्य लॉजिस्टिक्स और समुद्री सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। चाबहार पोर्ट भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम है। भारत ने इसके विकास में निवेश किया है और इसका संचालन भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) कर रही है। यह बंदरगाह भारत को पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक व्यापारिक पहुंच उपलब्ध कराता है।

ईरानी सांसद बेहनाम सईदी ने अमेरिका को धमकी देते हुए कहा कि अगर अमेरिका ने ईरान पर जमीनी हमला किया, तो अमेरिकी सैनिकों का कत्लेआम कर दिया जाएगा। ईरान ने यमन के हूती विद्रोहियों से कहा है कि अगर अमेरिका ईरान के बिजली ढांचे पर हमला करता है तो वे बाब अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने के लिए तैयार रहें। समुद्री डेटा कंपनी केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार को सिर्फ 9 जहाजों ने होर्मुज पार किया। मंगलवार को यह संख्या 13 थी।

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती नहीं होगी : भारत सरकार ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती फिलहाल रोकने के निर्देश दिए हैं। ईरान ने कुवैत और बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए गए।

मानसून सत्र 20 जुलाई से, सरकार 7 बिल लाएगी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के लिए सरकार ने एजेंडा तय कर लिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लोकसभा में 7 बिल पेश किए जाएंगे। इनमें वंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदा कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक भी शामिल हैं। बिलों की अस्थायी सूची में अभी किसी भी संविधान संशोधन बिल जैसे परिसीमन या नारी संशोधन का जिक्र नहीं है। 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। यह सत्र 25 दिनों तक चलेगा, कुल 19 बैठकें होंगी। दिल्ली के कर्तव्य भवन में शुक्रवार को एनडीए नेताओं की बैठक हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान और ललन सिंह समेत कई सीनियर लीडर शामिल हुए। सात में से दो विधेयक फॉरेन कंट्रीब्यूशन (एफसीआरए) और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान पुराने हैं। विदेशी चंदे से जुड़ा विधेयक 25 मार्च 2026 को और शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 15 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश किया गया था। शिक्षा से जुड़े बिल को जॉइंट कमेटी के पास भेज दिया गया था।

एसआईआर से नाम कटने पर नागरिकता नहीं जाती : सुप्रीम कोर्ट

> ईसी को नोटिस, योजनाओं का लाभ न रोकने वाली याचिका पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वोटर लिस्ट से बाहर किए गए लोगों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में से नाम हटने से किसी की नागरिकता नहीं जाती है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि बंगाल में जिन लोगों के नाम स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के कारण कट गए हैं उनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना बंद नहीं होना चाहिए। साथ ही नागरिकता पर अंतिम फैसला होने तक सभी सुविधाएं मिलती रहनी चाहिए। इस मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी

मोहना की बेंच ने चुनाव आयोग (ईसी) और पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता प्रसनजीत बोस के वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि नागरिकता से जुड़े 34 लाख मामले अभी भी लंबित हैं, जबकि अब तक सिर्फ 38 हजार मामलों का निपटारा हुआ है। फिलहाल केवल 19 ट्रिब्यूनल काम कर रहे हैं। ट्रिब्यूनलों का कामकाज पारदर्शी बनाने, उनकी वेबसाइट पर सभी आदेश और नियम सार्वजनिक करने की मांग की गई है।

वोटर लिस्ट से नाम हटने के बाद कई लोगों को राशन, अन्नपूर्णा या दूसरी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है, जबकि उनकी नागरिकता पर अभी फैसला नहीं हुआ है। जिन लोगों के पास पासपोर्ट जैसे वैध दस्तावेज हैं, उनसे नागरिकता साबित करने के लिए बार-बार दूसरे दस्तावेज न मांगे जाएं। दरअसल बंगाल सरकार ने पब्लिक

पीएम और सीएम को पद से हटाने वाले बिल पर ब्रेक

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने की स्थिति में पद से हटाने का प्रावधान करने वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक की समीक्षा कर रही संसद की संयुक्त समिति ने शुक्रवार को अपनी मसौदा रिपोर्ट को अपनाने का फैसला फिलहाल टाल दिया। समिति ने माना कि इस विषय पर अभी और व्यापक चर्चा तथा संबंधित पक्षों से अतिरिक्त विचार-विमर्श की जरूरत है। समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने बताया कि सदस्यों की राय थी कि मसौदा रिपोर्ट पर अंतिम निर्णय लेने से पहले और अधिक चर्चा की जानी चाहिए। इसी वजह से रिपोर्ट को अभी स्वीकार नहीं किया गया और प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित कर दिया गया। 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर गठित संयुक्त संसदीय समिति ने अपनी मसौदा रिपोर्ट में कुल पांच सिफारिशें शामिल की थीं। यह मसौदा हाल ही में समिति के सभी सदस्यों के बीच विचार के लिए वितरित किया गया था। शुक्रवार को समिति की बैठक में मसौदा रिपोर्ट की प्रत्येक सिफारिश पर अलग-अलग मतदान की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान सदस्यों ने महसूस किया कि विभिन्न पक्षों से और सुझाव लेने तथा आपसी विचार-विमर्श के बाद ही अंतिम निर्णय लेना उचित होगा।

कैसे राजनीति के 'घाघ' की फांस में फंस गई कांग्रेस?

एनडीए के आगे मॉनसून सत्र से पहले विपक्ष की हवा निकली!

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मॉनसून सत्र से पहले डिलिमिटेशन (परिसीमन) बिल को लेकर सियासत अचानक तेज हो गई है। सरकार जरूरी संख्या जुटाने में लगी है, वहीं विपक्ष की एकजुटता पर सवाल उठने लगे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह शरद पवार खेमे की ओर से आए ताजा संकेत हैं, जिसने कांग्रेस की रणनीति पर नया दबाव बना दिया है। अब तक कांग्रेस इस मुद्दे पर विपक्षी दलों को एकजुट रखने की कोशिश करती रही है, लेकिन एनसीपी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले के हालिया बयान ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। सुप्रिया सुले ने कहा कि यदि परिसीमन में राज्यों का संतुलन और 50 फीसदी आरक्षण सुरक्षित रहता है तो उन्हें आपत्ति नहीं होगी। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं होना चाहिए। सुप्रिया सुले का यह बयान ऐसे समय आया है जब राजनीतिक गलियारों में शरद पवार के रुख को लेकर लगातार अटकलें लग रही हैं। विपक्ष के भीतर भी यह सवाल उठने लगा है कि क्या एनसीपी (एसपी) इस मुद्दे पर कांग्रेस की लाइन से अलग रास्ता अपना सकती है। हालांकि पार्टी ने औपचारिक रूप से एनडीए को समर्थन देने की घोषणा नहीं की है, लेकिन बयान ने चर्चाओं को जरूर हवा दे दी है।

कांग्रेस ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्ष की एकजुटता का दावा किया है। लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सहयोगी दल अलग-अलग शर्तों के साथ बातचीत करते हैं, तो कांग्रेस के लिए साझा रणनीति बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। यही वजह है कि डिलिमिटेशन का मुद्दा अब केवल संवैधानिक नहीं, बल्कि विपक्ष की राजनीतिक परीक्षा भी बन गया है।

प्रसाद घोटाला : सबरीमाला मंदिर के घी बिक्री विवाद पर हाईकोर्ट सख्त

एसपी रैंक अधिकारी करेंगे दोबारा जांच

कोच्चि, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केरल सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया है कि सबरीमाला मंदिर के प्रसाद 'आदिया सिष्टम घी' की बिक्री में कथित वित्तीय गड़बड़ी के मामले की दोबारा जांच कराई जाएगी। इसके लिए सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रैंक के अधिकारी को नियुक्त किया गया है। अधिकारी यह तय करेंगे कि त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) के कर्मचारियों पर धन के कथित दुरूपयोग को लेकर भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया जाना चाहिए या नहीं।

पीठ ने क्या निर्देश दिए हैं :

इस दलील पर ध्यान देते हुए, न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी और केवी जयकुमार की पीठ ने अधिकारी को लेखापरीक्षा विभाग और मुख्य सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी की रिपोर्ट सहित पूरे अभिलेखों की जांच करने और मामले की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया।

रिपोर्ट पेश करने के लिए कितना समय दिया :

अदालत ने अधिकारी एम.जे. सोजन, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (वीएसीबी), विशेष प्रकोष्ठ, एर्नाकुलम को 23 सितंबर या उससे पहले अदालत के समक्ष एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने इस मामले में वीएसीबी की रिपोर्ट पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा था कि इस मुद्दे के संबंध में एजेंसी के निष्कर्ष बोर्ड को हुए नुकसान के महत्व को कम करके आंकते प्रतीत होते हैं। वीएसीबी का यह मत था कि अभिलेखों के उचित रखरखाव के अभाव में संबंधित अवधि के दौरान मंदिर के विशेष अधिकारियों और काउंटर स्टाफ के रूप में कार्य करने वाले बोर्ड के कर्मचारियों पर व्यक्तिगत जिम्मेदारियां तय करना संभव नहीं था।

समुद्र में बढ़ेगी भारत की ताकत : नौसेना में शामिल होगा स्वदेशी युद्धपोत 'मालवन'

> दुश्मन की पनडुब्बियों का करेगा शिकार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना अपनी समुद्री सुरक्षा क्षमता को और मजबूत करने जा रही है। नौसेना 22 जुलाई को 'मालवन' नामक अत्याधुनिक एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट को औपचारिक रूप से अपने बेड़े में शामिल करेगी। यह माहे श्रेणी का दूसरा पोत है, जिसे उथले समुद्री क्षेत्रों में पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है।

मालवन के कमीशनिंग समारोह की अध्यक्षता वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह करेंगे। इस अवसर पर पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन समेत भारतीय नौसेना के कई वरिष्ठ अधिकारी, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के प्रतिनिधि, पूर्व नौसैनिक और अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहेंगे। 'मालवन' का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि में किया गया है। यह पोत आधुनिक युद्धपोत निर्माण और डिजाइन के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जा रहा है। इस युद्धपोत में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरण और तकनीक का उपयोग किया गया है, जो भारत की घरेलू रक्षा निर्माण क्षमता और अत्याधुनिक युद्धपोत डिजाइन में बढ़ती विशेषज्ञता को दर्शाता है। माहे श्रेणी के ये पोत विशेष रूप से उथले समुद्री क्षेत्रों में पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए विकसित किए गए हैं। आकार में अपेक्षाकृत छोटे होने के बावजूद 'मालवन' तेज गति, फुर्ती, सटीक संचालन क्षमता और लंबी परिचालन क्षमता से लैस है। नौसेना के अनुसार, इस श्रेणी के पोत तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाएंगे। 'मालवन' के नौसेना में शामिल होने के साथ भारत को स्वदेशी रूप से विकसित नई पीढ़ी के उथले जल क्षेत्र में संचालन करने वाले युद्धपोतों की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि मिलेगी।

भोजशाला : जुम्मे की नमाज के लिए मुस्लिम पक्ष को नहीं मिली जगह

धार, 17 जुलाई (एजेंसियां)। धार में माहौल गर्म है क्योंकि मुस्लिम पक्ष को जुम्मे की नमाज के लिए भोजशाला परिसर के पास जगह नहीं मिली है। पक्ष ने इस मसले को लेकर कलेक्टर से मुलाकात की है। वहीं, हिंदू पक्ष ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि नमाज की व्यवस्था भोजशाला परिसर से 300 मीटर के दायरे के बाहर की जाए। एतिहासिक और विवादित भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट के हाल में अंतरिम आदेश दिया था। इसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को भोजशाला के समीप खुले स्थान पर नमाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। अब हिंदू पक्ष ने इसका कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस संबंध में हिंदू पक्ष के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। हिंदू पक्ष के प्रतिनिधि गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने ही अपने आदेशों में स्पष्ट किया है कि भोजशाला मां सरस्वती का मंदिर है।

अवैध खनन मामले में ईडी की आठ जगहों पर छापेमारी: निजी फर्म पर 131 करोड़ के अवैध खनन का आरोप

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पटना ने बिहार के बांका जिले में अवैध रेत खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत कई स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। यह मामला महादेव एन्क्लेव प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए गए कथित अवैध रेत खनन से जुड़ा है।

जांच के अनुसार, महादेव एन्क्लेव प्राइवेट लिमिटेड का नियंत्रण राजस्थान के गंगानगर के चांडक परिवार के पास है। कंपनी को अशोक चांडक और उनके बेटे राघव चांडक संचालित करते हैं। ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने बांका जिले में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से रेत का खनन किया। आरोप है कि राज्य के खनन विभाग ने इस अवैध खनन की जानकारी समय पर नहीं दी और न ही इस पर प्रभावी कार्रवाई की।

सिंधु जल विवाद में पाकिस्तान को झटका : केस भी लड़ रहा और भारत का बिल भी भर रहा पड़ोसी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि विवाद को अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता तक ले जाकर भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की थी, लेकिन अब यह दांव उसी पर भारी पड़ता दिख रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत द्वारा मध्यस्थता की कार्यवाही से खुद को अलग करने और संधि को फिलहाल स्थगित रखने के फैसले के बाद पाकिस्तान न केवल अपना, बल्कि भारत के हिस्से का मध्यस्थता खर्च भी वहन कर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद अब तक 6 लाख डॉलर (600,000 डॉलर) से अधिक खर्च कर चुका है और जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ेगा, यह राशि और बढ़ने की संभावना है। सिंधु जल संधि के तहत भारत और पाकिस्तान को मध्यस्थता की कार्यवाही का खर्च बराबर-बराबर उठाना होता है। लेकिन अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निलंबित कर दी। नई दिल्ली ने स्पष्ट कहा कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय कार्रवाई नहीं करता, तब तक सिंधु जल संधि को स्थगित रखा जाएगा। भारत के इस फैसले के बावजूद पाकिस्तान ने मध्यस्थता की कार्यवाही जारी रखी और रिपोर्ट के मुताबिक अब वह दोनों देशों के हिस्से का खर्च भी स्वयं उठा रहा है। यह पूरा विवाद भारत की किशनगंगा और रतले जलविद्युत परियोजनाओं को लेकर है, जो सिंधु जल संधि के तहत आने वाली पश्चिमी नदियों पर बनाई जा रही हैं। पाकिस्तान का आरोप है कि ये परियोजनाएं संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। इसी आधार पर उसने मामले को परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) में पहुंचाया। दूसरी ओर भारत का कहना है कि इस तरह के तकनीकी विवादों का समाधान न्यूट्रल एक्सपर्ट (तटस्थ विशेषज्ञ) के जरिए होना चाहिए, न कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण के माध्यम से। भारत का यह भी तर्क है कि संधि के तहत दोनों विवाद निपटान प्रक्रियाएं एक साथ नहीं चल सकतीं। भारत ने परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के अधिकार क्षेत्र को पूरी तरह खारिज कर दिया है। नई दिल्ली का कहना है कि यह न्यायाधिकरण 'अवैध तरीके से गठित' किया गया है, इसलिए इसके द्वारा दिए जाने वाले किसी भी फैसले को भारत 'शून्य और अमान्य' मानता है। अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता के नियमों के अनुसार, यदि किसी पक्ष की अनुपस्थिति के बावजूद न्यायाधिकरण यह मान ले कि उसके पास मामले की सुनवाई का अधिकार क्षेत्र है, तो कार्यवाही जारी रह सकती है। परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने पाकिस्तान की आपत्तियों पर सुनवाई करने का अधिकार अपने पास होने की बात कही है और भारत की आपत्तियों को स्वीकार नहीं किया।

29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पहला चरण पूरा

> 33 सवालों के जुटाए जा रहे जनगणना के जवाब

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेसिंयां)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) के लिए स्व-गणना की सुविधा शुक्रवार से तमिलनाडु और त्रिपुरा में प्रारंभ हो गई है। यह सुविधा 31 जुलाई तक उपलब्ध रहेगी। इसके पश्चात 1 अगस्त से 30 अगस्त तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर क्षेत्रीय गणना का कार्य किया जाएगा।

इन राज्यों के निवासी आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से अपनी स्व-गणना पूरी कर सकते हैं। स्व-गणना पूरी होने पर प्राप्त एसई आईडी को सुरक्षित रखें तथा प्रगणक के क्षेत्रीय भ्रमण के समय उन्हें उपलब्ध कराएँ, ताकि एचएलओ प्रक्रिया सुगमता से पूरी की जा सके। इस बीच, केरल और नागालैंड में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का क्षेत्रीय कार्य जारी है, जो 30 जुलाई, 2026 तक चलेगा। जिन परिवारों ने स्व-गणना का विकल्प नहीं चुना है, उन्हें प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर कवर किया जाएगा। अब तक जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 29 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। इनमें अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड शामिल हैं। जनगणना 2027 पहली बार व्यापक स्तर पर डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए आयोजित की जा रही है। आंकड़ों का संकलन समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से किया जा रहा है, जबकि पूर्ण एवं सटीक कवरेज सुनिश्चित करने हेतु पारंपरिक घर-घर जाकर गणना की व्यवस्था भी यथावत रखी गई है।

विशाखापत्तनम तट के पास नाव पलटने से सात मछुआरे बाल-बाल बचे

विशाखापत्तनम, 17 जुलाई (एजेंसियां)। विशाखापत्तनम तट के पास नाव पलटने से छह मछुआरों के लापता होने के बमुश्किल दो हफ़्ते बाद, समुद्र में एक और हादसा हुआ जिसमें सात मछुआरे बाल-बाल बच गए। उनकी नाव खराब मौसम और समुद्र की तेज़ लहरों के बीच विशाखापत्तनम फिशिंग हार्बर के पास पलट गई। यह घटना तब हुई जब क्रू सदस्य अपना मछली पकड़ने का जाल खींच रहे थे। मछुआरों के अनुसार, समुद्र की तेज़ लहरों ने अचानक जाल को खींच लिया, जिससे नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। ओडिशा तट के पास कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण बंगाल की खाड़ी में हलचल बनी हुई थी। पलटी हुई नाव हार्बर के किनारे लगे टेट्रापॉड की ओर बह गई, जिससे मछुआरे कुछ देर के लिए उसके नीचे फंस गए। क्रू सदस्य बचाए जाने तक पलटी हुई नाव को पकड़े रहे। हार्बर पर मौजूद मछुआरों ने शुरू में बताया कि क्रू के दो सदस्यों, तारा राव और आकाश, को चोटें आई हैं।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच आतंकी गिरफ्तार

अहमदाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) ने गुजरात के विभिन्न जिलों में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खड़ियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन क राडिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है।

गुजरात एटीएस ने जिन पाकिस्तान आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से जुड़े पांच संबंधित आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनका संबंध पिछले माह पकड़े गए देश के आठ आतंकियों के साथ बताए जा रहे हैं। गुजरात में आतंकी

संगठन के स्लीपर सेल तैयार करने के लिए जैश ऐ मोहम्मद लंबे समय से प्रयास कर रहा था। गुजरात दंगों के बाद इंडियन मुजाहिदीन ने अहमदाबाद में सिलसिले वार बम धमाके कर 50 से अधिक लोगों की हत्या कर दी थी और 200 से अधिक को घायल कर दिया था। जैश ऐ मोहम्मद भी लगातार भारत, खासकर गुजरात में अपनी पेठ बनाना चाहता था और उससे उत्तर गुजरात के कुछ लोगों को जोड़ कर अपने आतंकी मंसूबों को बढ़ाने का मौका मिल गया। एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक हर्ष उपाध्याय ने बताया कि पूर्व में पकड़े गए 8 आतंकियों के संपर्क में आए इन पांच संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

मुर्शिदाबाद में पैसेंजर ट्रेन से टकराई स्कूल की वैन

दो छात्र समेत 3 की मौके पर मौत; 5 घायल

कोलकाता, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक रेल हादसे में स्कूल वाहन यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे में दो छात्रों समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल अंतर्गत मुर्शिदाबाद के बहरमपुर थाना क्षेत्र में कर्णसुबर्ण और गोबिंदपुर रेलवे स्टेशन के बीच स्थित लेवल क्रासिंग पर हुई। मृतकों में दो छात्र और एक साइकिल सवार शामिल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक निजी स्कूल का वाहन छात्रों को लेकर जा रहा था। इसी दौरान रेल गेट खुला रहने के कारण वह लेवल क्रासिंग पार करने लगा और सामने से आ रही निमतिता-काटोया पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि वाहन में चालक समेत आठ लोग सवार थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले एक अप लाइन ट्रेन गुजरने तक रेलवे फाटक बंद था। उसके बाद फाटक खोल दिया गया, लेकिन दूसरी लाइन से ट्रेन आने के बावजूद फाटक खुला रहने के कारण यह हादसा हुआ। घटना के बाद रेलवे के गेटमैन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और वाहन में फंसे छात्रों को बाहर निकाला। सभी घायलों को पहले कर्णसुबर्ण ब्लाक अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल छात्रों को बाद में मुर्शिदाबाद मेडिकल कालेज एवं अस्पताल रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारण क्षेत्र में दहशत व शोक का माहौल है।

दिल्ली एचसी में 2020 दंगों की साज़िश का मामला

शरजील इमाम की ज़मानत अर्ज़ी पर पुलिस से जवाब मांगा गया

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को स्टूडेंट एक्टिविस्ट शरजील इमाम की ज़मानत अर्ज़ी पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा। यह अर्ज़ी यूएपीए के उस मामले में दायर की गई थी जो फरवरी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के पीछे की कथित बड़ी साज़िश से जुड़ा है। जस्टिस प्रतिभा एम। सिंह और जस्टिस विकास महाजन की बेंच ने इमाम की अपील पर नोटिस जारी किया। इस अपील में ट्रायल कोर्ट के 4 जुलाई के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें उनकी दूसरी रेगुलर ज़मानत अर्ज़ी खारिज कर दी गई थी। कोर्ट ने पुलिस को जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ़्ते का समय दिया और मामले की सुनवाई 27 अगस्त के लिए तय की। इमाम को 25 अगस्त, 2020 को गिरफ़्तार किया गया था और उन पर गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर उन दंगों के मास्टरमाइंड में से एक होने का आरोप था, जिनमें 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से ज़्यादा लोग घायल हुए थे। यह हिंसा फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), 2019 और नेशनल रजिस्टर ऑफ़ सिटिज़न (एनआरसी) के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी।

इमाम की ज़मानत अर्ज़ी खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि उसके पास सुप्रीम कोर्ट के 5 जनवरी के आदेश का पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है और वह न तो अर्ज़ी पर विचार कर सकता है और न ही कोई राहत दे सकता है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि उसके सामने ज़मानत अर्ज़ी सुनवाई के लायक नहीं थी

हाई कोर्ट में अपनी अपील में इमाम ने तर्क दिया कि ट्रायल कोर्ट ने उनकी रेगुलर ज़मानत अर्ज़ी पर स्वतंत्र रूप से विचार करने से इनकार करके गलती की थी। उन्होंने यह भी बताया कि लगभग छह साल बाद भी, ट्रायल की कार्यवाही आरोपों पर बहस के चरण से आगे नहीं बढ़ पाई है। 5 जनवरी को, सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी साज़िश के मामले में इमाम और उमर खालिद को ज़मानत देने से इनकार कर दिया था, जबकि सह-आरोपी गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा-उर-रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को राहत दी थी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन।वी। अंजारिया की बेंच ने कहा था कि यूएपीए के तहत खालिद और इमाम के खिलाफ़ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। बेंच ने यह भी कहा कि भागीदारी के स्तर के कारण सभी आरोपियों के साथ एक जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता।

आंध्र में कोविड के 12 मामले, 4 मौतें

अमरावती, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच कोविड-19 के 12 मामले सामने आए हैं और संक्रमण के कारण चार मरीज़ों की मौत हो गई है। जारी एक बयान में, स्वास्थ्य सचिव और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त जी। वीरपांडियन ने स्पष्ट किया कि मरने वाले चारों मरीज़ों को पहले से ही गंभीर बीमारियां थीं, जिनमें हाइपरटेंशन, डायबिटीज, किडनी की बीमारी और अन्य पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं शामिल थीं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में इस साल कोविड-19 का पहला मामला 26 जून को कडप्पा जिले में पाया गया था। 1 और 16 जुलाई के बीच संक्रमण के 11 और मामले सामने आए। संक्रमित लोगों में से दो की पहचान पहले से पुष्टि किए गए कोविड-19 मरीज़ों के करीबी संपर्कों के रूप में की गई। कडप्पा में सबसे ज़्यादा आठ मामले दर्ज किए गए, इसके बाद गुंटूर में दो मामले सामने आए, जबकि विशाखापत्तनम और काकीनाडा में एक-एक मामला दर्ज किया गया। वीरपांडियन ने कहा कि ये मामले अलग-अलग मंडलों और इलाकों में फैले हुए थे और क्लस्टर आउटब्रेक (एक ही जगह पर कई लोगों के संक्रमित होने) का कोई सबूत नहीं मिला है। 26 जून से 15 जुलाई के बीच, राज्य ने 67 लोगों का कोविड टेस्ट किया, जिनमें से 11 लोग पॉजिटिव पाए गए।

लाल-रसीले गाला सेब ने बागवानों की बढ़ाई उम्मीदें भुंतर मंडी में 240 रुपये प्रति किलो तक मिला भाव

कुल्लू, 17 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष गाला सेब की बंपर मांग देखी जा रही है। लाल और रसीले गाला सेब लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं, जिसके चलते दाम भी लगातार आसमान छू रहे हैं। गुरुवार को भुंतर सब्जी मंडी में गाला सेब की 240 प्रति किलो की बोली लगी, जिससे बागवानों के चेहरे खिल उठे हैं। सीजन के शुरुआती दौर में ही ऐसे बेहतर दाम मिलने से उन्हें पूरे सीजन में अच्छे बाजार भाव मिलने की उम्मीद जगी है। मंडी में इन दिनों गाला सेब की आवक लगातार बढ़ रही है। सेब की गुणवत्ता के आधार पर फलों को बेहतर कीमत मिल रही है। स्थानीय व्यापारियों के साथ-साथ अन्य राज्यों के खरीदार भी अच्छी गुणवत्ता वाले हिमाचली सेब की खरीद में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। सामान्य गुणवत्ता का सेब भी संतोषजनक कीमत पर बिक रहा है, जो सभी वर्ग के बागवानों के लिए राहत की बात है।

बागवानों प्रेम सिंह ठाकुर, शंकर सिंह, जितेंद्र और टीएस नेगी ने बताया कि मजदूरी, पैकिंग सामग्री, परिवहन, खाद और दवाइयों की लागत में लगातार वृद्धि के कारण उत्पादन खर्च में काफी इजाफा हुआ है। ऐसे में सीजन की शुरुआत में ही अच्छे दाम मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उनका मानना है कि यदि बाजार में मांग इसी तरह बनी रही, तो इस वर्ष उत्पादन लागत निकलने के साथ-साथ बेहतर मुनाफा भी मिलने की संभावना है।

बागवानों के अनुसार, इस वर्ष मौसम अब तक सेब की गुणवत्ता के लिए काफी अनुकूल रहा है। अच्छी रंगत, आकार और गुणवत्ता वाले गाला सेब को खरीदारों से बेहतर प्रतिस्पर्धा मिल रही है, जिसका सीधा लाभ उत्पादकों को मिल रहा है। मंडी से जुड़े कारोबारी रामपाल, सोहन सिंह, सोनू, ईशान चौधरी और गुलशन ने भी इस बात की पुष्टि की है कि बाजार में उच्च गुणवत्ता वाले हिमाचली सेब की मांग लगातार बनी हुई है। उपभोक्ता बेहतर गुणवत्ता वाले फल के लिए अच्छी कीमत चुकाने को तैयार हैं। उनका कहना है कि यदि मौसम और बाजार की स्थिति अनुकूल बनी रहती है, तो आगामी दिनों में भी सेब के दाम मजबूत बने रहने की पूरी संभावना है।

पार्थ पवार को केंद्रीय मंत्री बनाने को लेकर लॉबिंग तेज

एनसीपी नेता ने डिप्टी सीएम सुनेत्रा को पत्र लिखकर की मांग

मुंबई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के भीतर केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। एनसीपी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष उदयकुमार निंबाजी आहेर ने पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को पत्र लिखकर सांसद पार्थ पवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने की सिफारिश करने की मांग की है। यह पत्र 13 जुलाई 2026 का है। इसमें पार्थ पवार की तमाम खूबियां गिनाते हुए और एनसीपी के देशभर में विस्तार का हवाला देते हुए पार्थ को मंत्री बनाने की मांग की गई है। उदयकुमार निंबाजी आहेर के पत्र में दावा किया गया है कि पार्थ पवार युवा नेतृत्व का चेहरा हैं और उन्हें केंद्र में मौका मिलने से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का देशभर में विस्तार करने में मदद मिलेगी। पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी पार्थ पवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करने का आग्रह करने की अपील की गई है। एनसीपी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष के पत्र में पार्थ पवार के पक्ष में कई तर्क दिए गए हैं।

इनमें उनकी युवा छवि, हिंदी और अंग्रेजी पर पकड़, लंदन में उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की क्षमता और युवाओं को पार्टी से जोड़ने की संभावनाओं का उल्लेख किया गया है। साथ ही, ये भी कहा गया है कि उन्हें राजनीतिक रूप से परिपक्व होने का अवसर दिया जाना चाहिए और आलोचनाओं के बजाय उन्हें अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलना चाहिए।

बीजेपी नेताओं का कहना है कि पोलावरम प्रोजेक्ट अगले साल देश को समर्पित किया जाएगा

राजमहेंद्रवरम/एलुरु, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बीजेपी के राज्य अध्यक्ष पीवीएन माधव, केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा, राजमुंदरी की सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी और एमएलसी सोमू वीरराजू ने घोषणा की कि पोलावरम सिंचाई परियोजना अगले साल देश को समर्पित की जाएगी। उन्होंने राजमहेंद्रवरम से परियोजना स्थल तक, सीतानगरम और पुरुषोत्तमपटनम होते हुए एक बड़ी रैली को हरी झंडी दिखाई। इस रैली में पूरे आंध्र प्रदेश से हजारों बीजेपी कार्यकर्ता शामिल हुए और इसमें सैकड़ों गाड़ियां थीं। रैली को हरी झंडी दिखाने से पहले, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वाई। सत्य कुमार यादव, बीजेपी विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार ने अब तक इस राष्ट्रीय परियोजना पर लगभग 21,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और बचे हुए कामों को तेजी से पूरा करने के लिए इस साल और 12,000 करोड़ रुपये देने पर सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है। पोलावरम को आंध्र प्रदेश की जीवन रेखा बताते हुए नेताओं ने कहा कि एनडीए सरकार ने इसे पूरा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि परियोजना का पहला चरण, जो 41.15 मीटर के कंटूर स्तर तक है, अगले साल पूरा हो जाएगा, जिससे लगभग 95 टीएमसी पानी जमा किया जा सकेगा।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि सिंचाई सुरंग एक महीने के भीतर पूरी हो जाएगी और विश्वास जताया कि बाईं नहर से पानी छोड़ा जाएगा। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार की 'रिवर्स टेंडरिंग' नीति के कारण 2019 और 2024 के बीच परियोजना में काफी देरी हुई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने काम को तेजी से पूरा करने के लिए पोलावरम प्रोजेक्ट अथॉरिटी का गठन किया है।

वाईएसआरसीपी ने अमारा राजा को भगा दिया: मंत्री लोकेश

विजयवाड़ा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। एचआरडी और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान अमारा राजा ग्रुप के साथ हुए बर्ताव पर अफ़सोस जताया। उन्होंने कहा कि राज्य की सबसे सम्मानित घरेलू कंपनियों में से एक को 'परेशानी और डराने-धमकाने' का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से आंध्र प्रदेश ने एक ऐतिहासिक औद्योगिक मौका गंवा दिया। तेलंगाना के महबूबनगर ज़िले में डिविटिपल्ली गीगा कॉरिडोर में अमारा राजा के नए कस्टमर क्वालिफिकेशन प्लांट के उद्घाटन पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री लोकेश ने कहा कि आंध्र प्रदेश को अमारा राजा के चेयरमैन गल्ला जयदेव और उनके परिवार से माफ़ी मांगनी चाहिए। मंत्री लोकेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चार दशकों से ज़्यादा समय से, अमारा राजा आंध्र प्रदेश की सबसे बड़ी औद्योगिक सफलता की कहानियों में से एक रही है। इसने वर्ल्ड-क्लास मैन्युफैक्चरिंग की है, हज़ारों नौकरियां पैदा की हैं और चित्तूर और आंध्र प्रदेश का नाम पूरे भारत और दुनिया में रोशन किया है।

उन्होंने आगे कहा, पिछली सरकार के दौरान आपकी कंपनी को जो परेशानी झेलनी पड़ी, वह कभी नहीं होनी चाहिए थी। एक उद्यमी जिसने अपने ही राज्य में काम शुरू करने का फ़ैसला किया, उसे बढ़ावा मिलना चाहिए था, न कि डराया-धमकाया जाना चाहिए था। मंत्री लोकेश ने कहा कि यह दुख की बात है कि आंध्र प्रदेश में शुरू हुई कंपनी को विकास के अगले चरण के लिए राज्य की सीमाओं से बाहर देखना पड़ा। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि अमारा राजा के सबसे बड़े अध्याय उसी राज्य में लिखे जाएंगे जहां से उसकी यात्रा शुरू हुई थी। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि अमारा राजा के सबसे बड़े अध्याय इसी राज्य में लिखे जाएंगे।

आंध्र प्रदेश एचसी में एसईसी ने कहा : एसआईआर के बाद ही होंगे लोकल बॉडी चुनाव

विजयवाड़ा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने हाई कोर्ट को बताया कि वोटर लिस्ट का 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) पूरा होने तक लोकल बॉडी चुनाव नहीं कराए जा सकते, क्योंकि वोटर लिस्ट अभी भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के पास हैं। इस जानकारी पर ध्यान देते हुए, एक डिवीज़न बेंच ने राज्य सरकार और एसईसी को लोकल बॉडी चुनावों की स्थिति पर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 6 अक्टूबर के लिए तय की। चीफ जस्टिस लिसा गिल और जस्टिस चल्ला गुणरंजन की बेंच लोकल बॉडी चुनावों में देरी से जुड़ी कई जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी।

बीसी संघम के अध्यक्ष केसाना शंकर राव की ओर से दायर एक पीआईएल में मांग की गई थी कि बीसी जाति जनगणना पूरी होने और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण तय होने के बाद ही चुनाव कराए जाएं। वहीं, वकील तांडव योगेश की ओर से दायर एक अन्य याचिका में तुरंत चुनाव कराने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान, योगेश ने तर्क दिया कि चुनी हुई लोकल बॉडी का कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका है

आप और सपा के बाद सोनम वांगचुक को मिला कांग्रेस का साथ

पवन खेड़ा ने जंतर-मंतर पहुंचकर की मुलाकात

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों पर भूख हड़ताल पर हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा शुक्रवार (17 जुलाई) को वांगचुक से मिलने दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचे। इससे ठीक पहले केसी वेणुगोपाल ने वांगचुक को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। पवन खेड़ा के जंतर-मंतर पहुंचने से पहले कांग्रेस ने कहा था कि वे भी चाहते हैं कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा था कि केंद्र सरकार में जवाबदेही की कमी है और इसी वजह से परीक्षा का पूरा सिस्टम बैठ गया है।

केसी वेणुगोपाल ने इसको लेकर एक्स पर एक पोस्ट भी शेयर की थी। कांग्रेस से पहले आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और शिवसेना के नेता जंतर-मंतर पहुंच चुके हैं। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल खुद जंतर-मंतर पहुंचे थे। उन्होंने वांगचुक को देश का

शिक्षा मंत्री बनाने की मांग कर दी थी। उनके साथ ही सपा सांसद डिंपल यादव और रुचि वीरा भी जंतर-मंतर पहुंची थीं। शिवसेना की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने भी सोनम वांगचुक से मुलाकात की थी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने भी वांगचुक की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार ने देश में विरोध प्रदर्शन के अधिकार को ही खत्म करने का फैसला कर लिया है। ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पारदर्शिता केवल नीट परीक्षा में ही नहीं, बल्कि सभी परीक्षाओं में जरूरी है और प्रधानमंत्री मोदी से इस मुद्दे पर ध्यान देने की अपील की। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, जिसकी वजह से उनका स्वास्थ्य लगातार गिर रहे है। वांगचुक की भूख हड़ताल को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका भी दायर की गई थी। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए सरकार को निर्देश दिया कि वांगचुक के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जाए।

बैंगलूरू-अहमदाबाद इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

बैंगलूरू, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बंगलूरू-अहमदाबाद इंडियो की उड़ान भरने से कुछ ही समय पहले बम से उड़ाने की झूठी धमकी मिली। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने बताया कि यह घटना इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6423 में हुई, जिसे 16 जुलाई को रात 8 बजे बंगलूरू से रवाना होना था। पुलिस के अनुसार, शाम लगभग 7।35 बजे एक क्रू सदस्य को आगे वाले शौचालय के अंदर एक हस्तलिखित नोट मिला, जिसमें लिखा था, 'मत जाओ। बम है! कृपया।' इस खोज के बाद, तुरंत मानक संचालन प्रक्रियाओं को लागू किया गया। विमान की पूरी सुरक्षा जांच की गई।

हालांकि, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। केआईएएल हवाई अड्डे के पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में एयरलाइन ने कहा कि इस धमकी के कारण काफी व्यवधान उत्पन्न हुआ। यात्रियों, चालक दल और एयरलाइन की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। शिकायत में कहा गया है, 'हम आपसे इस घटना की जांच में सहायता करने और जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान करने के लिए गहन जांच करने और उचित कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध करते हैं।'

सुप्रीम कोर्ट के आदेश हवा में, बडगाम की सड़कों पर खुंखार कुत्तों का राज, 2 दिन में 3 दर्जन लोगों को काटा

श्रीनगर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के पागल कुत्तों को ठिकाने लगाने के आदेश के विप्रीत घाटी में पागल कुत्ते लगातार सड़कों व चौक चौहारों में आवारा व पागल कुत्तों का आतंक जारी है और बीते दो दिनों के भीतर मध्य कश्मीर के बडगाम ज़िले के अलग-अलग इलाकों में आवारा कुत्तों के हमलों में करीब तीन दर्जन लोग घायल हो गए हैं। इससे लोगों में दहशत फैल गई है और उन्होंने अधिकारियों से तुरंत दखल देने की मांग की गई है। स्थानीय लोगों ने न्य बताया कि हमले जिले के चादूरा, सांज़ीपोरा और छरगाम इलाकों से रिपोर्ट किए गए, जहां आवारा कुत्तों ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को अपने आतंक का निशाना बनाया।उन्होंने कहा कि कई घायलों को उपजिला अस्पताल चाडूरा में शिफ्ट किया गया, जबकि दूसरों का इलाज छतरगाम अस्पताल में किया गया। उन्होंने कहा कि सभी पीड़ितों को एंटी-रेबीज वैक्सीन दी गई। इधर बीएमओ चाडूरा डा. रियाज़ ने बताया कि पिछले दो दिनों में अस्पताल में कुत्तों के काटने के 20 से ज़्यादा मामले आए हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास कुत्तों के काटने के 20 से ज़्यादा मरीज़ आए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार — अगर आप अपनी गलतियों से सीख लेते है तो गलतियां आपके लिए सीढी है।

नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर होगी सख्त कार्रवाई : पोन्नम

परिवहन प्रवर्तन और कड़ा करने के निर्देश

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने राज्यभर में परिवहन विभाग की प्रवर्तन (एनफोर्समेंट) कार्रवाई को और अधिक सख्त एवं व्यापक बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यातायात एवं परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और आवश्यकता पड़ने पर ऐसे वाहनों को जब्त भी किया जाए। परिवहन आयुक्त कार्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों, त्रैमासिक कर का भुगतान नहीं करने वाले वाहनों तथा फिटनेस प्रमाणपत्र के बिना चल रहे वाहनों पर विशेष निगरानी रखते हुए राज्यभर में व्यापक जांच अभियान चलाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि जांच चौकियां (चेकपोस्ट) समाप्त किए जाने के समय सरकार ने प्रवर्तन व्यवस्था को और मजबूत करने का आश्वासन दिया था। इसलिए उपलब्ध कर्मचारियों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए निरीक्षण और जांच अभियान तेज किए जाएं। बैठक में 8 जून से संयुक्त जिलों में संचालित मोबाइल स्क्वॉडों के कार्यों की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने निर्देश दिए कि त्रैमासिक कर का भुगतान नहीं करने वाले वाहन स्वामियों पर भारी जुर्माना लगाया जाए तथा आवश्यक होने पर उनके वाहनों को जब्त किया जाए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विशेष रूप से स्लीपर बसों में नियमों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त न किया जाए। जहां भी उल्लंघन पाए जाएं, वहां तत्काल और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में विशेष मुख्य सचिव विकास राज, परिवहन आयुक्त इलांबर्ती अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रमेश, संयुक्त परिवहन आयुक्त चंद्रशेखर गौड़ एवं शिव लिंगैया, उप परिवहन आयुक्त रवींद्र कुमार, वेंकट रमण, सुरेश रेड्डी, प्रमिला, वाणी, सदानंदम, अफरीन, विशेष कार्याधिकारी सैदुलु तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महिला सुरक्षा अभियान के लिए प्रशिक्षण

शिक्षकों को बनाया गया मास्टर ट्रेनर

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सुरक्षा विंग (डब्ल्यूएसडब्ल्यू) ने शुक्रवार को राज्य के सरकारी डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के व्याख्याताओं तथा सहायक प्रोफेसरों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दिया। इसका उद्देश्य 'स्टैंड विद हर' अभियान को पूरे तेलंगाना में प्रभावी ढंग से लागू करना है। यूसुफगुडा स्थित एनआई-एमएसएमई में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को लैंगिक समानता, महिलाओं के प्रति सम्मान, लैंगिक रूढ़ियों को चुनौती देने और किसी भी तरह की हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में जिम्मेदारी से हस्तक्षेप करने के बारे में जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा विंग की महानिदेशक चारू सिन्हा ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए पुरुषों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजेंद्र सिंह ने छात्रों के बीच समानता, सम्मान और सुरक्षित माहौल विकसित करने पर जोर दिया।

शिवाजी प्रतिमा को लेकर बढ़ा विवाद

पुलिस ने हटाई प्रतिमा, सुरक्षा बढ़ाई

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले के खिला वारंगल मंडल के बोल्लिकुंटा गांव में शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने भारी पुलिस बल तैनात कर दिया।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय दलित समुदाय डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास शिवाजी की प्रतिमा लगाए जाने का विरोध कर रहा था। इसके बावजूद शुक्रवार देर रात चौराहे पर शिवाजी की प्रतिमा स्थापित कर दी गई। इसके बाद दलित समुदाय ने अधिकारियों से प्रतिमा हटाने की मांग की।

प्रशासन ने हालात को देखते हुए पुलिस सुरक्षा के बीच शिवाजी की प्रतिमा को हटवा दिया।

इस कार्रवाई से प्रतिमा स्थापना का समर्थन कर रहे ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई।

स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए मामुनूर पुलिस ने वारंगल जिले के भाजपा अध्यक्ष घंटा रवि सहित बोल्लिकुंटा और मामुनूर के कुछ प्रमुख नेताओं को नजरबंद कर दिया।

स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पर किया गया खर्च राज्य के भविष्य में निवेश : भट्टी

नव चयनित 247 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पर सरकारी व्यय को केवल मुफ्त कल्याणकारी योजना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि मानव संसाधनों में दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाएगा। बीमा चिकित्सा सेवा (आईएमएस) विभाग के तत्वावधान में, उपमुख्यमंत्री ने श्रम मंत्री गड्डम विवेक वेंकटस्वामी के साथ शुक्रवार को हैदराबाद के सेवालाल भवन में नव चयनित 247 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने चिंता व्यक्त की कि पिछले दशक के दौरान श्रमिकों के अधिकारों और न्यूनतम मजदूरी की घोर उपेक्षा की गई। भट्टी विक्रमार्क ने याद दिलाया कि एक पूर्व विपक्षी नेता के रूप में, उन्होंने विधानसभा के प्रत्येक बजट सत्र में न्यूनतम मजदूरी संशोधन का मुद्दा लगातार उठाया था, लेकिन तत्कालीन सरकार पर्याप्त प्रतिक्रिया देने में विफल रही। उन्होंने श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी द्वारा पदभार ग्रहण करने के बाद विशेष पहल करने और न्यूनतम मजदूरी संशोधन संबंधी लंबे समय से लंबित आदेशों को सफलतापूर्वक जारी करने की सराहना की।

भट्टी विक्रमार्क ने यह भी आश्वासन दिया कि मंत्री के अनुरोध पर, गरीबों के लिए पूर्व शिक्षा सुरक्षा संस्थानों (ईएसआई) के अस्पतालों में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ग्रीन चैनल के माध्यम से 30 करोड़ जारी करने का प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य श्रमिकों और उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए ईएसआई अस्पतालों का रूपांतरण करना है। इसके अंतर्गत, उन्नत डायलिसिस इकाइयां, सीटी स्कैन सुविधाएं, बर्न वार्ड और हृदय रोग देखभाल केंद्र तेजी से स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि मौजूदा बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए, भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को दूर किया जाएगा। आने वाले दिनों में, सरकार 120 सिविल असिस्टेंट सर्जन, 6 डेंटल सिविल सर्जन, 99 फार्मासिस्ट, 34 लैब टेक्नीशियन, 54 एएनएम और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ सहित अतिरिक्त पदों को भरेगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी नागरिकों के लिए सुपर-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए युद्धस्तर पर उपाय कर रही है। उन्होंने कहा, सनतनगर ईएसआई, एलबी नगर, अलवाल और वारंगल में मल्टी सुपर-स्पेशलिटी अस्पतालों के निर्माण में मासिक निधि जारी होने से तेजी लाई जा रही है। एनआईएमएस के विस्तार कार्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। राज्य को देश में सबसे अधिक औसत बिस्तर क्षमता वाले राज्य के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 44,029 बिस्तर हैं। लगभग 75 लाख लोगों को बीमा चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि मौजूदा 16 मेडिकल कॉलेजों के अतिरिक्त, सरकार ने 9 नए मेडिकल कॉलेजों, 16 नर्सिंग कॉलेजों और 28 पैरामेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी है।

खम्मम जिले में सड़क हादसों में तीन की मौत

तेज रफ्तार बस और ट्रक की टक्कर बनी हादसे की वजह

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व खम्मम जिले में गुरुवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। दोनों दुर्घटनाओं में तेज रफ्तार वाहन लोगों के लिए काल बन गए।

कोत्तागुडेम के नव भारत क्षेत्र में एक तेज रफ्तार टीजीएसआरटीसी बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में ईसम जनार्दन (47) और भुक्या दुद्या (45) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, दोनों लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल के मैलाराम गांव के निवासी थे और सड़क पार कर पास के एक होटल में भोजन करने जा रहे थे। जनार्दन के बेटे बिकशम की शिकायत पर पालोंचा टाउन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक अन्य हादसा खम्मम जिले के कल्लु कस्बे के एनएसपी चौराहे पर हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उस पर सवार कल्लु मंडल के नारायणपुरम गांव निवासी मेरुगु गोपी (22) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

ईश्वरम्मा यादव को सुरक्षा दी जानी चाहिए : डॉ. प्रवीण कुमार

जक्किडी शिव चरण रेड्डी को तत्काल निलंबित करने की मांग

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के प्रदेश महासचिव डॉ.आर.एस. प्रवीण कुमार ने यदाद्रि मंदिर समिति की सदस्य ईश्वरम्मा यादव के साथ कथित भेदभावपूर्ण व्यवहार और हमले की निंदा करते हुए उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। एलबी नगर के चिंतकुंटा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में डॉ. प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी महिला और बहुजन विरोधी रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि ईश्वरम्मा यादव एलबी नगर से भारी बहुमत से पार्षद निर्वाचित हुई थीं और पिछले 40 वर्षों से राजनीति में सक्रिय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक महिला होने के बावजूद उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया और कथित रूप से हमला किया गया, जो अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शिव चरण रेड्डी द्वारा ईश्वरम्मा यादव के साथ अपमानजनक और भेदभावपूर्ण व्यवहार किया गया। डॉ. प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की भाषा की तरह ही शिव चरण रेड्डी ने भी बयान दिए।

उन्होंने कहा कि ईश्वरम्मा के अपमान के बाद शिव चरण रेड्डी को सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराए गए, जबकि कथित रूप से पीड़ित 80 वर्षीय ईश्वरम्मा यादव भय के माहौल में घर में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पीड़िता को सुरक्षा देने के बजाय आरोप लगाने वाले व्यक्ति को सुरक्षा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पिछड़े वर्गों और गरीब समुदायों के लोगों के बारे में इस तरह बात की जा रही है जैसे उनके सम्मान का कोई महत्व नहीं है। बीआरएस नेता ने सवाल उठाया कि इस मामले पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और मुख्यमंत्री क्यों चुप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना की जांच के लिए भी पिछड़े वर्ग के नेताओं को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि जग्गा रेड्डी और नरसिम्हा रेड्डी की समिति बनाई गई, लेकिन उन्होंने पीड़ित पक्ष से उचित बातचीत नहीं की। उन्होंने सवाल किया कि शिव चरण रेड्डी को अब तक नोटिस क्यों नहीं दिया गया। उन्होंने पूछा कि क्या शब्बीर अली को तुरंत कारण बताओ नोटिस नहीं दिया गया था और क्या अनुशासन समिति के अध्यक्ष मल्लु रवि इस मामले में आगे नहीं आए। डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि यदि इसे इंदिरम्मा राज्यम कहा जाता है तो क्या ईश्वरम्मा यादव के साथ यही न्याय है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने हमला किया, उन्हें सुरक्षा दी जा रही है, जबकि अपमान का विरोध करने वालों के साथ मारपीट की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ गंभीर घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने शाबाद में छह महिलाओं की हत्या और पॉक्सो मामलों में आरोपियों को जमानत मिलने का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं के प्रति सरकार का रवैया गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने मांग की कि शिव चरण रेड्डी को तत्काल निलंबित किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिला विरोधी और बहुजन विरोधी पार्टी की तरह व्यवहार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछड़े वर्गों को पद दिए जाने का दिखावा किया जाता है, लेकिन पीछे से उन्हें दबाने का प्रयास किया जाता है। डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि अतीत में भी कांग्रेस शासन में बेली ललिता जैसी महिलाओं की हत्या हुई थी। उन्होंने मांग की कि ईश्वरम्मा यादव को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए क्योंकि वह यदाद्रि मंदिर बोर्ड की सदस्य हैं, जबकि शिव चरण रेड्डी के पास कोई संवैधानिक पद नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि फिर उन्हें सुरक्षा कैसे उपलब्ध कराई गई।

बेल्ट शॉप के खिलाफ गांव एकजुट

अवैध शराब बिक्री रोकने की मुहिम तेज

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल क्षेत्र के कई गांवों में अवैध शराब की दुकानों (जिन्हें बेल्ट शॉप कहा जाता है) के खिलाफ लोगों का विरोध तेज हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इन दुकानों की वजह से युवाओं और बुजुर्गों में शराब की लत बढ़ रही है, जिससे परिवार आर्थिक और सामाजिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए कई बार प्रशासन और उत्पाद शुल्क विभाग से शिकायत की गई, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि शराबबंदी वाले दिनों में भी इन दुकानों पर खुलेआम शराब बेची जाती है।

सूत्रों के अनुसार, अविभाजित वारंगल जिले के अधिकांश गांवों में लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानों के साथ कई बेल्ट शॉप भी संचालित हो रही हैं। कुछ गांवों में इनकी संख्या 20 से अधिक बताई जाती है, जहां दिन-रात शराब की बिक्री होती है।

डब्ल्यूएसडब्ल्यू ने 'स्टैंड विद हर' अभियान के लिए मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा (डब्ल्यूएसडब्ल्यू) ने अपने प्रमुख अभियान 'स्टैंड विद हर' के तहत राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (एनआई-एमएसएमई), यूसुफगुडा में शुक्रवार को प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम का आयोजन किया। तेलंगाना भर के सरकारी डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के व्याख्याताओं और सहायक प्रोफेसरों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया ताकि वे राज्यव्यापी अभियान के लिए मास्टर ट्रेनर बन सकें। उद्घाटन सत्र में महिला सुरक्षा विंग की महानिदेशक चारू सिन्हा, पुलिस उप महानिरीक्षक परिमाला हाना नूतन, शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजेंद्र सिंह, विद्यालय शिक्षा विभाग से डॉ. सौंदर्या जोसेफ और महिला सुरक्षा विंग की प्रशिक्षण प्रमुख आसिया शेरवानी ने भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य पुरुषों और लड़कों को लैंगिक रूढ़ियों को चुनौती देने, अनुचित व्यवहार की पहचान करने और सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी शैक्षणिक संस्थानों और समुदायों के निर्माण में महिलाओं का सक्रिय रूप से समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रशिक्षित शिक्षक अपने-अपने संस्थानों में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिससे लैंगिक संवेदनशीलता वाले शिक्षकों का एक राज्यव्यापी नेटवर्क तैयार होगा। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए चारू सिन्हा ने कहा कि लैंगिक हिंसा को रोकने के लिए पुरुषों और लड़कों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, जबकि शैक्षणिक संस्थानों की सोच और व्यवहार को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। डॉ. राजेंद्र सिंह ने छात्रों में समानता, गरिमा और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने में शिक्षकों की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण में लैंगिक संवेदनशीलता, प्रत्यक्षदर्शी हस्तक्षेप, सुविधा प्रदान करने की तकनीक और उच्च शिक्षण संस्थानों में अभियान को लागू करने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों पर संवादात्मक सत्र शामिल थे। महिला सुरक्षा विंग ने इस पहल को समर्थन देने के लिए शिक्षा विभाग, सहभागी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तथा संकाय सदस्यों को धन्यवाद दिया, जो राज्यव्यापी जागरूकता और क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरूआत का प्रतीक है।

डीओएसटी विशेष चरण का कार्यक्रम जारी

खाली सीटों पर 20 जुलाई से प्रवेश

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में डिग्री कॉलेजों की बड़ी संख्या में सीटें खाली रहने के कारण उच्च शिक्षा परिषद और महाविद्यालय शिक्षा निदेशालय ने डीओएसटी-2026 के विशेष चरण की प्रवेश प्रक्रिया घोषित कर दी है। इस चरण के माध्यम से रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, छात्र 20 से 26 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे। दिव्यांग, पूर्व सैनिक, खेल और अन्य विशेष श्रेणी के अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन 27 जुलाई को किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन और कॉलेजों के विकल्प 20 से 27 जुलाई तक भरे जा सकेंगे। अनंतिम सीट आवंटन 30 जुलाई को जारी होगा। इसके बाद चयनित छात्रों को 30 जुलाई से 1 अगस्त के बीच ऑनलाइन स्वीकृति देनी होगी और 31 जुलाई या 1 अगस्त को संबंधित कॉलेज में रिपोर्ट कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

कम बारिश में भी बढ़ी धान की बुवाई

सरकार की अपील के बावजूद किसान अडिग

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कम बारिश और पानी की कमी की आशंकाओं के बावजूद किसानों ने इस बार भी बड़े पैमाने पर धान की बुवाई की है। फसल विविधीकरण अपनाने की राज्य सरकार की अपील का अपेक्षित असर अब तक दिखाई नहीं दिया है।

कृषि विभाग के अनुसार, 14 जुलाई तक राज्य में 6.37 लाख एकड़ में धान की बुवाई हो चुकी है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 5.66 लाख एकड़ था। यह सामान्य वनकालम धान क्षेत्र का करीब 9.67 प्रतिशत है। कृषि सीजन की शुरूआत देर से होने के बावजूद धान की खेती का रकबा बढ़ा है।

किसान संगठनों का कहना है कि जिन किसानों के पास बोरवेल सिंचाई की सुविधा है, वे धान की खेती जारी रखे हुए हैं। हालांकि कई किसानों ने पानी की कमी को देखते हुए धान का रकबा कम किया है।

तेलंगाना किसान संघ के अध्यक्ष यादगिरी रेड्डी के अनुसार, कई किसानों ने पहले की तुलना में लगभग आधे क्षेत्र में ही धान की बुवाई की है, ताकि नुकसान का खतरा कम रहे।

उन्होंने कहा कि यदि सरकार वैकल्पिक फसलों के लिए आर्थिक प्रोत्साहन नहीं देगी तो किसान आसानी से फसल नहीं बदलेंगे। उनका कहना है कि धान की तुलना में दूसरी फसलों में लागत और श्रम अधिक लगता है, इसलिए किसानों को वित्तीय सहायता देना जरूरी है।

इस बीच, ज्वार और मक्का जैसी फसलों के रकबे में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दलहन फसलों की खेती बढ़ी है। पिछले वर्ष 3.74 लाख एकड़ में दलहन की बुवाई हुई थी, जो इस वर्ष बढ़कर 4.10 लाख एकड़ से अधिक हो गई है। तिलहन फसलों के रकबे में भी पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज की गई है।

सड़क सुरक्षा को लक्ष्य बनाकर कार्य करें नए आरटीओ : अभिलाषा बिष्ट

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए तकनीक आधारित प्रवर्तन, प्रभावी कार्यान्वयन और जनता में जागरूकता जैसे तीन प्रमुख पहलुओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। यह बात आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी के निदेशक अभिलाषा बिष्ट ने कही। तेलंगाना परिवहन विभाग के तीन नए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों (आरटीओ) के लिए अकादमी में 18 मई से 17 जुलाई तक आयोजित दो माह के प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर शुक्रवार को आयोजित समापन समारोह में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और संबोधित किया। कार्यक्रम में तेलंगाना परिवहन विभाग के अतिरिक्त आयुक्त सी. रमेश सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण पूरा करने वाले डी. जगदीश, पी. भूषी रेड्डी और चाई साई चरण को निदेशक अभिलाष बिष्ट ने प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर अभिलाष बिष्ट ने कहा कि वर्दीधारी सेवा में लिया गया प्रत्येक निर्णय आम जनता के जीवन और सुरक्षा से जुड़ा होता है। इसलिए अधिकारियों को कानून, प्रक्रिया, मोटर वाहन अधिनियम और नियमों की पूरी जानकारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में प्रत्येक तीन मिनट में एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवा देता है। सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने में पुलिस विभाग के साथ-साथ परिवहन विभाग की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लगभग 90 प्रतिशत दुर्घटनाएं जानबूझकर नहीं होतीं, लेकिन प्रभावी जांच, वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने तथा ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान करने की प्रक्रिया में गुणवत्ता बनाए रखकर कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, इंजीनियरिंग और प्रवर्तन इन तीन स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करते हुए तकनीक का उपयोग कर स्मार्ट तरीके से कार्य करने पर सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अकादमी में प्राप्त प्रशिक्षण भविष्य में अधिकारियों को जनता के लिए अधिक जिम्मेदार और प्रभावी सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगा।

परिवहन विभाग के अतिरिक्त आयुक्त सी. रमेश ने कहा कि इससे पहले अकादमी में 92 सहायक मोटर वाहन निरीक्षकों तथा बाद में दूसरे बैच के 15 सहायक मोटर वाहन निरीक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण क्षेत्रीय स्तर पर बहुत उपयोगी साबित हुआ है। इससे पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाकर प्रभावी कार्य करने में सहायता मिली है।

ओमेक्स रेजीडेंसी में फर्जी कॉल सेंटर का राजफाश आठ लोगों को पकड़ा

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। शहीद पथ स्थित ओमेक्स रेजीडेंसी में क्राइम ब्रांच और सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने छापेमारी की है। मौके से पुलिस को फर्जी कॉल सेंटर का संचालन होता मिला। पुलिस ने यहां काम कर रहे आठ लोगों को पकड़ा है। इनसे पूछताछ की जा रही है। आरोप है कि कॉल सेंटर चलाने वालों के पास ट्रांसफर किए हुए कॉल आते थे। इन फोन कॉल पर लोगों से ठगी होती थी। पुलिस पकड़े गए लोगों से अन्य जानकारी जुटा रही है।

ओमेक्स रेजीडेंसी में एक बजे पुलिस ने छापेमारी शुरू की। शुक्रवार सुबह तक जांच जारी रही। मौके से पुलिस ने आठ लोगों को फर्जी काल सेंटर में काम करते पकड़ा। अपर पुलिस उपायुक्त अपराध/साइबर अपराध किरन यादव ने बताया कि आठों लोगों से पूछताछ की जा रही है। इनके पास से मोबाइल, लैपटाप और अन्य सामान भी मिला है।

यूपी चुनाव में 95% वोटिंग का मंत्र दे गए सीईसी ज्ञानेश कुमार

मुरादाबाद में की बीएलओ संवाद

मुरादाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। देश में कुल 95 करोड़ मतदाता हैं। 60 करोड़ का एसआइआर पूरा हो चुका है, जबकि 35 करोड़ मतदाताओं का एसआइआर शेष है। उत्तरप्रदेश में आने वाले विधानसभा चुनाव में हमें 95 प्रतिशत से अधिक वोटिंग का लक्ष्य प्राप्त करना है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में रिकार्ड 93।7 प्रतिशत मतदान हो चुका है। अब रिकॉर्ड तोड़ने की बारी उत्तरप्रदेश की है। तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय में भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहीं। कहा कि अमेरिका भी अमेरिका भी एसआइआर को चोला पहनाने की चाह में है।

इस संबंध में अमेरिका प्रशासन की एक अधिकारी मिली थीं। यह भी कहा कि ईवीएम मशीनें विश्वसनीयता की कसौटी पर खरी हैं। अब तक सुप्रीम कोर्ट में यह मशीन 46 मुकदमें जीत चुकी है। किसी इंटरनेट, वाईफाई, वायर आदि से कनेक्ट करके छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है। ऐसे में इतनी व्यापक, बहुस्तरीय एवं पारदर्शी व्यवस्था विश्व के किसी अन्य देश में देखने को नहीं मिलती। भारत की निर्वाचन प्रणाली पारदर्शिता की जिस उच्च कसौटी पर कार्य करती है, वह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है। भारतीय निर्वाचन प्रणाली की विश्वभर में विश्वसनीयता है। अवसर था जनपद के बीएलओ, सुपरवाइजरों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम का।

टीएमयू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की विशिष्ट निर्वाचन प्रणाली की विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रश्नोत्तरी सत्र में उन्होंने बीएलओ, सुपरवाइजरों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से हाल में हुए चुनावों में बढ़ी मतदाता भागीदारी, निष्पक्ष मतदान, पारदर्शी मतगणना तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उनके योगदान की सराहना की। त्रि-स्तरीय कंकरेंट आडिट की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए उन देशों का उल्लेख किया, जहां मतदान अनिवार्य है, और उनकी तुलना में भारत के विभिन्न राज्यों में लगातार बढ़ रहे मतदान प्रतिशत को भारतीय लोकतंत्र की सशक्त पहचान बताया। कहा कि भारतीय निर्वाचन प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता उसकी पारदर्शिता और बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था है।

मतदान प्रारंभ होने से पहले माक पोल कराया जाता है, जिसमें ईवीएम के सुचारु संचालन का परीक्षण किया जाता है। पोलिंग एजेंट पूरी प्रक्रिया से संतुष्ट होने के बाद माक पोल प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर कर अपनी सहमति प्रदान करते हैं, जिसके बाद ही मतदान प्रारंभ होता है। मतदान के दौरान यदि किसी मतदाता की पहचान पर पोलिंग एजेंट द्वारा संदेह व्यक्त किया जाता है, तो पीठासीन अधिकारी निर्वाचन आयोग के कड़े नियमों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उसकी पहचान का परीक्षण कर आवश्यक निर्णय लेते हैं।

12 साल के बच्चे को मगरमच्छ जिंदा खा गया

बहराइच, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच से रोंगटे खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां मगरमच्छ 12 साल के बच्चे को जिंदा खा गया। धान की रोपाई करने के बाद बच्चा नदी में हाथ-पैर धोने गया था, तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। उसे जबड़े में दबोच लिया। बच्चे ने खुद को छुड़ाने के लिए हाथ-पैर मारे। उसके चाचा और ग्रामीणों ने भी ईंट-पत्थर फेंककर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे छोड़ा नहीं। उसने दो-तीन बार बच्चे को उछालकर पानी में पटका, फिर गहरे पानी में खींच ले गया। देखते ही देखते बच्चे के आधे शरीर को निगल लिया। 5 घंटे बाद ग्रामीणों ने बच्चे का शव बरामद किया। घटना गुरुवार शाम की है। लेकिन इसका वीडियो शुक्रवार सुबह सामने आया। थाना प्रभारी टीएन मौर्या ने घटना और वीडियो की पुष्टि की है। वन रेंजर साकिब अंसारी ने बताया- मगरमच्छ बच्चे का दाहिना पैर और कमर के नीचे का हिस्सा खा गया। मामला जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर बौंडी थाना क्षेत्र का है।

सम्राट चौधरी पर विवादित पोस्ट करना पड़ा भारी

आरजेडी समेत 10 एक्स हैंडल्स को नोटिस

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ अपशब्द और विवादित कंटेट पोस्ट करने के आरोप में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के 10 हैंडल्स को बिहार पुलिस ने नोटिस जारी किया है। इनमें राजद का एक्स हैंडल अकाउंट भी शामिल है। सीसीएसयू ने एक्स के माध्यम से आईटी एक्ट एवं बीएनएस की धाराओं के तहत विवादित कंटेट हटाने का निर्देश दिया है। ऐसा नहीं करने पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए कार्रवाई की जाएगी। सीसीएसयू ने एक्स को भी इस संबंध में नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में संबंधित दस एक्स हैंडल के पोस्ट का लिंक शेयर करते हुए इसे तत्काल हटाने को कहा गया है। इसके साथ ही इससे जुड़े डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने तथा संबंधित अकाउंट संचालकों का विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया गया है। सीसीएसयू ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री को निशाना बनाकर पोस्ट की गई यह सामग्री आपत्तिजनक और भ्रामक है। यह जनमानस को गुमराह कर सार्वजनिक व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। नोटिस में तत्काल पोस्ट हटाने, अपलोडर के नाम, आईपी एड्रेस, ई-मेल, फोन नंबर, जीपीएस लोकेशन, लॉग-इन का विवरण उपलब्ध कराने के लिए कहा है। साथ ही सभी साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के लिए भी कहा गया है।

सीसीएसयू ने निर्धारित समय के अंदर कार्रवाई की चेतावनी दी है। सीसीएसयू के नोटिस से सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस पर आरजेडी ने सवाल उठा दिए हैं। आरजेडी ने सवाल उठाते हुए एक्स पर लिखा, अब देश में यही लोकतंत्र बच गया है कि बिहार विपक्ष को नियंत्रित करेगी? जनता की आवाज़ का 'फर्जी मुठभेड़' करेगी? आगे लिखा, ₹सम्राट चौधरी के नाम में सम्राट है तो स्वयं को बिहार का सम्राट समझने लगे हैं? अगर आलोचना सहन नहीं होती तो अपने बारे में सच सुनना स्वीकार नहीं तो राजनीति छोड़ दें।

लगातार अपमान भी आत्महत्या के लिए हो सकता उकसावा : हाई कोर्ट

प्रयागराज, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आत्महत्या को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कहा है कि यदि किसी व्यक्ति को लगातार इस तरह अपमानित किया जाए कि उसकी पारिवारिक जिंदगी और सम्मान प्रभावित हो तो ऐसी परिस्थितियां आत्महत्या के लिए उकसावे के दायरे में आ सकती हैं। इसी आधार पर अदालत ने कथित प्रेमिका के पति की आत्महत्या के मामले में आरोपित व्यक्ति को आरोपमुक्त (डिस्चार्ज) करने से इन्कार कर दिया और उसकी आपराधिक अपील खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति संतोष राय ने दिया है। कोर्ट ने बरेली की विशेष एससी/एसटी अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें आरोपित चंद्रजीत सिंह की डिस्चार्ज अर्जी खारिज कर दी गई थी।

आरोपित के खिलाफ आइपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण) तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। अभियोजन के अनुसार आत्महत्या करने वाले युवक की शादी वर्ष 2017 में हुई थी। आरोप है कि उसकी पत्नी के आरोपित चंद्रजीत और एक अन्य व्यक्ति गुलशन से अवैध संबंध थे। इसे लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। शिकायत के मुताबिक समझाने के बावजूद आरोपित लगातार युवक को मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहे, इससे वह गहरे तनाव में आ गया और 18 जून 2018 को अपने कमरे में फंदे से लटका मिला। मौके से हस्तलिखित सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने अपनी पत्नी, चंद्रजीत और गुलशन को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था। बाद में फारेंसिक साइंस लेबोरेटरी ने सुसाइड नोट की लिखावट की पुष्टि भी कर दी।

हाई कोर्ट में आरोपित ने दलील दी कि घटना से दो-तीन दिन पहले उसका मृतक से कोई संपर्क नहीं था, इसलिए आत्महत्या के लिए उकसावे का आरोप नहीं बनता। हालांकि अदालत ने यह तर्क स्वीकार करने से इन्कार कर दिया अदालत ने कहा कि सुसाइड नोट मामले का महत्वपूर्ण साक्ष्य है और उसमें लगातार अपमान और मानसिक प्रताड़ना का व्यवस्थित क्रम सामने आता है। ऐसे में आरोपों की सत्यता, आरोपित की मंशा और आत्महत्या से उसके संबंध का अंतिम परीक्षण केवल ट्रायल के दौरान ही किया जा सकता है। इन टिप्पणियों के साथ हाई कोर्ट ने माना कि प्रथम दृष्टया आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सामग्री मौजूद है।

'संस्कृत बाहर से आई, हिंदी-उर्दू भारत की भाषा', सांसद के बयान पर बहस शुरू

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के सियासी गलियारे से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां किशनगंज से कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने विवादित बयान दिया है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा कि "हिंदी और उर्दू इस देश की भाषाएं हैं, लेकिन संस्कृत बाहर से आई भाषा है।" दरअसल बिहार में नए डिग्री कॉलेजों में उर्दू विषय की पढ़ाई को लेकर सियासत तेज हो गई है।

किशनगंज से कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए ऐसा बयान दिया, जिस पर नया विवाद खड़ा हो गया है। मोहम्मद जावेद ने कहा कि हिंदी और उर्दू भारत की भाषाएं हैं, जबकि संस्कृत बाहर से आई भाषा है। सांसद का यह बयान अब राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। मोहम्मद जावेद ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार ने हाल ही में शुरू हुए नए डिग्री कॉलेजों में उर्दू की पढ़ाई शुरू नहीं कराई है। उन्होंने कहा कि यह फैसला उर्दू भाषी छात्रों के साथ अन्याय है और सरकार को इस पर तुरंत पुनर्विचार करना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि बिहार में बड़ी संख्या में उर्दू भाषी छात्र-छात्राएं हैं, लेकिन नए डिग्री कॉलेजों में उनके लिए उर्दू विषय की व्यवस्था नहीं की गई।

उन्होंने इसे शिक्षा के अधिकार और भाषाई विविधता के खिलाफ बताया। जावेद ने सरकार से मांग की कि सभी नए डिग्री कॉलेजों में उर्दू विभाग शुरू किया जाए ताकि छात्रों को अपनी पसंद की भाषा में उच्च शिक्षा का अवसर मिल सके। मोहम्मद जावेद ने कहा कि "हिंदी और उर्दू इस देश की भाषाएं हैं, लेकिन संस्कृत बाहर से आई भाषा है।" उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। संस्कृत को लेकर दिया गया उनका यह बयान सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है।

लड़की से पूछा- शादी करोगी, मना करते ही गोली मारी

मेरठ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में सिरफिरे आशिक ने एकतरफा प्यार में बीच सड़क 24 साल की लड़की को गोली मार दी। 11 बजे आरोपी ने सहेली के साथ लड़की को रोका। उससे पूछा- मुझसे शादी कर लो। लड़की ने मना किया तो बंदूक निकाल ली। फायर कर दिया। लड़की बचने के लिए झुक गई, इसलिए निशाना चूक गया। सहेली ने आरोपी को धक्का दिया। इससे वह गिर पड़ा। उठते ही दूसरी बार फायर किया।

गोली लड़की के कान के पास लगी। वह सड़क पर गिर पड़ी। दर्द से तड़पने लगी। लोगों को आता देखकर आरोपी भागने लगा। चिल्लाते हुए बोला- मुझसे शादी नहीं करोगी तो किसी और से नहीं करने दूंगा। मेरी नहीं हुई तो किसी और की नहीं दूंगा। आनन-फानन में लड़की को केएमसी अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। लड़की की सहेली ने पुलिस को फोन कर वारदात की जानकारी दी।

सूचना पर एसपी सिटी, सीओ पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। वारदात ब्रह्मपुरी थाने के गणेशपुरी चौकी से करीब 300 मीटर दूर अंजुम पैलेस के सामने हुई।

पति का सिर धड़ से अलग!

इश्क में अंधी 4 बच्चों की मां निकली कातिल प्रेमी संग मिलकर रची खौफनाक साजिश

किशनगंज, 17 जुलाई (एजेंसियां)। चर्चित रिजवान हत्याकांड की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि एक और दिल दहला देने वाली वारदात ने किशनगंज जिले सहित पूरे सीमांचल को झकझोर कर रख दिया। इस मामले में भी हत्या की साजिश का केंद्र प्रेम-प्रसंग ही बताया जा रहा है। आरोप भी मृतक की पत्नी पर ही है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामले से गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ताजा मामला किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड अंतर्गत उदगाड़ा पंचायत के खारबाड़ी वार्ड संख्या 9 का है। यहां के निवासी इमाम, जो झाड़-फूंक का काम करता था, उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। दरअसल, तीन दिन पहले पश्चिम बंगाल के बागडोगरा थाना क्षेत्र स्थित हंसखुआ चाय बागान के सेक्शन नंबर 9 में सेंट पीटर स्कूल के पीछे एक सिरकटी लाश मिली थी। बागडोगरा पुलिस ने शव के पास मिले पहचान पत्र के आधार पर मृतक की पहचान किशनगंज निवासी इमाम के रूप में की।

परिजनों को इसकी सूचना मिलने के बाद वे बागडोगरा पहुंचे और शव की पहचान की। शव की हालत देखकर ही अंदाजा लगाया जा रहा था कि हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है। इसके बाद बागडोगरा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज भेजा और आगे की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड मृतक की पत्नी मोमिना बेगम ही निकली। सामने आई जानकारी के अनुसार मोमिना बेगम का बागडोगरा निवासी सुदीप पाल से पिछले 2-3 वर्षों से प्रेम संबंध था। सुदीप पाल तांत्रिक का काम करता है, जबकि मृतक इमाम भी झाड़-फूंक से जुड़ा हुआ था। दोनों का काम एक जैसा होने के कारण पहले से परिचय था और एक दूसरे के घर आना जाना भी था। इसी दौरान सुदीप पाल और मोमिना बेगम के बीच नजदीकियां बढ़ती चली गईं। बताया जा रहा है कि दोनों का प्रेम संबंध इतना गहरा हो गया कि इमाम उनके रिश्ते में सबसे बड़ी बाधा बन गया। इसके बाद दोनों ने इमाम को हमेशा के लिए रास्ते से हटाने की साजिश रचनी शुरू की। इसी तरह का खुलासा रिजवान मर्डर केस में भी हुआ था। इसी बीच घटना के दो दिन बाद बागडोगरा पुलिस ने मामले का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार प्रेम प्रसंग के चलते इस पूरी वारदात को अंजाम दिया गया।

तीन महीने बाद सबा-फराह को मिली जरूरी दवाएं, अब हर महीने बिहार के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी स्वास्थ्य जांच

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सिर से जुड़ी जुड़वां बहनें सबा और फराह की स्वास्थ्य देखभाल को लेकर स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर सक्रिय हुआ है। तीन महीने तक दवाएं नहीं मिलने की शिकायत के बाद अब आवश्यक दवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं और हर महीने विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनके घर जाकर स्वास्थ्य जांच करेगी। जानकारी अनुसार पटना सिविल सर्जन कार्यालय ने तीन महीने तक नियमित दवाएं नहीं मिलने की शिकायत के बाद सबा और फराह तक आवश्यक दवाएं पहुंचा दी हैं। सिविल सर्जन ने बताया कि दो दिन पहले दोनों बहनों के लिए जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों बहनों की नियमित निगरानी के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित करने का निर्णय लिया है।

इस टीम में नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, अस्थि रोग (ऑर्थोपेडिक्स), सर्जरी और मेडिसिन विभाग के चिकित्सक शामिल होंगे। टीम प्रत्येक महीने उनके घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण करेगी और आवश्यकता के अनुसार उपचार एवं दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। राजाबाजार के समनपुरा निवासी 23 वर्षीय सबा और फराह जन्मजात क्रैनियोपैगस (सिर से जुड़े जुड़वां) जैसी दुर्लभ चिकित्सीय स्थिति के साथ जीवन जी रही हैं। उन्हें प्रतिदिन कई प्रकार की दवाओं की आवश्यकता होती है। पिछले कुछ महीनों तक नियमित दवा नहीं मिलने के कारण उन्हें हड्डियों में दर्द, हाथ-पैरों में सूजन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। सबा-फराह के भाई मोहम्मद तमन्ना ने बताया कि आवश्यक दवाएं मिल गई हैं,

लेकिन नियमित स्वास्थ्य जांच अभी शुरू नहीं हुई है। उनका कहना है कि वर्ष 2024 के बाद से चिकित्सकों की नियमित घर पर विजिट बंद है। परिवार ने पहले की तरह विशेषज्ञ चिकित्सकों की मासिक जांच व्यवस्था फिर से शुरू करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सबा-फराह की नियमित चिकित्सा निगरानी की व्यवस्था की गई थी। उस समय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम हर महीने उनके स्वास्थ्य की जांच करती थी और समय-समय पर रिपोर्ट संबंधित उच्च संस्थानों को भेजी जाती थी। अब स्वास्थ्य विभाग ने इस व्यवस्था को फिर से नियमित रूप से लागू करने का आश्वासन दिया है।

मृत्युंजय तिवारी का दावा

पार्टी में तेजस्वी की नहीं सुनी जा रही, बीजेपी बोली- आरजेडी में मचेगी भगदड़

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आरजेडी से इस्तीफा देने के बाद मृत्युंजय तिवारी ने साफ कर दिया है कि वे बीजेपी में नहीं जाएंगे। साथ ही यह भी कहा कि वे अब आरजेडी में भी नहीं लौटेंगे। शुक्रवार (17 जुलाई, 2026) को मृत्युंजय तिवारी ने यह बात कही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि तेजस्वी यादव की पार्टी में नहीं सुनी जा रही है। मृत्युंजय तिवारी ने सलाह दी कि तेजस्वी यादव को सोचना होगा। दिशाहीन होकर काम नहीं चलता है। कुछ लोग खुद को इतना बड़ा नेता मानने लगे हैं कि तेजस्वी यादव की भी नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरजेडी की दुर्गति हो रही है। मेरे इस्तीफे से हर कार्यकर्ता नाराज है। आगे उन्होंने कहा कि पार्टी में उन्हें बार-बार अपमानित करने की कोशिश की गई। उन्होंने तेजस्वी समेत कई वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की थी। सबने आश्वासन दिया था कि मामला उठाएंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। मृत्युंजय तिवारी ने कहा, साल 2014 में जब आरजेडी सबसे बुरी हालत में थी, तब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने फोन कर पार्टी का प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

ईमानदारी से यह जिम्मेदारी निभाई। मैंने हमेशा पार्टी नेताओं की बातों और विचारधारा को आगे बढ़ाया, लेकिन मुझे अपमानित किया गया। उन्होंने कहा कि एक समर्पित कार्यकर्ता होने के नाते मेरे पास आरजेडी से इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। पार्टी के लिए अपना सबकुछ दे दिया, लेकिन मुझे कुछ नहीं मिला। इस पूरे मामले पर बिहार बीजेपी के प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने कहा, बिहार के नेता विपक्ष, लालू जी के युवराज तेजस्वी कहां हैं?

जंतर-मंतर की चिंता हो रही है पर अपनी पार्टी की कोई चिंता नहीं है। बाकीपुर में चुनाव है, अपने कार्यकर्ताओं तक की चिंता करने में तेजस्वी सफल नहीं हो पा रहे हैं, तो बिहार की चिंता क्या करेंगे? तेजस्वी जी, बताना तो पड़ेगा, बार-बार आप बिहारी नहीं देश से बाहर जाते हैं, कहां जाते हैं, क्या करते हैं, किससे मिलते हैं?

'मुझे किसी ने परेशान किया तो उसे काट डालूंगी'; क्लास में चाकू-चापड़ लेकर पहुंची महिला टीचर, वीडियो हुआ वायरल

कौशांबी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी से एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसमें यहां के एक प्राथमिक स्कूल में पढ़ाने वाली महिला टीचर ड्यूटी पर चाकू और चापड़ लेकर वहां पर पहुंची जिससे विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के साथ वहां के स्टाफ में भी दहशत का माहौल बन गया। यह मामला कौशांबी के कड़ा ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय लुकिया का है। इंचार्ज प्रधानाध्यापक शिखा सिंह पिछले तीन-चार दिनों से हाथों में चाकू और चापड़ लेकर स्कूल आ रहीं थीं। क्लास के अंदर टीचर का धारदार हथियार लहराते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है जिसके चलते शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। कौशांबी के कड़ा ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय लुकिया में इंचार्ज प्रधानाध्यापक शिखा सिंह जो प्रयागराज की निवासी बताई जा रही हैं वह पिछले कुछ दिनों से हाथों में चाकू और चापड़ लेकर स्कूल आ रही थीं। उनकी इस हरकत से स्कूल स्टाफ और छात्र-छात्राएं भयभीत थे। उनकी इस हरकत के चलते स्कूल में बच्चों की उपस्थिति में लगातार गिरावट देखने को मिल रही थी।

भारतीय सीमा पर एक्शन

ड्रग्स व लाखों के पाक और नेपाली करेंसी के बाद प्रतिबंधित चाइनीज सेब की बड़ी खेप जब्त

किशनगंज, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अवैध तस्करी और मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे महा-अभियान के तहत सुरक्षा एजेंसियों को लगातार तीसरी बड़ी सफलता मिली है। एसएसबी की 12वीं बटालियन, दिघलबैंक थाना पुलिस और विशेष नारकोटिक्स टीम (एनटीएस) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय तस्करों की कमर तोड़ दी है। सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर धनतोला पंचायत के खरवन टोला गांव की तगड़ी घेराबंदी कर एक बड़े संदिग्ध ठिकाने पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके से तस्करी के इस पूरे खेल में संलिप्त 11 शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 175 ग्राम कीमती ब्राउन शुगर बरामद हुई।

एसएसबी के सहायक कमांडेंट शिवराम कृष्णन और दिघलबैंक थानाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह के नेतृत्व में हुई इस बड़ी छापेमारी से सीमाई इलाके में हड़कंप मच गया है।

पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ ही 8 लाख 13 हजार से अधिक भारतीय रुपये और 2 लाख से ज्यादा नेपाली रुपये मिले हैं। इस ड्रग्स सिंडिकेट के पास से प्रतिबंधित 300 नाइट्राजेपाम टैबलेट, दो डिजिटल वजन मशीन, 12 मोबाइल फोन, दो मोटरसाइकिलें और 100 रुपये की पाकिस्तानी करेंसी भी मिली है। प्रारंभिक जांच में सुरक्षा एजेंसियों को गंभीर आशंका है कि गिरफ्तार किए गए सभी तस्कर भारत-नेपाल सीमा पर सक्रिय किसी बड़े संगठित नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी में एसएसबी की 12वीं बटालियन की दिघलबैंक कंपनी के सहायक कमांडेंट मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने एक और सफल संयुक्त छापेमारी की।

टीम ने भारत-नेपाल बॉर्डर के पिलर संख्या 133/18 एस के पास भारतीय क्षेत्र में तस्करी के लिए छिपाकर रखे गए प्रतिबंधित चाइनीज सेब भी बरामद किए।

दुष्कर्म के बाद घोंट दिया था आईआरएस की बेटी का गला, 900 पन्नों की चार्जशीट में 70 गवाह

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित कैलाश हिल्स में आइआरएस की बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में लगभग तीन महीने बाद पुलिस ने आरोपित राहुल मीणा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आरोपित आईआरएस का पूर्व घरेलू सहायक था। लगभग 900 पन्नों की चार्जशीट में पुलिस ने 70 से अधिक गवाहों के बयान हैं। फोरेंसिक जांच का भी हवाला दिया है, जिसमें शव पर आरोपित के ब्लड व सीमेन की पुष्टि हुई है। चार्जशीट के मुताबिक, 22 अप्रैल की सुबह जब यूपीएससी की तैयारी करने वाली युवती घर में अकेली थी, तब आरोपित ने उसके साथ दुष्कर्म किया, मोबाइल के वायर से उसका गला घोंट दिया और लाखों रुपये की नकदी व कीमती सामान लूटकर फरार हो गया। पुलिस ने 12 घंटे से भी कम समय में उसे द्वारका के एक होटल से ढूंढ निकाला और तब से वह न्यायिक हिरासत में है। मामले में 18 जुलाई को सुनवाई होगी।

आज से एनसीआर में बारिश और तेज हवाएं चलेंगी

नोएडा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने दोपहर के समय गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी दी है। हालांकि राहत की बात यह है कि 18 जुलाई से मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कई दिनों तक गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अनुसार, 29 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) 70 से 50 प्रतिशत के बीच रह सकती है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ गरज और बिजली चमकने

की संभावना जताई गई है। विभाग ने विशेष रूप से दोपहर के समय हॉट एंड ह्यूमिड परिस्थितियों के चलते लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, 18 जुलाई से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आर्द्रता 70 से 55 प्रतिशत के बीच रहेगी। पूर्वानुमान में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। तेज हवाओं और बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है। इसके बाद 19 जुलाई को अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आर्द्रता 75 से 60 प्रतिशत के बीच रह सकती है। इस दिन भी गरज-चमक के साथ बारिश का पूर्वानुमान है। हालांकि, विभाग ने इस दिन के लिए किसी विशेष चेतावनी की आवश्यकता नहीं बताई है। 20 जुलाई को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

इस दिन भी बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां जारी रहने का अनुमान है। 21 जुलाई को तापमान और नीचे आकर 33/25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि आर्द्रता 90 से 70 प्रतिशत के बीच रह सकती है। इसी तरह 22 जुलाई को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में लगातार होने वाली बारिश और तेज हवाओं के कारण एनसीआर में पिछले कई दिनों से बनी भीषण गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिलेगी।

लव मैरिज के 3 साल बाद पति बना कसाई

देवास, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के देवास जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पति ने पवित्र रिश्ते को तार-तार करते हुए अपनी ही पत्नी पर जानलेवा हमला कर दिया। औद्योगिक थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली गरीब नवाज कॉलोनी में रहने वाले अबरार नाम के शख्स ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। आरोपी अपनी 27 वर्षीय पत्नी रिहाना को बाहर खाना खिलाने के बहाने घर से लेकर निकला था। वह उसे झांसा देकर क सुनसान इलाके में ले गया, जहां उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। सुनसान पहाड़ी पर पहुंचते ही उसका रंग बदल गया। अबरार ने रिहाना के साथ पहले तो लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट की। जब रिहाना अपनी जान बचाने के लिए चीखने-चिल्लाने लगी तो आरोपी ने एक धारदार चाकू निकाला और बेरहमी से रिहाना का होंठ काट दिया। इस खूनी हमले के बाद पीड़िता लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ी। आरोपी अबरार अपनी गंभीर रूप से घायल पत्नी और अपनी मासूम बच्ची को उसी सुनसान और वीरान जगह पर तड़पता हुआ छोड़कर मौके से फरार हो गया।

प्रोजेक्ट मेघालय के नौ गिरफ्तार

विजय की सरकार गिराने के लिए चला गया था, टीवीके के 15 एमएलए को 35-35 करोड़ देने के ऑफर का आरोप

चेन्नई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) की सरकार को अस्थिर करने की कथित साजिश प्रोजेक्ट मेघालय को लेकर चेन्नई पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इस मामले में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोप है कि टीवीके के 15 विधायकों को 35-35 करोड़ रुपये ऑफर किए गए थे। यह शिकायत उथंगराई से टीवीके विधायक एन। एलैयाराजा ने दर्ज कराई थी। विधायक का आरोप है कि यूट्यूबर थिरुनावुक्कारासु, जो ओपिनियन पोलिंग ग्रुप आईडीपीएस चलाते हैं, और अन्य लोगों ने विधानसभा में पार्टी व्हिप के खिलाफ वोट करने के लिए उन्हें 35 करोड़ रुपये की पेशकश की। विधायक एलैयाराजा ने कहा कि ऑफर ठुकराने के बाद उन्हें और उनके परिवार को धमकियां भी मिलीं।

पुलिस जांच में सामने आया कि प्रोजेक्ट मेघायल नाम की एक योजना के तहत करीब 15 टीवीके विधायकों से संपर्क कर उन्हें पैसे का लालच देकर पार्टी छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने इस मामले की जांच के सिलसिले में इस हफ्ते क्षेत्रीय न्यूज चैनल पुथिया थलाइमुराई के सीनियर पत्रकार विजयन से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि सबूतों से पता चला है कि विजयन का मुख्य आरोपी थिरुनावुक्कारासु से संपर्क था और उन्होंने उसे मैजेज भी भेजे थे। 15 और 16 जुलाई को पूछताछ के बाद पुलिस ने फोरेंसिक जांच के लिए विजयन का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया।

डोडा में एसओजी टीम पर हमला

हाथापाई के बीच चली गोली; एक युवक की मौत

जम्मू, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के डोडा जिले में एक शख्स की गोली लगने से मौत हो गई। जिसका नाम आरिफ हुसैन बताया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक ये घटना उस समय हुई जब मृतक स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) से राइफल छीनने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान तीन पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं, जिसमें से एक को काफी गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक ये घटना डोडा जिले के भद्रवाह की है। ऊंचाई वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद एसओजी की एक टीम क्षेत्र में निगरानी रख रही थी। शुक्रवार को भद्रवाह कस्बे से लगभग 35 किलोमीटर दूर जाई-गांडोह सड़क पर दो लोगों को एसओजी की टीम ने रोका।

जिसके बाद उन्होंने टीम पर हमला किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार एसओजी की टीम ने करीब 11.30 बजे 2 युवकों को रोका। इसी दौरान युवक ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर हमला किया और सर्विस राइफल छीनने की कोशिश की। एसओजी की टीम और युवक के बीच हाथापाई हुई। अधिकारी ने बताया कि हाथापाई के दौरान एसओजी के एक जवान ने गोली चलाई, जो युवक को गोली लगी, जबकि इस घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिसकर्मी के सिर में भी गंभीर चोटें आई हैं। वहीं दूसरा युवक अभी भी फरार है। इसके बाद सभी घायलों को भद्रवाह के उप-जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए डोडा सरकारी मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय आरिफ हुसैन के रूप में हुई,

शिवपुरी में नरवर किले से 500 साल पुरानी और 3000 किलो की तोप चोरी, क्रेन-ट्रक लेकर आए थे 30 बदमाश

भोपाल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित ऐतिहासिक नरवर किले से हथियारबंद बदमाशों ने सिंधिया राजवंश की 500 साल पुरानी तोप चोरी कर ली है। इस वारदात ने किले की सुरक्षा व्यवस्था और पुरातत्व विभाग के संरक्षण के इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नरवर के किले में 14 तोपें रखी गई थीं, ऐतिहासिक तोप चोरी होने के बाद अब यह संख्या 13 रह गई है। पुलिस के अनुसार, 5 और 16 जुलाई की दरम्यानी रात करीब 25 से 30 हथियारबंद बदमाश किले में घुसे। बदमाश अपने साथ क्रेन और ट्रक जैसी मशीनें लेकर आए थे। किले के ओपन कचहरी परिसर में रखी 14 ऐतिहासिक तोपों में से 3000 किलो वजनी अष्टधातु की एक तोप को उठाकर ले गए।

घटना के समय ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी ने बताया कि बदमाशों के पास आधुनिक हथियार थे। उन्होंने जान से मारने की धमकी देकर हमें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। किले में पर्याप्त रोशनी और टॉर्च जैसी सुविधाएं तक नहीं थीं। हमारे पास सिर्फ लाठी थी। वारदात के बाद अब परिसर में 13 तोपें ही बची हैं। जांच में पता चला है कि बदमाश किले के पिछले रास्ते से दाखिल हुए थे।

उन्हें पहले से पता था कि तोप कहां रखी है और उसे ले जाने के लिए कितने लोगों की जरूरत होगी। इसी कारण वे 25 से 30 की संख्या में और लोडिंग वाहन के साथ पहुंचे। इस मामले में सबसे हैरानी की बात यह है कि करीब 12 दिन पहले भी किले और आसपास संदिग्ध गतिविधियां देखी गई थीं। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना भी दी थी, लेकिन सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई और न ही अतिरिक्त निगरानी की व्यवस्था की गई। पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार, यह तोप 16वीं शताब्दी की है। यह भारती सैन्य इतिहास और उस समय की उन्नत धातु कर्म तकनीक का प्रतीक है।

2.50 लाख का फर्जी असलहा लाइसेंस, 12 साल बाद रिन्यू कराने पहुंचे व्यक्ति के उड़े होश; एजेंट अरेस्ट

तरनतारन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। तरनतारन जिले में फर्जी असलहा लाइसेंस का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक व्यापारी को करीब 12 वर्ष पहले असली बताकर फर्जी असलहा लाइसेंस थमा दिया गया। इतना ही नहीं, उसी लाइसेंस पर रिवाल्वर भी दर्ज करवा दी गई। पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब लाइसेंस की अवधि समाप्त होने पर उसके नवीनीकरण के लिए आवेदन किया गया। ऑनलाइन रिकॉर्ड में लाइसेंस का कोई विवरण नहीं मिलने पर धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एजेंट करण सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता तरसेम सिंह तरनतारन जिले के गांव कुल्ला के रहने वाले हैं और कपड़े का कारोबार करते हैं। उन्होंने बताया कि करीब 12 वर्ष पहले उनकी दुकान पर लूट का प्रयास हुआ था। घटना के बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए असलहा लाइसेंस बनवाने का फैसला किया। इसी दौरान उनकी मुलाकात पंडोरी गोला निवासी करण सिंह से हुई। करण सिंह ने दावा किया कि उसकी अधिकारियों के साथ अच्छी पहचान है और वह आसानी से असलहा लाइसेंस बनवा देगा। इसके बदले उसने लाइसेंस बनवाने के लिए ढाई लाख रुपये की मांग की।

'शेर हो या चूहा, सबके पाप का विचार होगा'

अभिषेक बनर्जी पर अग्निमित्रा पॉल ने साधा निशाना; कोयल मलिक को लेकर भी दिया बयान

आसनसोल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की शहरी विकास एवं नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने पश्चिम बंगाल की राजनीति से जुड़े कई मामलों पर अपनी राय रखी। इस दौरान उन्होंने अभिनेत्री कोयल मलिक के तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफे पर भी बयान दिया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शेर वाले बयान और कोलकाता एयरपोर्ट परिसर में स्थित मस्जिद हटाने के विरोध को लेकर पूर्व मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी की चेतावनी पर तीखी प्रतिक्रिया भी दी। अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि कोयल मलिक को राजनीति और फिल्मी करियर के बीच स्पष्ट फैसला करना चाहिए था।

उनका आरोप था कि कुछ लोग एक साथ सिनेमा, अपने पेशे और राजनीति तीनों में पैर रखकर सुविधाएं हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जनता की सेवा करनी थी तो तृणमूल में रहते हुए भी की जा सकती थी। उनके मुताबिक, बंगाल की जनता ऐसे अवसरवादी रवैये को पसंद नहीं करती, जो परिस्थितियों के हिसाब से अपना पक्ष बदलते हैं। ममता बनर्जी द्वारा अभिषेक बनर्जी को शेर

बताए जाने के सवाल पर अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि शेर का स्थान जंगल या पिंजरा होता है, समाज में नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल ने पहले बीरभूम के नेता अनुब्रत मंडल को शेर बनाया और अब अभिषेक बनर्जी को उसी तरह पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून के सामने सभी बराबर हैं और जिसने भी कोई अपराध किया है, उसे जवाब देना होगा। जो पाप आपने किया है, उसका विचार होगा, चाहे वह शेर हो या चूहा। कोलकाता एयरपोर्ट परिसर के भीतर स्थित मस्जिद हटाने के फैसले का विरोध कर रहे पूर्व मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी पर भी अग्निमित्रा पॉल ने हमला बोला। उन्होंने कहा कि नई सरकार बनने के बाद बंगाल के मुसलमानों के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं हुआ है। उनका दावा था कि तृणमूल कांग्रेस ने मुसलमानों के बीच यह डर फैलाया था कि भाजपा सरकार आने पर नमाज पर रोक लगेगी और अत्याचार होगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है।

विकास का लाभ सभी नागरिकों हिंदू, मुसलमान, ईसाई, जैन और बौद्ध को समान रूप से मिलेगा। अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि कोलकाता एयरपोर्ट के विस्तार और नई एयरस्ट्रिप का निर्माण राज्य के विकास के लिए जरूरी है। उनके मुताबिक, आधुनिक और बड़ा एयरपोर्ट बनने से सभी समुदायों को फायदा होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्दीकुल्लाह चौधरी और तृणमूल के कुछ नेता विकास के बजाय धार्मिक राजनीति कर रहे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि वक्फ कानून को लेकर भी लोगों में भ्रम फैलाया गया था, लेकिन समय के साथ मुसलमान समाज को वास्तविक स्थिति समझ में आ गई।

पुलिस के कमिश्नर सतीश गोलचा को रिटायरमेंट से पहले हटाया गया, अब अनुराग कुमार को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को लेकर शुक्रवार को बड़ी खबर सामने आ रही है। दिल्ली पुलिस के कमिश्नर सतीश गोलचा को रिटायरमेंट से पहले ही उनके पद से हटा दिया गया है। इसके साथ ही अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पद की जिम्मेदारी मिली है। उनका नियुक्ति से जुड़ा आदेश भी जारी कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, सतीश गोलचा का कार्यकाल 2027 में पूरा होने वाला था। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार को दिल्ली का नया पुलिस आयुक्त (कमिश्नर ऑफ पुलिस) नियुक्त किया है।

इस संबंध में गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया। गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, एजीएमयूटी कैडर (1994 बैच) के आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार को सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद यह

जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगी और अगले आदेश तक वह दिल्ली पुलिस आयुक्त के पद पर बने रहेंगे। आदेश में कहा गया है कि वर्तमान पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा (एजीएमयूटी कैडर, 1992 बैच) नए पुलिस आयुक्त के कार्यभार ग्रहण करने के बाद आगे की नियुक्ति के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल को रिपोर्ट करेंगे।

मुंब्रा में दोस्ती का खौफनाक अंत! युवक की हत्या कर सिर और दोनों हाथ काटे, खुद बनाया हाथ काटने का वीडियो

ठाणे, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मुंब्रा इलाके में दोस्ती का रिश्ता खूनी दुश्मनी में बदलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक की बेरहमी से हत्या कर उसका सिर और दोनों हाथ धड़ से अलग कर दिए गए। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। ठाणे अपराध शाखा (यूनिट-4) ने मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हैरान कर देने वाली बात ये है कि आरोपियों ने हत्या के बाद मृतक का सिर और दोनों हाथ धारदार हथियार से काट दिया और उसे कहीं और फेंक दिया। आरोपियों ने घटना का पूरा वीडियो भी मोबाइल में कैद किया।

पुलिस के अनुसार, खर्डी गांव के पास एक सुनसान इलाके में एक युवक का सड़ी-गली अवस्था में शव मिला था। शव का सिर और दोनों हाथ धड़ से अलग होने के कारण उसकी पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बन गया था। जांच के दौरान पुलिस ने फैज सुल्तान मलिक और अल्बान सुल्तान मलिक को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने अपने ही दोस्त अमन मुस्कीन शेख की हत्या करने की बात कबूल कर ली। पुलिस जांच में सामने आया कि 13 मार्च की रात मुंब्रा के खर्डी गांव इलाके में हुए विवाद के बाद आरोपी अमन को ऑटो रिक्शा से सुनसान स्थान पर ले गए।

वहां धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। इसके बाद पहचान छिपाने के लिए उसका सिर और दोनों हाथ धड़ से अलग कर शव को जंगल में फेंक दिया। जांच के दौरान एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पूरे हत्याकांड का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर रखा था। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है

मासूम अनिका के इलाज में देरी पर हाई कोर्ट सख्त

आईएमएस से 23 जुलाई तक मांगा जवाब, बार-बार समय मांगने पर जताई नाराजगी; 27 जुलाई को अगली सुनवाई

इंदौर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। स्पाइनल मस्क्युलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप-2 जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी से जूझ रही तीन वर्षीय अनिका शर्मा के इलाज में हो रही देरी को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने गंभीर चिंता जताई है। हुई सुनवाई के दौरान आईएमएस नई दिल्ली की ओर से एक बार फिर जवाब पेश नहीं किए जाने पर कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए 23 जुलाई तक हर हाल में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस संदीप एन। भट्ट की एकल पीठ ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए स्पष्ट किया कि अब और विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई 2026 को निर्धारित की गई है। अनिका की ओर से एडवोकेट चंचल गुप्ता और लखन शर्मा द्वारा दायर याचिका में बताया गया है कि बच्ची एसएमए टाइप-2 नामक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है, जिसके इलाज के लिए लगभग 9.5 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। परिजनों ने केंद्र सरकार से मंजूर 50 लाख रुपए की सहायता राशि के अलावा सामाजिक संगठनों और आम लोगों के सहयोग से क्राउडफंडिंग के माध्यम से करीब 7.5 करोड़ से ज्यादा रुपए जुटा लिए हैं। इसके बावजूद इलाज अब तक शुरू नहीं हो पाया है।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दालों और तिलहन की पैदावार बढ़ाने के लिए नॉन-जीएम रिसर्च पर ज़ोर दिया

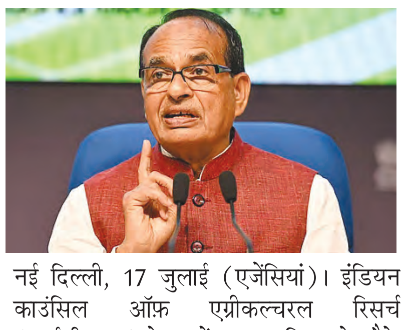

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन काउंसिल ऑफ़ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) के 98वें स्थापना दिवस के मौके पर, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फ़सल की पैदावार बढ़ाने के लिए नॉन-जेनेटिकली मॉडिफाइड (नॉन-जीएम) फ़सलों पर रिसर्च के महत्व पर ज़ोर दिया।चौहान ने कहा, जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) फ़सलों पर रिसर्च के अलावा, आईसीएआर को दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए नॉन-जीएम रिसर्च पर भी ध्यान देना चाहिए। बारिश की कमी के कारण खरीफ़ फ़सलों के रकबे में कमी को देखते हुए, चौहान ने बताया कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है और संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए ज़िलेवार आकस्मिक योजनाएँ पहले ही तैयार कर ली हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, बारिश सामान्य से लगभग 19% कम हुई है। हालाँकि, यह सिर्फ़ एक औसत है। कुछ ज़िलों में 50% से ज़्यादा कम बारिश हुई है, जबकि कुछ अन्य जगहों पर ज़रूरत से ज़्यादा बारिश हुई है। उन्होंने आगे बताया, मौजूदा हालात को देखते हुए, ज़िले के हिसाब से आकस्मिक योजनाएँ तैयार की गई हैं और उन्हें राज्य सरकारों के साथ साझा किया गया है। हर राज्य में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और हम उनसे लगातार संपर्क में रहते हैं। मैं खुद स्थिति की निगरानी के लिए हर हफ़्ते समीक्षा बैठकें करता हूँ पश्चिम एशिया में चल रहे संकट का ज़िक्र करते हुए, चौहान ने भरोसा दिलाया कि उर्वरकों (खाद) की कोई कमी नहीं है। इस कार्यक्रम के दौरान, फ़सलों की 43 बेहतर किस्में, खेती की 17 आधुनिक तकनीकें और 14 प्रकाशन जारी किए गए।

नई तकनीकों में बासमती चावल और खारी व क्षारीय मिट्टी में उगने वाले जलवायु-अनुकूल चावल की किस्में, निर्यात-केंद्रित आम उत्पादन तकनीक, भारत का पहला स्वदेशी अफ़्रीकी स्वाइन फीवर टीका, डिजिटल स्वाइन डिज़ीज़ एटलस और छोटे किसानों के लिए सस्ता कसावा हार्वेस्टर शामिल हैं। आईसीएआर की 100वीं वर्षगांठ में बस दो साल बचे हैं, ऐसे में सरकार ने मिशन आईसीएआर 100 शुरू किया है, जिसके तहत आईसीएआर 100 राष्ट्रीय पहल करेगा। इसमें 100 युवा वैज्ञानिक ग्रैंड चैलेंज शुरू करना शामिल है, जो युवा वैज्ञानिकों को एआई, रोबोटिक्स और जीन एडिटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, साथ ही 100 जलवायु-स्मार्ट कृषि और स्मार्ट खेती की तकनीकें विकसित करना भी इसमें शामिल है।

एक शब्द बदला और उड़ गए 10 लाख रुपये, महाराष्ट्र में साइबर फ्रॉड के अनोखे मामले से पुलिस भी हैरान

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ईमेल एड्रेस में महज एक अक्षर का मामूली बदलाव किसी कंपनी को लाखों रुपये की चपत कैसे लगा सकता है, इसका एक हैरान करने वाला मामला महाराष्ट्र से सामने आया है। पुणे की एक इंजीनियरिंग कंपनी के साथ हुई इस धोखाधड़ी में जालसाजों ने सिर्फ 'o' की जगह 'a' यानी '.कॉम' की जगह '.कैम' लिखकर 10 लाख रुपये से अधिक की रकम उड़ा ली। साइबर फ्रॉड की इस अनोखी मोड्स ऑपरेंडी को सुरक्षा की भाषा में 'मैन-इन-द-मिडल' हमला या बिजनेस ईमेल कॉम्प्रोमाइज (बीईसी) कहा जाता है। इस बेहद शातिराना खेल में ठग असली ईमेल आईडी से मिलता-जुलता डोमेन बनाकर कंपनी के अधिकारियों को चकमा देने में कामयाब रहे और पूरी रकम दुबई के एक बैंक खाते में ट्रांसफर करवा ली। पुणे के कालेपडल के हांडेवाड़ी रोड क्षेत्र में स्थित यह पीड़ित कंपनी पॉलीमर उत्पादों के निर्माण का काम करती है।

यह कंपनी अपनी मुख्य कच्ची सामग्री चीन की एक सप्लायर कंपनी से आयात करती है। नियमित रूप से होने वाले इस व्यापार के सिलसिले में शिकायतकर्ता, जो कंपनी में 25 वर्षीय अकाउंट्स एक्जीक्यूटिव है, चीनी कंपनी के आधिकारिक '.कॉम' डोमेन एक्सटेंशन वाले ईमेल आईडी से लगातार संपर्क में था। इसी नियमित बातचीत के बीच में सेंध लगाकर साइबर ठगों ने इस पूरी साजिश को अंजाम दिया।

घर में हुई चोरी, एफआईआर में लिख दिया पारिवारिक विवाद; डिंडौरी पुलिस का अनोखा कारनामा

डिंडौरी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में डिंडौरी जिले के गाड़ासरई थाना पुलिस पर एक विधवा महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उसने अपने सूने घर में हुई लाखों रुपये की चोरी की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने एफआईआर में चोरी की घटना को पारिवारिक एवं जमीन विवाद से जोड़कर दर्ज कर दिया। अब पीड़िता न्याय की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची है। पीड़िता रीता आर्मो ने थाना गाड़ासरई में अपने शिकायती पत्र में बताया कि 1 जुलाई 2026 को वह घर में ताला लगाकर बाहर गई थी। लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। महिला का आरोप है कि घर से सोने-चांदी के जेवर सहित अन्य कीमती सामान चोरी हो गया, जिसकी अनुमानित कीमत 4 से 5 लाख रुपये है।

शिकायत पत्र में महिला ने कुछ परिचित लोगों पर संदेह व्यक्त करते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने आवेदन में चोरी गए सामान की बरामदगी और दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। महिला का आरोप है कि गाड़ासरई थाना पुलिस ने उसकी लिखित शिकायत के अनुरूप चोरी का मामला दर्ज करने के बजाय एफआईआर में इसे पारिवारिक और जमीन संबंधी विवाद का स्वरूप दे दिया। पीड़िता का कहना है कि इससे न केवल उसकी शिकायत की प्रकृति बदल गई बल्कि चोरी की निष्पक्ष जांच भी प्रभावित हो रही है। कर उनके मालिकों के सौंप दिया। पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में गुम हुए मोबाइल फोनों की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जाती है।

बलूचिस्तान का पाकिस्तान से 'आजादी' का ऐलान

भारत और दुनिया देगी साथ या मुनीर कुचल देंगे बगावत?

इस्लामाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से 'आजादी' का ऐलान भले कर दिया है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि वो एक नया देश बन गया है। अपने आप कोई नया देश बन भी नहीं जाता। बलूचिस्तान ने कहा है कि उसे अब 'रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान' के नाम से पहचाना जाए। अलगाववादियों का दावा है कि उन्होंने आजादी का ऐलान कर दिया है और इलाके के बड़े हिस्से पर उनका कब्जा है। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और बलूचिस्तान का प्रशासन अभी भी पाकिस्तान के ही हाथ में है।

कुछ देर के लिए अगर मान भी लिया जाए की बलूचों के आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है फिर भी आजादी की घोषणा करना और उस घोषणा को एक मान्यता प्राप्त संप्रभु राष्ट्र में बदलना पूरी तरह से अलग चुनौती होगी।

अंतरराष्ट्रीय कानून में किसी देश के दर्जे यानि स्टेटहुड के लिए, कुछ सिद्धांत तय किए गए हैं लेकिन उसे मान्यता मिलने में कानूनी नियमों के साथ-साथ जियो पॉलिटिक्स की भी उतनी ही बड़ी भूमिका होती है।

इतिहास टटोलने से पता चलता है कि पहले भी कई इलाकों ने खुद को आजाद घोषित किया है। लेकिन उनमें से बहुत कम को ही अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिल पाई है। फर्क इस बात में है कि क्या यह देश यह दिखा सकता है कि वह एक आजाद देश के तौर पर काम करता है और क्या दूसरे देश उसे पहचानने के लिए तैयार हैं। बलूचिस्तान के लिए दोनों ही शर्तें काफी मुश्किल हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानून में जिस बात का सबसे ज्यादा जिक्र किया जाता है वह 1933 का मोंटेवीडियो कन्वेंशन है। इसमें एक संप्रभु देश की चार ऐसी विशेषताओं के बारे में बताया गया है जिन्हें व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है।

स्थायी आबादी- एक देश में ऐसे लोग होने चाहिए जो उसके इलाके में स्थायी रूप से रहते हों। बलूचिस्तान में पहले से ही एक लंबे समय से बसी हुई आबादी है जिसकी अपनी संस्कृति, मूल और भाषाई पहचान है। हालांकि भविष्य के किसी भी देश को नागरिकता अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और इलाके में रहने वाले अलग-अलग समुदाय की लीगल स्टेटस से जुड़े सवालों को भी तय करना होगा।

साफ तौर पर बलूचिस्तान एक तय इलाका है। एक देश को एक पहचाने जा सकने वाले इलाके पर अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। यह किसी भी बलूचिस्तान की आजादी के आंदोलन के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगी। बलूचों का बड़ा ऐतिहासिक होमलैंड पाकिस्तान, ईरान और अफगानिस्तान तक फैला हुआ है जबकि पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत उस भूगोल का सिर्फ एक हिस्सा है। इसीलिए एक देश बनने के लिए उसे अपनी सीमा पर सख्त कंट्रोल होना चाहिए।

एक काम करने वाली सरकार- इंटरनेशनल कानून उम्मीद करता है कि एक देश के पास ऐसे इंस्टीट्यूशन हों जो उसके इलाके पर राज कर सकें।

अस्पताल में हंगामे के बाद डॉक्टर हड़ताल पर

प्रसूता की मौत पर अस्पताल में तोड़फोड़, भाजपा जिलाध्यक्ष समेत आठ पर एफआईआर

जामताड़ा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जामताड़ा में 16 जुलाई को सदर अस्पताल में एक प्रसूता और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत के बाद हुए हंगामे और तोड़फोड़ के विरोध में शुक्रवार को स्वास्थ्यकर्मियों ने कार्य बहिष्कार किया।

झारखंड मेडिकल एसोसिएशन के नेतृत्व में शुरू हुई इस हड़ताल को चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का भी समर्थन मिला। इसके चलते ओपीडी सेवाएं पूरी तरह बंद रहीं, हालांकि आपातकालीन सेवाएं जारी रहीं।

यह घटना गुरुवार को हुई थी, जब महुलडंगाल निवासी एक गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों और समर्थकों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए सदर अस्पताल में हंगामा और तोड़फोड़ की थी। इस दौरान सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया।

ट्रम्प बोले- 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई

चीन ने 22 करोड़ वोटर्स का डेटा चुराया, खुफिया एजेंसियों ने जानकारी छिपाई

वॉशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को चुनाव सुरक्षा पर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई थी।

ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार चुनाव सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक यानी डिक्लासिफाई कर रही है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी इन दस्तावेजों के मुताबिक, चीन ने 2020 के चुनाव के दौरान 22 करोड़ अमेरिकी वोटरों का डेटा चुराया था। ट्रम्प के अनुसार, 18 राज्यों का वोटर डेटा हैक या हासिल किया गया।

ट्रम्प ने आरोप लगाया कि सीआईए, एफबीआई और दूसरी खुफिया एजेंसियों को इसकी जानकारी थी, लेकिन इसे राष्ट्रपति, कांग्रेस और जनता से छिपाया गया।

हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प के इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सार्वजनिक दस्तावेज उनके सभी दावों की स्पष्ट पुष्टि नहीं करते। वहीं, 2020 के चुनाव के बाद हुई जांच, ऑडिट, पुनर्गणना और अदालतों की सुनवाई में बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली के सबूत नहीं मिले थे।

ट्रम्प ने कहा कि डीएचएस की जांच में करीब 2.78 लाख गैर-नागरिक संघीय चुनावों के लिए वोटर के रूप में रजिस्टर्ड मिले। उनका दावा है कि असली संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

वोटिंग मशीनें हैक होने का दावाः ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी वोटिंग मशीनें, वोटर डेटाबेस और बैलेट काउंटिंग सिस्टम साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने रूस, चीन, ईरान और उत्तर कोरिया को संभावित खतरा बताया।

ट्रम्प ने चुनाव सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज डिक्लासिफाई करने का ऐलान किया और डीएनआई, एफबीआई, सीआईए व न्याय विभाग से मामले की जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और जरूरत पड़ने पर आपराधिक केस दर्ज करने को कहा।

ट्रम्प ने एनबीसी और एबीसी पर उनका संबोधन नहीं दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मीडिया का एक हिस्सा चुनावी धांधली की सच्चाई सामने नहीं आने देना चाहता और साजिश का हिस्सा है।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका को दुनिया का सबसे सुरक्षित और निष्पक्ष चुनावी सिस्टम चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा टूट चुका है और चुनाव सुरक्षा किसी एक पार्टी नहीं, पूरे देश का मुद्दा है।

'भारत की मदद जरूरी', शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी पर बोलीं तारिक की मंत्री

ढाका, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश सरकार ने कहा है कि भारत से शेख हसीना का लौटना काफी हद तक नरेंद्र मोदी सरकार के सहयोग पर निर्भर करेगा। तारिक रहमान सरकार में विदेश राज्य मंत्री शमा ओबेद इस्लाम ने अपने एक बयान में ये कहा है। हसीना की ढाका वापसी पर शमा ने कहा कि इसके लिए भारत सरकार से राजनीतिक, कूटनीतिक और हर तरह के सहयोग की जरूरत है। अगस्त, 2024 से भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने हाल ही में ऐलान किया है कि वह इस साल के आखिर में अपने देश लौटेंगी। प्रथोमोलो के मुताबिक, गुरुवार दोपहर को ढाका में शेख हसीना की वापसी पर मिनिस्टर शमा से सवाल किया गया था।

इस पर उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश सरकार ने शेख हसीना और वहां मौजूद दूसरे ऐसे लोगों के बारे में नई दिल्ली को पत्र भेजे हैं, जिन पर आरोप साबित हुए हैं या जिन फिर मुकदमा चलाया जाना है। उम्मीद है कि भारत सरकार भेजे गए पत्रों का जवाब देगी और उनकी ढाका वापसी का इंतजाम करेगी।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के इतिहास में पहली बार पाकिस्तान की एंट्री

भड़क सकते हैं इस्लामी कट्टरपंथी, कौन हैं अनिका?

इस्लामाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। वियतनाम में होने वाले मिस वर्ल्ड फेस्टिवल के 75वें एनिवर्सरी एडिशन में पाकिस्तान इतिहास रचने जा रहा है। 24 साल की अनिका मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के 73 साल के इतिहास में पहली बार पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगी। अनिका को लाहौर में आधिकारिक तौर पर ' मिस वर्ल्ड पाकिस्तान 2026 ' का ताज पहनाया गया है। इसके साथ ही पाकिस्तान दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित इंटरनेशनल पेजेंट में से एक में लंबे समय से प्रतीक्षित शुरुआत करने की तैयारी कर रहा है। हालांकि यह देश के कट्टरपंथी इस्लामिक गुटों को यह नाराज कर सकता है।

24 साल की अनिका जमाल मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगी। पाकिस्तान मिस वर्ल्ड ब्यूटी पेजेंट में पहली बार आधिकारिक तौर पर हिस्सा लेने जा रहा है। यह इसलिए खास है क्योंकि 'इस्लामिक रिपब्लिक' पाकिस्तान में लड़कियों के मॉडलिंग करना मुश्किलभरा काम रहा है। फैशन शो या इस तरह के कार्यक्रमों को अक्सर दक्षिणपंथी गुटों के विरोध सामना करना पड़ता है। अनिका का इस प्रतियोगिता में भाग लेना भी इस्लामिक कट्टरपंथियों को नाराज कर सकता है। अनिका अभी अकाउंटिंग और ऑडिटिंग में मास्टर्स डिग्री कर रही हैं लेकिन इंटरनेशनल पेजेंट सर्किट से अनजान नहीं हैं। वह पहले भी 'मिस अर्थ', 'मिस ग्लोबल', 'मिस कॉस्मो', 'मिस इको इंटरनेशनल' और 'मिस ऑल इंटरनेशनल' में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। उनको अंतरराष्ट्रीय पहचान कोसोवो में 'मिस फ्रीडम ऑफ द वर्ल्ड' प्रतियोगिता में चार खिताब जीतने के बाद मिली थी।

अनिका का कहना है कि वह इस मंच का इस्तेमाल सामाजिक मुद्दों के लिए करना चाहती हैं। मिस वर्ल्ड की ब्यूटी विद ए पर्पस पहल के तहत उनका अभियान पाकिस्तान में थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के लिए जागरूकता और समर्थन बढ़ाने पर केंद्रित है। 2002 में स्थापित 'मिस पाकिस्तान वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन' दो दशकों से पाकिस्तानी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी पेजेंट के लिए तैयार कर रहा है।

मिस वर्ल्ड में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। इससे देश की समृद्ध संस्कृति, मजबूती और विविधता को दुनिया के सामने लाने में मदद मिलेगी। पाकिस्तानी महिलाओं के बारे में दुनिया में बेहतर समझ पैदा होगी। मिस पाकिस्तान वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की प्रमुख सोनिया अहमद ने मिस वर्ल्ड में पाकिस्तान की भागीदारी को एक ऐतिहासिक पल बताया है। उन्होंने कहा कि मिस वर्ल्ड में पाकिस्तान की पहली आधिकारिक भागीदारी वैश्विक मंच पर राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के लिए बड़ी उपलब्धि है।

जापान के पूर्व मंत्री बोले- भारत के रवैये से बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट लेट हुआ

वादे नहीं निभाए, बार-बार फैसला बदला

टोक्यो, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-जापान के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर जापान के पूर्व मंत्री हिदेकी माकिहारा ने भारतीय पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। X पर की गई पोस्ट में उन्होंने लिखा कि प्रोजेक्ट के लेट होने की सबसे बड़ी वजह भारत का रवैया रहा।

माकिहारा ने कहा कि वे खुद इस प्रोजेक्ट से जुड़े रहे हैं। उनके मुताबिक, भारतीय पक्ष ने कई बार किए वादे पूरे नहीं किए। समझौते किए, फिर उनसे पीछे हट गया। आखिरी समय तक अपने हिसाब से शर्तें बदलता रहा।

उन्होंने यह भी लिखा कि इसी वजह से बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया। माकिहारा के मुताबिक, जापानी टीम ने पूरी मेहनत से काम किया, लेकिन उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। पूर्व मंत्री ने अपनी पोस्ट में टॉयो केइजाई ऑनलाइन की एक रिपोर्ट भी शेयर की।

इसमें दावा किया गया है कि बुलेट ट्रेन के सबसे अहम सेफ्टी सिस्टम में जापान को शामिल नहीं किया गया। हालांकि, ये आरोप हिदेकी माकिहारा की X पोस्ट और उनके साझा किए गए लेख पर आधारित हैं। भारत सरकार या मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों की ओर से फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सिंधु जल संधि पर भारत से नहीं मिला डेटा तो हाई अलर्ट पर पाकिस्तानी पंजाब

टेंशन में मरियम, सताया डर

इस्लामाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून की बारिश शुरू होने के साथ ही पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मरियम नवाज के नेतृत्व वाली सरकार की चिंता बढ़ गई है। सरकार ने अपने सिंचाई विभाग से 'हाई-अलर्ट कैटेगरी' के तहत बाढ़ की तैयारी करने के लिए कहा है। इसकी वजह बीते साल से भारत का सिंधु जल संधि को निलंबित रखना है। भारत के फैसले से नदियों के बहाव को लेकर बनी अनिश्चितता से पंजाब में बाढ़ का डर है। ऐसे में सरकार ने अफसरों से तैयारी में जुटने को कहा है।

लाहौर के कमिश्नर नौमान यूसुफ की अध्यक्षता में हुई बैठक की जानकारी रखने वाले सूत्र के हवाले से की गई रिपोर्ट में डॉन ने बताया है कि सिंचाई विभाग सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से मिल रही जानकारी के आधार पर इंतजाम कर रहा है। यह सटीक आकलन के लिए अपर्याप्त है। ऐसे में सरकार बड़े पैमाने पर तैयारी करना चाहती है।

बाढ़ की स्थिति और इंतजामों से जुड़ी हालिया बैठक में सिंचाई विभाग के अधिकारी ने बताया कि भारत पिछले साल अप्रैल में सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद से डेटा साझा करने से बच रहा है। इसे देखते हुए कमिश्नर ने सिंचाई विभाग के अफसर को अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारी ने कमिश्नर के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा, 'अगर भारत जानकारी (नदियों के बहाव, बाढ़ की स्थिति के बारे में) नहीं दे रहा है तो हमें बहुत सतर्क रहना होगा। बाढ़ की स्थिति सामान्य है तो हमें मध्यम बाढ़ के लिए इंतजाम करने हैं। अगर स्थिति मध्यम है तो हाई-फ्लड कैटेगरी के तहत जरूरी कदम उठाने चाहिए। नदी के बहाव के बारे में पाकिस्तान के साथ जानकारी साझा करने में भारत की हिचकिचाहट उनकी तैयारियों में एक बाधा है। ऐसे में कमिश्नर ने हमें तैयारी करने का निर्देश दिया है। लाहौर कमिश्नर ने अपने जूनियर अफसरों से कहा कि वे किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बाढ़ से संबंधित इंतजामों को जल्द से जल्द अंतिम रूप दें। डॉन से बात करते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारी ने कहा कि नदियों के बहाव के बारे में पाकिस्तान के साथ जानकारी साझा करने में भारत की अनिच्छा तैयारियों में एक बड़ी बाधा है।

हाथियों का झुंड शहरी इलाकों तक पहुंचा

रात में फसलों को पहुंचा रहे नुकसान, विधायक ने सरकार से स्थायी समाधान की मांग की

कोडरमा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कोडरमा में हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीण और जंगली इलाकों के बाद अब हाथी शहरी क्षेत्रों में भी देखे जा रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। रात के अंधेरे में हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। अब तक हाथियों के हमलों में कई लोगों की जान जा चुकी है, जिससे जंगल से सटे इलाकों में चिंता बढ़ गई है।

ताजा मामला मरकच्चो प्रखंड के बेरहवा जंगल का है, जहां लगभग 25 हाथियों का एक झुंड डेरा डाले हुए है। यह झुंड दिन में जंगल में रहता है और रात में किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है।

ईरान का अमेरिका से बदला लेने का दावा

कहा- जॉर्डन में कई अमेरिकी विमान तबाह, भारी नुकसान

तेहरान, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान ने जॉर्डन में हमला कर अमेरिकी सैन्य अड्डे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। उसने कहा है कि जॉर्डन में तैनात कई अमेरिकी सैन्य विमानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए गए हैं। ईरान ने इसे अमेरिकी हमलों का जवाब बताया है, जिनमें दर्जनों लोगों की मौतें हुई हैं। हालांकि, ईरान के दावों को लेकर जॉर्डन या अमेरिका की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जॉर्डन ने सिर्फ इतना बताया है कि उसकी सेना ने शुक्रवार को ईरान की ओर से दागी गई तीन मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया है।

एक बयान में, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उन्होंने कई अमेरिकी रीफ्यूलिंग विमान और फाइटर जेट नष्ट कर दिए हैं और कई अन्य को भारी नुकसान पहुंचाया है। आईआरजीसी ने जॉर्डन के लोगों से अपने देश में आक्रमक और इस्लाम-विरोधी अमेरिकियों के हितों को निशाना बनाने का भी आह्वान किया। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी ने कहा कि उसने ईरानशहर में ईरानी सैनिकों की हत्या के जवाब में सीरिया के अल-तनफ में अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन्स कमांड सेंटर पर भी हमला किया।

वहीं, अमेरिकी सेना ने फरवरी में बताया था कि उसने सीरिया, जॉर्डन और इराक की सीमा के मिलन बिंदु पर स्थित अल-तनफ बेस से अपनी सेना हटा ली है। इसके बावजूद जॉर्डन में अब भी बड़ी मात्रा में अमेरिकी सैनिक और एयर डिफेंस सिस्टम तैनात हैं। ये सैनिक और हथियार जॉर्डन के साथ साथ इजरायल की सुरक्षा का काम भी देखते हैं, क्योंकि ईरान की मिसाइलों को इजरायल तक पहुंचने के लिए जॉर्डन के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करना होता है।

ऐसे में अमेरिका पहले ही ईरानी मिसाइलों को डिटेक्ट कर उन्हें मार गिराता है।

रूस ने भारत को दिया अगली पीढ़ी के टैंकों को मिलकर बनाने का प्रस्ताव

दोस्त पुतिन का धमाकेदार ऑफर

मॉस्को, 17 जुलाई (एजेंसियां)। रूसी कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (आरओई) ने भारत को सबसे नए टी-90एमएस टैंक के जॉइंट प्रोडक्शन का प्रस्ताव दिया है। रूसी न्यूज एजेंसी आरटी की रिपोर्ट के मुताबिक रोसोबोरोनएक्सपोर्ट, जो रूस की सरकारी डिफेंस कंपनी है उसने कहा है कि टी-90एमएस का संयुक्त उत्पादन टैंक सेक्टर में रूस-भारत सहयोग का अगला चरण हो सकता है। टी-90एमएस रूस की सबसे नई टी-90एम टैंक सीरीज का एक्सपोर्ट वर्शन है जिसे रोस्टेक का ही हिस्सा यूरालवगोनजावोड ने डिजाइन और मैन्युफैक्चर किया है।

भारत के पास पहले से ही टी-72 और टी-90एस टैंकों का एक बड़ा बेड़ा मौजूद है जिन्हें देश की अपनी डिफेंस इंडस्ट्री सफलतापूर्वक अपग्रेड कर रही है। आरओई के मुताबिक टी-90एमएस के स्थानीय स्तर पर निर्माण को संभावित प्रोजेक्ट कई चरणों में लागू किया जा सकता है। पहला भारतीय सुविधाओं में असेंबली के लिए टेक्नोलॉजी किट की सप्लाई और दूसरा कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग का स्थानीयकरण।

रूस ने भारत को टी-90एमएस टैंक साथ बनाने का दिया प्रस्ताव

कंपनी के प्रतिनिधि ने कहा 'पहले से ट्रांसफर की गई टेक्नोलॉजी से जो तकनीकी आधार तैयार हुआ है उससे भारतीय उद्यमों में टी-90एमएस और उस पर आधारित कॉम्बैट वाहनों के प्रोडक्शन को शुरू करने में लगने वाली लागत और समय दोनों में काफी कमी आती है।' आरटी की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल की शुरुआत में रोस्टेक के सीईओ सर्गेई चेमेजोव ने भी टी-90एमएस के कॉम्बैट क्षमता की तारीफ करते हुए कहा था कि यह नाटो के अपने समकक्षों से कहीं बेहतर है।

उन्होंने कहा टी-90एमएस में कुछ सबसे एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और नए टेक्निकल सॉल्यूशन शामिल हैं जिनमें से कई का अभी युद्ध के मैदान में टेस्ट किया जा रहा है। आरओई के प्रतिनिधि ने आगे कहा 'इसके प्रोटेक्शन सूट जिसमें एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर, स्लैट स्क्रीन, यूएवी के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और एक्टिव प्रोटेक्शन शामिल हैं। इसके अलावा यह टैंक अलग-अलग तरह के आर्मर प्रोटेक्शन के सिद्धांत का भी इस्तेमाल करता है।'

टी-90एमएस टैंक में 'डिजिटल ऑनबोर्ड' आर्किटेक्चर पर आधारित एक नया फायर-कंट्रोल सिस्टम भी लगा है। इसके डिजाइन में इंटीग्रेटेड इन्फॉर्मेशन-कमांड सिस्टम और दूसरे नए समाधान शामिल हैं।

बलौदाबाजार हिंसाः अमित बघेल को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

3 महीने तक रायपुर में एंट्री पर रोक, हाईकोर्ट का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने किया रद्द

रायपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के सुप्रीमो अमित बघेल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। उनके साथ सह-आरोपी अजय यादव और दिनेश वर्मा को भी राहत मिली है। इससे पहले सिंधी समाज के आराध्य के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी वाले मामले में भी अमित बघेल को जमानत मिल चुकी है।

ऐसे में अब उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत के साथ एक अहम शर्त भी लगाई है। अदालत ने निर्देश दिया है कि अमित बघेल अगले तीन महीने तक रायपुर जिले में प्रवेश नहीं करेंगे और उन्हें इस अवधि तक जिले से बाहर रहना होगा।

अमित बघेल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी बी सुरेश और अधिवक्ता हर्षवर्धन परगनिहा ने पैरवी की। बचाव पक्ष के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को जमानत याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि, इस मामले के अन्य आरोपी करीब 7 महीने से जेल में हैं, जबकि अमित बघेल की हिरासत अवधि अपेक्षाकृत कम है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने भी उनकी जमानत याचिका खारिज की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ हिरासत की अवधि कम होना जमानत खारिज करने का आधार नहीं हो सकता। अदालत ने इस आधार को स्वीकार नहीं किया और हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया। बचाव पक्ष ने अदालत में कहा कि, राज्य सरकार ने अमित बघेल को हिंसा का 'किंगपिन' (मुख्य साजिशकर्ता) बताया था। आरोप लगाया था कि पूरी घटना उनके इशारे पर हुई। हालांकि, इस आरोप के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य पेश नहीं किए जा सके।

बचाव पक्ष के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और जांच से जुड़े सभी दस्तावेज रिकॉर्ड पर उपलब्ध हैं। ऐसे में आरोपी को अनिश्चितकाल तक जेल में रखना उचित नहीं है। अधिवक्ता हर्षवर्धन परगनिहा ने बताया कि, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने टिप्पणी की कि जब चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और जांच पूरी हो चुकी है, तो आखिर आरोपी को कब तक जेल में रखेंगे? इसी आधार पर तीनों आरोपियों को जमानत देने का फैसला किया गया। करीब दो महीने पहले छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अमित बघेल, अजय यादव और दिनेश वर्मा की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

क्यों रूठ जाती हैं भगवान जगन्नाथ से देवी लक्ष्मी? 'मानभंजन' लीला की कहानी

पुरी की जगन्नाथ रथयात्रा 16 जुलाई से शुरू हो चुकी है, जहाँ भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर जाते हैं. इस दौरान माता लक्ष्मी उनसे रूठ जाती हैं क्योंकि भगवान उन्हें श्रीमंदिर में छोड़ देते हैं. यह 'मानभंजन लीला' रथयात्रा के महत्वपूर्ण अनुष्ठानों में से एक है. लक्ष्मी को मनाने के लिए, भगवान जगन्नाथ 'नीलाद्रि बीजे' पर उन्हें रसगुल्ला खिलाकर प्रेम और स्नेह से पुनः प्रसन्न करते हैं।

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा की तैयारियां चल रही हैं. हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष के द्वितीया तिथि के दिन रथयात्रा निकाली जाती है. इस दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा जी नगर भ्रमण करते हुए गुंडिचा देवी मंदिर अपने मौसी के घर जाते हैं. इस साल 24 जुलाई को बहुदा यात्रा के साथ इसका समापन होगा।

जगन्नाथ जी की रथयात्रा में लाखों भक्त शामिल होते हैं और रथों की रस्सियों को खींचकर जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति हो जाते हैं. रथयात्रा के दौरान कई परंपराएं निभाई जाती हैं. इसी दौरान माता लक्ष्मी जगन्नाथ जी से रूठ जाती हैं और फिर उनको जगन्नाथ जी मनाते हैं. इसको 'मानभंजन' (मान-मनौव्वल) लीला कहा जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मां लक्ष्मी जगन्नाथ जी से रूठती क्यों हैं? आइए जानते हैं इसकी कहानी।

पौराणिक कथा के अनुसार...

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान अपने बड़े भाई बलभद्र जी और बहन सुभद्रा जी के साथ अपनी मौसी गुंडिचा देवी के यहां चले गए. उस समय माता लक्ष्मी श्रीमंदिर में ही थीं. भगवान माता लक्ष्मी को अपने साथ नहीं ले गए. इस बात से माता लक्ष्मी को गहरा आघात पहुंचा. उनका दुख यात्रा को लेकर नहीं, बल्कि जगन्नाथ स्वामी से बिछड़ने को लेकर था. देवी लक्ष्मी इस तरह से भगवान द्वारा छोड़े जाने पर अत्यंत क्रोधित हो गईं।

फिर देवी महालक्ष्मी गुंडिचा मंदिर की यात्रा पर गईं. परंपराओं के अनुसार, ऐसा भगवान के अपनी मौसी के यहां जाने के पांचवें दिन हुआ. जब माता लक्ष्मी गुंडिचा देवी मंदिर पहुंची तो भगवान उनको नहीं मिले. हालांकि, भगवान जगन्नाथ जी कहलवाया कि वो तीन दिनों में लौट आएंगे. वहीं द्वार बंद होने और भगवान जगन्नाथ से न मिल पाने पर माता लक्ष्मी क्रोध में आ गई और जगन्नाथ जी के रथ का एक टुकड़ा तोड़ दिया. 'हेरा पंचमी' अनुष्ठान के माध्यम से आज भी ये परंपरा जीवित है।

इस दिन होती है 'मानभंजन' लिला

उधर भगवान तीन दिनों में नहीं आए. तब माता भगवान जगन्नाथ से रूठ गईं. तब भगवान जगन्नाथ के 'मानभंजन' की लीला की. ये लीला उन्होंने श्रीमंदिर लौटकर की. रथयात्रा के समापन पर 'नीलाद्रि बीजे' (अनुष्ठान) के दिन ये लीला होती है. इस दिन भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा विधि-विधान के साथ पुनः श्रीजगन्नाथ मंदिर आते हैं. मान्यता है कि ये वही दिन है जिस दिन रूठी हुई माता लक्ष्मी भगवान को मंदिर के अंदर जाने से रोकती हैं।

स्वस्थ, सुखी और प्रसन्न जीवन के लिए अच्छी आदतें अपनाएं

शास्त्र कहते हैं कि स्वस्थ, सुखी और प्रसन्न जीवन के लिए कुछ अच्छी आदतें अपनानी चाहिए। इनमें समय पर जागना, समय पर सोना, संतुलित और सीमित भोजन करना, नियमित दिनचर्या रखना और अच्छा चरित्र शामिल हैं। अच्छा चरित्र नियमों का पालन करने से बनता है। हमें प्राकृतिक, ताजा और स्थानीय भोजन करना चाहिए। सही समय पर आराम करना और समय पर उठना शरीर और मन दोनों के लिए लाभदायक है। जब हम इन बातों का पालन करते हैं, तो हमारा स्वास्थ्य अच्छा और मन शांत रहता है। जीवन में सफलता और खुशियां प्राप्त होती हैं।

-स्वामी अवधेशानंद गिरि

देवी सती के क्रोध से प्रकट हुई थीं दस महाविद्याएं

देवी पूजा और मंत्र जप के साथ ध्यान करने से दूर होता है तनाव

15 जुलाई (आषाढ़ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा) से गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो गई है। यह उत्सव 23 जुलाई तक रहेगा। इन दिनों में तंत्र साधना से जुड़े लोग देवी सती की दस महाविद्याओं की कृपा पाने की कामना से विशेष साधनाएं करते हैं।

देवी सती के क्रोध से प्रकट हुई थीं दस महाविद्याएं

दस महाविद्याओं का संबंध देवी सती से है। मान्यता है कि देवी सती के क्रोध से दस महाविद्याएं प्रकट हुई थीं। इन महाविद्याओं में मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुरी भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला शामिल हैं।

गुप्त नवरात्रि में इन्हीं दस महाविद्याओं को प्रसन्न करने के लिए साधना की जाती है। माना जाता है कि इनकी आराधना से विशेष आध्यात्मिक शक्ति और मन की शांति प्राप्त होती है।

दक्ष प्रजापति के यज्ञ से जुड़ी है दस महाविद्याओं के प्रकट होने की कथा

पौराणिक कथा है कि भगवान शिव का विवाह देवी सती से हुआ था। देवी सती के पिता प्रजापति दक्ष भगवान शिव को पसंद नहीं करते थे। वे कई बार भगवान शिव का अपमान करने का प्रयास करते थे। एक बार प्रजापति दक्ष ने एक बड़े यज्ञ का आयोजन किया। इसमें सभी देवी-देवताओं को बुलाया गया, लेकिन भगवान शिव और देवी सती को निमंत्रण नहीं दिया गया।

जब देवी सती को इस बात की जानकारी मिली, तो उन्होंने भगवान शिव से यज्ञ में जाने की इच्छा जताई। भगवान शिव ने उन्हें समझाया कि प्रजापति दक्ष ने हमें आमंत्रित नहीं किया है, इसलिए हमारे लिए वहां जाना उचित नहीं होगा। भगवान शिव के समझाने के बाद भी देवी सती अपने पिता के घर जाने की जिद पर अड़ी रहीं। उन्होंने कहा कि पिता के घर जाने के लिए संतान को निमंत्रण की जरूरत नहीं होती।

बार-बार निवेदन करने के बाद भी भगवान शिव ने सहमति नहीं जताई, तो देवी सती क्रोधित हो गईं। मान्यता है कि इसी क्रोध से दस महाविद्याएं प्रकट हुईं। देवी सती का यह रूप देखकर भगवान शिव ने उन्हें यज्ञ में जाने से नहीं रोका।

इसके बाद देवी सती अपने पिता दक्ष के यज्ञ में पहुंचीं। वहां प्रजापति दक्ष ने देवी सती के सामने ही भगवान शिव का अपमान करना शुरू कर दिया। पति का अपमान सहन नहीं कर पाने के कारण देवी सती ने यज्ञ कुंड में प्रवेश कर अपनी देह का त्याग कर दिया।

साधना में नियमों का पालन जरूरी

गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की साधना विशेष नियमों के साथ करनी चाहिए। साधना में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं करनी चाहिए। इसलिए ऐसी साधनाएं तंत्र विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में करना उचित माना जाता है।

इन दिनों में सामान्य भक्तों के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान करने, सूर्यदेव को अर्घ्य देने और घर के मंदिर में पूजा करने का महत्व बताया गया है। पूजा की शुरुआत भगवान गणेश की आराधना से करने के बाद देवी मां की पूजा करनी चाहिए।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि के समय मौसम में बदलाव शुरू हो जाता है। गर्मी कम होने लगती है और बारिश का मौसम शुरू हो जाता है। इस दौरान खान-पान में सावधानी रखना जरूरी है। बारिश के मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो सकती है, इसलिए हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन करना चाहिए। अधिक तला-भुना या ऐसा भोजन करने से बचना चाहिए, जिससे गैस और अपच जैसी समस्या हो सकती है।

ध्यान और मंत्र जप से दूर होता है तनाव

गुप्त नवरात्रि में ध्यान करने की विशेष परंपरा है। मान्यता है कि ध्यान से मन शांत होता है और नकारात्मक विचार और तनाव दूर होते हैं।

ध्यान के लिए घर के मंदिर में देवी पूजा करने के बाद शांत स्थान पर आसन लगाकर बैठ सकते हैं। आंखें बंद करके देवी मां का स्मरण करें और अपना ध्यान दोनों आंखों के बीच स्थित आज्ञा चक्र पर केंद्रित करें। इस दौरान सामान्य गति से सांस लेते हुए दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप किया जा सकता है।

क्या आपको भी पसंद है बासी रोटियां खाना? पहले जान लें वास्तु शास्त्र की ये बातें

रात के बासी आटे से रोटी बनाना स्वास्थ्य व धार्मिक दोनों दृष्टियों से अनुचित है. यह आटा तामसिक माना जाता है, जो नकारात्मक ऊर्जा व आलस्य बढ़ाता है. ज्योतिष में इसका संबंध राहु से है, जिससे घर में कलह व तनाव बढ़ता है. मां अन्नपूर्णा भी इससे नाराज होती हैं, जिससे रसोई की सकारात्मकता घटती है. अतः ताजे आटे का ही प्रयोग करें।

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में में रसोई घर का सबसे पावन भाग मानी गई है. धार्मिक मान्यता है कि रसोई में माता अन्नपूर्णा का वास होता है. माता घर में समृद्धि, शांति और पोषण का आशीर्वाद देती हैं, इसलिए ये कहा जाता है कि रसोई में भोजन पूरी शुद्धता के साथ और नियमों का पालन करते हुए ही बनाना चाहिए. कई बार महिलाएं रात को रखे आटे की रोटी बना दिया करती हैं, लेकिन रात का गुंथा आटा सुबह बासी हो जाता है. उसमें हल्का-सा खमीर भी बनने लगता है।

ज्यादातर लोग कई बार ऑफिस जाने की और अन्य कामों की जल्दी की वजह से रात को गुंथे बासी आटे की रोटी खा लेते हैं, लेकिन शास्त्रों में बताया गया है कि रात के बासी आटे की रोटी नहीं खानी चाहिए. ऐसा आटा तामसिक माना जाता है. ऐसे आटे की रोटी को खाने से नकारात्मक ऊर्जा, आलस्य, भारीपन, चिड़चिड़ाहट और क्रोध बढ़ता है।

हमारे विचार सकारात्मक, वाणी मीठी और संयमित होनी चाहिए

हमारे विचार सकारात्मक, वाणी मीठी और संयमित होनी चाहिए। व्यक्तित्व आकर्षक और सरल होना चाहिए। हमारी हर बात, व्यवहार, हाव-भाव और अभिव्यक्ति स्वाभाविक होने के साथ ही अर्थपूर्ण भी हो। मन में हमेशा अच्छे संकल्प रखें। जब हम अपने स्वभाव के अनुसार रहते हैं, तो अधिक सहज, शांत और प्रेमपूर्ण बनते हैं। हमें अपने व्यवहार में लचीलापन रखना चाहिए और हर परिस्थिति के अनुसार खुद को सकारात्मक सोच के साथ ढालना चाहिए। जिद, हठ और दुराग्रह से बचना चाहिए। सभी लोगों के साथ प्रेम और अपनापन रखें।

मां अन्नपूर्णा होती हैं नाराज

रसोई मां अन्नपूर्णा का निवास स्थान हैं. वास्तु के अनुसार, जब यहां बासी रोटियां बनाई जाती हैं, तो मां अन्नपूर्णा नाराज हो जाती हैं और रसोई की सकारात्मकता कम हो जाती है. ज्योतिष के अनुसार, रोटियों का संबंध सूर्य और मंगल ग्रह से माना जाता है. रोटी खाने से शरीर को उर्जा, शक्ति और तेज मिलता है, जबकि मंगल उत्साह, साहस और कर्मशीलता का कारक माने जाते हैं, इसलिए ताजी रोटियां शरीर में सकारात्मक उर्जा बनाए रखती हैं और शरीर को संतुलित रखती हैं।

राहु से बासी आटे का संबंध

ज्योतिष में बासी आटे का संबंध राहु से माना गया है. राहु भ्रम, अस्थिरता, मानसिक उलझन और नकारात्मक विचारों का कारक ग्रह है. जब घर के लोग बासी आटे से बनी रोटियां खाते हैं, तो उन पर राहु का प्रभाव बढ़ जाता है. राहु का प्रभाव बढ़ने के कारण उनके मन में असमंजस, तनाव और आपसी विवाद बढ़ता है. घर का माहौल अस्थिर होता है और परिवार में अनबन शुरू हो जाती है।

धर्मसिंधु, निर्णयसिंधु और स्मृतिग्रंथों में कहा गया है, रात्रौ संध्या समये च यत्भुक्तं तत्बासी भवति. इसका मतलब है कि रात को रखा हुआ भोजन या आटा सुबह होने तक बासी माना जाता है, इसलिए इसका उपयोग नहीं करना चाहिए।

रंक को राजा बना देगा तांबे का सूरज

क्यों होता है ऐसा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तांबे का सूरज लगाने के लिए पूर्व दिशा सबसे उपयुक्त है. पूर्व दिशा से सूर्य का उदय होता है और सुबह की पहली किरणें यदि तांबे के सूर्य पर पड़ती हैं, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है. मान्यता है कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और नकारात्मकता दूर रहती है. यदि मुख्य द्वार पूर्व दिशा में है, तो वहां तांबे का सूरज लगाना विशेष रूप से शुभ माना जाता है. मुख्य द्वार पर तांबे का सूरज लगाने के कई लाभ बताए जाते हैं।

सलाह लेना क्यों जरूरी

पंडित कल्कि राम बताते हैं कि इससे घर में सुख-शांति का वातावरण बनता है, आर्थिक उन्नति के अवसर बढ़ते हैं और धन संबंधी रुकावटें कम होती हैं. परिवार के सदस्यों का आत्मविश्वास बढ़ने, पढ़ाई और करियर में बेहतर प्रदर्शन और मानसिक एकाग्रता में भी लाभ मिलने की बात कही जाती है. हालांकि तांबे का सूरज हमेशा सही दिशा और उचित ऊंचाई पर ही लगाया जाए. गलत दिशा में लगाने से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते. अगर आप भी वास्तु नियमों में आस्था रखते हैं, तो मुख्य द्वार पर तांबे का सूरज लगाने से पहले किसी योग्य ज्योतिष से सलाह जरूर लें।

अनमोल वचन

मनुष्य अपने हृदय से जो दान कर सकता है वो अपने हाथों से नहीं कर सकता और मौन रहकर जो कुछ वो कह सकता है वो शब्दों से नहीं कह सकता।

कोई भी व्यक्ति बहुत ज्यादा बोलने से कुछ नहीं सीख पाता समझदार व्यक्ति वही कहलाता है, जो धीरज रखने वाला, क्रोधित न होने वाला और निडर होता है

ज्योतिषी गलत हो सकता है, ज्योतिष नहीं

आज के समय में अक्सर यह सुनने को मिलता है कि 'फलाँ ज्योतिषी ने जो कहा था, वह सत्य नहीं निकला, इसलिए ज्योतिष गलत है।' यह निष्कर्ष उतना ही अनुचित है, जितना किसी एक चिकित्सक की असफलता के आधार पर सम्पूर्ण चिकित्सा विज्ञान को असत्य घोषित कर देना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी जन्मकुंडली का अध्ययन अधूरा किया जाता है। यह भी समझना आवश्यक है कि ज्योतिष संभावनाओं का शास्त्र है।

ज्योतिष विश्वास पर आधारित है, इसका दायित्व सामाजिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। बिना शोध या प्रयोग के मात्र अनास्था के आधार पर इतने प्राचीन विषय को अंधविश्वास कहना अपने आप में अंधविश्वास है। आप जब तारीख, तिथि, अमावस्या, पूर्णिमा, पर्व, व्रत, त्योहार आदि देखने के लिए कैलेंडर देखते हैं, तो वह ज्योतिष का ही एक अंग है।

ज्योतिष संभावनाओं का शास्त्र है, यह व्यक्ति के प्रारब्ध, वर्तमान परिस्थितियों और उपलब्ध अवसरों का संकेत देता है, किंतु मनुष्य का पुरुषार्थ, उसका विवेक, उसके निर्णय और ईश्वर की कृपा भी जीवन की दिशा को प्रभावित करते हैं। एक योग्य ज्योतिषी भविष्य को संभावित परिणामों के रूप में प्रस्तुत करता है और उचित मार्गदर्शन देकर सही निर्णय लेने की व्यक्ति को प्रेरणा देता है।

एक कुशल ज्योतिषी कभी भी केवल एक ग्रह, एक योग, एक भाव या एक नियम के आधार पर फलित निर्णय नहीं देता। उसे लग्न, चंद्र, नवांश, दशा-अंतर्दशा, गोचर, षड्बल, अष्टकवर्ग, ग्रहों की परस्पर दृष्टियाँ, योग, भावेशों की स्थिति तथा देश, काल और पात्र, इन सभी का समन्वित अध्ययन करना पड़ता है। यदि इस समग्र विश्लेषण में कहीं कमी रह जाए, तो फलित निष्कर्ष प्रभावित हो जाता है। इस पर ज्योतिष शास्त्र को गलत नहीं ठहराया जा सकता।

आचार्य वराहमिहिर ने भी संकेत दिया है कि ज्योतिष का निर्णय अत्यंत सूक्ष्म विवेक और गहन अध्ययन की अपेक्षा करता है। इसी प्रकार महर्षि पराशर ने ग्रहों के फलादेश में अनेक अपवाद, शर्तें और परिस्थितियाँ बताई हैं।

अंधविश्वास उसे कहते हैं जिसके विश्वास करने का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। किसी भी भविष्यवाणी की सटीकता ज्योतिषी के ज्ञान-अनुभव, विश्लेषण क्षमता तथा ज्योतिष शास्त्र पर उसकी गहन पकड़ पर निर्भर करती है, इसलिए ज्योतिषी गलत हो सकता है, ज्योतिष शास्त्र नहीं। यह बात गौर करने वाली है कि ज्योतिषी सर्वज्ञ नहीं है, ज्योतिषी भी एक सीमा तक ही भविष्यवाणी कर सकता है। ज्योतिषी भविष्य का आकलन केवल उतनी ही सीमा तक कर सकता है, जितने संकेत उसे ग्रहों, दशाओं और जन्मकुंडली के गहन विश्लेषण से प्राप्त होते हैं, शेष प्रभु कृपा पर निर्भर करता है।

मंदिर में परिक्रमा कितनी बार करनी चाहिए? क्या हैं परिक्रमा के नियम

मंदिर में परिक्रमा के समय अक्सर मन में यह सवाल आता है की परिक्रमा किस तरफ से शुरू करनी चाहिए और किस देवता की कितनी बार परिक्रमा करनी चाहिए? परिक्रमा करते समय किन-किन नियमों का ध्यान रखना चाहिए और इसकी सही विधि क्या है?

मंदिर में परिक्रमा का क्या है महत्व?

ज्योतिष एक्सपर्ट पिकानी मिश्रा बताते हैं कि परिक्रमा का बहुत खास महत्व होता है। इसका अर्थ है साधक द्वारा भगवान को केंद्र मानकर श्रद्धापूर्वक उनके चारों ओर घूमना यानी परिक्रमा करना। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करने से भगवान के प्रति समर्पण और भक्ति की भावना प्रकट की जाती है। स्कंद पुराण में भी मंदिर में भगवान की परिक्रमा करने का खास महत्व बताया गया है। हालांकि, इस दौरान कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

मंदिर में परिक्रमा करते समय कुछ नियमों का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक होता है। गलत तरीके से परिक्रमा करने से फल अधूरा रह सकता है और साथ ही, प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मंदिर में परिक्रमा करते समय इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि किस देवता की कितनी बार परिक्रमा की जाती है। भगवान गणेश की सामान्य तौर पर 3 या 5 बार परिक्रमा करनी चाहिए। विष्णुजी की 4 परिक्रमा करना शुभ माना जाता है। मंदिर में देवी दुर्गा की 1 या 9 बार परिक्रमा करने की परंपरा बताई जाती है। सूर्यदेव की परिक्रमा संभव हो तो 7 बार करनी चाहिए। शिवलिंग की परिक्रमा कभी भी पूर्ण नहीं की जाती है। इस दौरान ध्यान रखें की जलहरी (सोमसूत्र) को लांघे बिना अर्ध या निर्धारित परिक्रमा करना उचित माना जाता है। परिक्रमा की संख्या मंदिर परंपराओं के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। मंदिर में परिक्रमा के वक्त काफी लोगों को यह नहीं पता होता है कि परिक्रमा किस ओर से शुरू करनी चाहिए और कहां समाप्त करनी चाहिए। परिक्रमा हमेशा दक्षिणावर्त करनी चाहिए यानी घड़ी की दिशा में परिक्रमा करना शुभ माना जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 18 जुलाई - 2026

आस्था के साथ सुरक्षा

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़, जिसमें दो लोगों की मृत्यु हो गई और 100 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना फिर यह प्रश्न खड़ा करती है कि देश में बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था कितनी प्रभावी है। भारत में हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु मंदिरों, तीर्थस्थलों, मेलों और धार्मिक उत्सवों में भाग लेते हैं। ऐसे आयोजनों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए केवल धार्मिक व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि सुव्यवस्थित, वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण से तैयार सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य है। पुरी की घटना ने स्पष्ट कर दिया कि केवल पुलिस बल की तैनाती से भीड़ को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। भीड़ के प्रवाह का पूर्व आकलन, प्रवेश और निकास मार्गों का संतुलित संचालन, आपातकालीन निकासी, स्पष्ट सूचना प्रणाली तथा मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए व्यापक तैयारी आवश्यक है। बड़े आयोजनों में सीसीटीवी निगरानी, कंट्रोल रूम, सार्वजनिक उद्‌घोषणा प्रणाली और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की पर्याप्त तैनाती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भीड़ को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना तथा एक स्थान पर अत्यधिक लोगों के एकत्र होने से रोकना दुर्घटनाओं की संभावना को काफी कम कर सकता है। दुर्भाग्य से यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार, प्रयागराज, हाथरस और अन्य स्थानों पर भी धार्मिक आयोजनों के दौरान भगदड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। लगभग हर हादसे के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं और सुधार के वादे किए जाते हैं, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात। यदि जांच समितियों की सिफारिशों को ईमानदारी से लागू नहीं किया जाए तो ऐसी त्रासदियां होती रहेंगी। इसलिए केवल घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से जोखिम का आकलन कर प्रभावी रोकथाम की व्यवस्था विकसित करना अधिक आवश्यक है। हालांकि इस समस्या का समाधान केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। श्रद्धालुओं को भी अनुशासन और धैर्य का परिचय देना होगा। अफवाहों पर ध्यान न देना, धक्का-मुक्की से बचना, निर्धारित मार्गों का पालन करना तथा पुलिस और स्वयंसेवकों के निर्देशों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। थोड़ी-सी लापरवाही अनेक परिवारों की खुशियां छीन सकती है। धार्मिक आस्था तभी सार्थक है, जब उसमें सामाजिक जिम्मेदारी और अनुशासन भी शामिल हो। सरकारों और आयोजन समितियों को प्रत्येक बड़े धार्मिक आयोजन से पहले विस्तृत आपदा प्रबंधन योजना तैयार करनी चाहिए। भीड़ नियंत्रण का पूर्वाभ्यास, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, एंबुलेंस, अग्निशमन दल, आपदा राहत बल तथा स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। आयोजन समाप्त होने के बाद स्वतंत्र समीक्षा कर कमियों को दूर करना भी व्यवस्था का स्थायी हिस्सा बनना चाहिए। भारत की धार्मिक आस्था उसकी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता की सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए प्रत्येक धार्मिक आयोजन में श्रद्धा के साथ सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देना समय की मांग है। सरकार, प्रशासन, आयोजन समितियों और श्रद्धालुओं की साझा जिम्मेदारी है कि भीड़ प्रबंधन के वैज्ञानिक उपायों को अपनाकर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जाए। जब आस्था के साथ अनुशासन, कुशल प्रबंधन और जवाबदेही जुड़ेंगे, तभी धार्मिक आयोजन वास्तव में सुरक्षित, सफल और श्रद्धा के अनुरूप बन सकेंगे।

आज का मॉनसून, कल का इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य का फैसला है

आरके जैन

प्रकृति चेतावनी देने के लिए शब्दों का सहारा नहीं लेती; वह अपने संकेत छोड़ती है-कभी प्यास से फटी धरती पर, कभी पहाड़ों से टूटते मलबे में, तो कभी एक रात की बारिश में ढह गए घरों की खामोशी में। 2026 का मॉनसून भी ऐसा ही एक मौन संदेश था, जिसे अनसुना करना आने वाले कल से आंखें मूंदना होगा। जून में सामान्य से लगभग 40 प्रतिशत से अधिक वर्षा की कमी ने खेतों की उम्मीदें सुखा दीं। एल नीनो के प्रभाव में किसान आसमान निहारते रहे, लेकिन बादल बेरुख़ रहे। फिर जुलाई ने अचानक करवट बदली। मुंबई, वायनाड, रत्नागिरी सहित कई क्षेत्रों में कुछ दिनों की मूसलाधार बारिश ने साबित कर दिया कि अब खतरा बारिश के कम या अधिक होने में नहीं, बल्कि उसके बेकाबू और असंतुलित स्वरूप में है। 2026 का मॉनसून इस सच्चाई की गवाही बन गया कि जलवायु परिवर्तन ने मौसम का मिज़ाज बदल दिया है।

यह बदलाव आकस्मिक नहीं, बल्कि विज्ञान की वर्षों पुरानी चेतावनी का साकार रूप है। वैज्ञानिकों के अनुसार, गर्म होती पृथ्वी का वातावरण पहले से अधिक नमी समेट रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी का बढ़ता तापमान इसे ऊर्जा दे रहा है। नतीजा यह है कि बादल अब ठहरकर नहीं, टूटकर बरसते हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, जुलाई के शुरुआती दिनों में मुंबई (सांताक्रुज स्टेशन) में 600–900 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई, जो जुलाई के पूरे महीने के औसत का बड़ा हिस्सा थी। दूसरी ओर, वायनाड में मौसमी वर्षा सामान्य से कम रही, लेकिन दो दिनों की मूसलाधार बारिश ने टनल निर्माण स्थल पर मिट्टी का पहाड़ ढहा दिया। इस हादसे में कई मजदूरों की जान गई, कुछ लापता रहे। यह महज़ हादसा नहीं, बल्कि बदलते जलवायु दौर की भयावह तस्वीर है, जहाँ कम वर्षा वाला मौसम भी विनाश की इबारत लिख सकता है।2026 के मॉनसून ने केवल शहरों को नहीं, हमारी विकास-दृष्टि को भी कठघरे में खड़ा कर दिया। कंक्रीट के फैलते जंगलों ने पानी के प्राकृतिक रास्ते निगल लिए। नतीजा था-मुंबई के मानखुर्द में चॉल ढह गई, पालघर में बाढ़ दस से अधिक जिंदगियां बहा ले गई, पेड़ उखड़े, दीवारें गिरीं और शहर दिनों तक थम गए। यह तबाही सिर्फ आसमान से बरसे पानी की नहीं थी; जर्जर ड्रेनेज व्यवस्था, रिक्लेम्ड भूमि पर अनियोजित निर्माण और प्रकृति की कीमत पर खड़ा विकास भी इसके भागीदार थे। जलवायु विशेषज्ञ वर्षों से चेताते रहे हैं कि मध्य भारत में 1950 के बाद अत्यधिक वर्षा की घटनाएं लगभग तीन गुना बढ़ चुकी हैं। 2026 ने उस चेतावनी को आंकड़ों से उठाकर सड़कों, बस्तियों और ज़िंदगियों पर लिख दिया। अब बारिश मौसम नहीं, कुछ घंटों में पूरे महीने का संतुलन और शहरों की व्यवस्था बहा ले जाती है। 2026 के मॉनसून ने एक भ्रम तोड़ दिया-सूखा और बाढ़ अब विरोधी नहीं, बल्कि एक ही जलवायु संकट के दो रूप हैं। एल नीनो ने पहले बारिश रोकी, फिर गर्म वातावरण ने संचित नमी उलीच दी। सूखी धरती पानी सोख न सकी; वही जल मैदानों में बाढ़ और पहाड़ों में भूस्खलन बन गया। बदलता मौसम चेतावनी है कि अब खतरा वर्षा की मात्रा से अधिक उसकी तीव्रता और असंतुलन में है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, वैश्विक तापमान 1.5-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ने पर कई क्षेत्रों में आर्द्र गर्मी गंभीर संकट बन सकती है। यानी आने वाले समय में चुनौती केवल सूखे और बाढ़ की नहीं; बारिश के बाद की दमघोंटू उमस जनस्वास्थ्य, श्रम क्षमता और अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ेगी।

नेल्सन मंडेला ने नस्लवाद की जंजीरें तोड़ी

योगेश कुमार गोयल

नेल्सन मंडेला, एक ऐसा नाम, जो समस्त विश्व समुदाय के लिए मानवता, साहस, सहिष्णुता और संघर्ष का प्रतीक बन गया है। प्रतिवर्ष 18 जुलाई को 'नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है, जो न केवल इस महान नेता को श्रद्धांजलि देने का दिन है बल्कि यह पूरी दुनिया को यह संदेश भी देता है कि परिवर्तन लाने के लिए केवल शब्द नहीं बल्कि कर्म आवश्यक हैं। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज में बदलाव लाने के लिए हम सभी की भूमिका होती है और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में दूसरों के लिए कुछ कर सकता है। नेल्सन मंडेला का जन्म 18 जुलाई 1918 को दक्षिण अफ्रीका के म्वेजो नामक गांव में हुआ था। वे थेम्बू कुल की एक शाखा 'मदिवा' जनजाति से थे और उनका मूल नाम 'रोहिलाहला मंडेला' था, जिसका अर्थ होता है 'शरारती'। उन्हें 'नेल्सन' नाम उनके स्कूल शिक्षक ने अंग्रेजी नामों की परंपरा के तहत दिया था। उनका जीवन एक सामान्य अफ्रीकी बच्चे की तरह शुरू हुआ लेकिन उनके भीतर असाधारण नेतृत्व क्षमता और अन्याय के प्रति गहरी संवेदना थी, जिसने उन्हें बाद में एक क्रांतिकारी नेता बना दिया। नेल्सन मंडेला की शिक्षा की शुरुआत क्लार्कबरी मिशनरी स्कूल से हुई। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने फोर्ट हेयर यूनिवर्सिटी और जोहान्सबर्ग स्थित विटवाटरस्रैंड विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने रंगभेद नीति और सामाजिक असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी थी। दक्षिण अफ्रीका में उस समय श्वेत अल्पसंख्यक सरकार द्वारा 'अपरथाइड' नामक नस्लीय भेदभाव की क्रूर नीति लागू थी, जिसके अंतर्गत अश्वेतों को बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा गया था। उन्हें वोट देने, जमीन रखने, शिक्षा प्राप्त करने, अस्पतालों में इलाज करवाने और बसों-रेस्तरां जैसी सार्वजनिक सेवाओं का समान उपयोग करने का अधिकार नहीं था। मंडेला ने इन्हीं अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल बजाया। वे 1944 में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गए और जल्द ही संगठन के युवा विंग के संस्थापक बन गए। अहिंसा और शांतिपूर्ण आंदोलनों के जरिये उन्होंने सरकार पर दबाव बनाना शुरू किया लेकिन जब उन्हें लगा कि सरकार की दमनकारी नीति अहिंसात्मक विरोध को कुचलने पर आमादा है तो उन्होंने 'उमखोंतो वे सिजवे' नामक एक सशस्त्र संगठन की स्थापना की, जो दक्षिण अफ्रीका में क्रांति का आरंभ था। 1962 में मंडेला को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर देशद्रोह, हिंसा भड़काने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के आरोप लगाए गए। उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और उन्होंने अपना अधिकांश समय कुख्यात रोबेन द्वीप की जेल में बिताया। यह सजा कुल 27 वर्षों की लंबी यातना बन गई परंतु जेल की कोठरी में रहते हुए भी मंडेला की आत्मा आजाद रही। वे न टूटे, न झुके और न डरे। जेल में उन्होंने पढ़ाई की, दूसरे कैदियों को शिक्षित किया और अपना संघर्ष जारी रखा। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका और दुनियाभर में मंडेला की रिहाई की मांग उठने लगी। अंततः सरकार झुकी और 11 फरवरी 1990 को नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा किया गया। यह क्षण इतिहास में आज भी जीवंत है, जब एक अश्वेत नेता, जिसे वर्षों तक आतंकवादी करार दिया गया था, अब स्वतंत्रता और न्याय का प्रतीक बन चुका था। रिहाई के बाद मंडेला ने अपने सभी विरोधियों को माफ कर दिया। उन्होंने न केवल अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को फिर से संगठित किया बल्कि देश को भी एकजुट किया। उन्होंने विभाजन नहीं बल्कि मेल-मिलाप की राजनीति की। उनकी इसी दूरदृष्टि और अहिंसा के पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा ने दक्षिण अफ्रीका को नस्लीय संघर्ष से निकालकर लोकतंत्र की ओर अग्रसर किया। दक्षिण अफ्रीका में 1994 में पहली बार बहुजातीय आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें हर नागरिक को मतदान का अधिकार मिला और परिणामस्वरूप नेल्सन मंडेला देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। यह महज एक राजनीतिक जीत नहीं थी, यह एक युग परिवर्तन था। मंडेला ने अपने राष्ट्रपति काल में सुलह, सामाजिक समरसता और आर्थिक पुनर्निर्माण की नीति को अपनाया। उन्होंने जातीय द्वेष के बजाय सहयोग को बढ़ावा दिया। उन्होंने 'सत्य और मेलमिलाप आयोग' की स्थापना की, जहां पीड़ित और अपराधियों दोनों को एक साथ लाया गया ताकि सच्चाई सामने आ सके और समाज नई शुरुआत कर सके। नेल्सन मंडेला की सोच 'उबुन्टु' दर्शन से प्रभावित थी, जो अफ्रीकी संस्कृति में मानवीय संबंधों और सह-अस्तित्व की भावना को महत्व देती है। मंडेला ने यह दिखा दिया कि बदले की भावना से कोई देश नहीं बनता बल्कि माफी और मेल-मिलाप की भावना से स्थायी शांति संभव है।

उनके जीवन के योगदान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला। 1993 में उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। 1990 में उन्हें भारत सरकार ने 'भारत रत्न' से सम्मानित किया और वे यह सम्मान पाने वाले पहले विदेशी व्यक्ति बने। इसके अलावा उन्हें संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, रूस, फ्रांस जैसे अनेक देशों और संस्थाओं ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। 2009 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 जुलाई को 'नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस' घोषित किया ताकि लोग उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज के लिए स्वयं को समर्पित कर सकें। इस दिन दुनियाभर में सामाजिक सेवा, मानवाधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समानता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र का संदेश है कि हर व्यक्ति इस दिन कम से कम 67 मिनट समाजसेवा को समर्पित करे, जो मंडेला के सार्वजनिक जीवन के 67 वर्षों के प्रतीक हैं। नेल्सन मंडेला का जीवन केवल दक्षिण अफ्रीका तक सीमित नहीं था। उन्होंने दुनिया को यह सिखाया कि सच्चे नेता वह होते हैं, जो अपने कष्टों को व्यक्तिगत नहीं मानते बल्कि उसे जनकल्याण की प्रेरणा बना देते हैं। उन्होंने यह भी दिखाया कि नेतृत्व का अर्थ अधिकार नहीं, जिम्मेदारी है। वे जब राष्ट्रपति बने तो केवल एक कार्यकाल तक सत्ता में रहे जबकि वे चाहते तो आजीवन शासन कर सकते थे पर उन्होंने सत्ता को साध्य नहीं, साधन माना। 5 दिसंबर 2013 को 95 वर्ष की आयु में नेल्सन मंडेला ने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर पूरी दुनिया ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। लाखों लोगों ने उन्हें 'दक्षिण अफ्रीका का गांधी' कहा तो कई लोगों ने उन्हें 'मानवता का प्रकाश स्तंभ' बताया। उनके सम्मान में कई देशों में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया। आज उनकी मूर्तियां, नाम पर बने संस्थान और उनके विचारों पर आधारित योजनाएं दुनियाभर में उनकी विरासत को जीवित रखे हुए हैं।

उच्च शिक्षित महिलाओं के सामने अवसरों की चुनौती

कुमार कृष्णन

भारतीय समाज में परिवर्तन हमेशा बड़े राजनीतिक नारों या सरकारी घोषणाओं के शोर में नहीं आता। कई बार वह चुपचाप लोगों की आकांक्षाओं, परिवारों की सोच और सामाजिक व्यवहार में घटित होता है। पिछले एक दशक में उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ऐसा ही एक परिवर्तन है। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2023-24 के ताज़ा आँकड़े बताते हैं कि भारतीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में बेटियों की उपस्थिति अब अपवाद नहीं बल्कि नई सामाजिक वास्तविकता है। यह बदलाव केवल शिक्षा के क्षेत्र की उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय समाज की बदलती चेतना का भी संकेत है।

एक दशक पहले उच्च शिक्षा में छात्राओं की संख्या लगभग 1.57 करोड़ थी। आज यह बढ़कर 2.24 करोड़ हो चुकी है। यानी दस वर्षों में लगभग 42 प्रतिशत की वृद्धि। इसके विपरीत पुरुष नामांकन में वृद्धि लगभग 22 प्रतिशत रही। कुल नामांकन 4.5 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच चुका है और महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 49.7 प्रतिशत है। लैंगिक समानता सूचकांक 1.08 तक पहुँच जाना इस बात का प्रमाण है कि उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक 100 पुरुषों पर अब 108 महिलाएँ हैं।

इन आँकड़ों का महत्व केवल सांख्यिकीय नहीं है। वे उस सामाजिक बदलाव का दस्तावेज़ हैं जिसमें परिवार बेटियों की शिक्षा को खर्च नहीं, बल्कि भविष्य में निवेश के रूप में देखने लगे हैं। एक समय था जब उच्च शिक्षा को लड़कों का अधिकार और लड़कियों के लिए अतिरिक्त सुविधा माना जाता था। विवाह तक पढ़ा देना ही पर्याप्त समझा जाता था लेकिन अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। छोटे शहरों और गाँवों से भी बड़ी संख्या में लड़कियाँ विश्वविद्यालयों की ओर बढ़ रही हैं। आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक असुरक्षा और पितृसत्तात्मक सोच के बावजूद परिवारों का यह निर्णय भारतीय समाज में गहरे परिवर्तन का संकेत देता है। इस बदलाव का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि इसका लाभ अपेक्षाकृत वंचित समुदायों तक भी पहुँचा है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि बताती है कि उच्च शिक्षा अब सामाजिक न्याय का भी माध्यम बन रही है। सदियों से अवसरों से वंचित समुदायों की बेटियाँ जब विश्वविद्यालयों तक पहुँचती हैं, तो वे केवल अपनी नियति नहीं बदलतीं; वे पूरे समाज की संभावनाओं का विस्तार करती हैं। इसलिए इन आँकड़ों को केवल शिक्षा मंत्रालय की उपलब्धि मानना पर्याप्त नहीं होगा। इन्हें भारतीय लोकतंत्र के सामाजिक विस्तार के रूप में भी पढ़ा जाना चाहिए।

लेकिन यहीं से एक कठिन प्रश्न भी सामने आता है। क्या विश्वविद्यालयों तक पहुँच जाना ही समानता की मंज़िल है? क्या डिग्री हासिल कर लेना सामाजिक और आर्थिक बराबरी की गारंटी बन जाता है? यदि ऐसा होता तो भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी, नेतृत्व और आय में आज भी इतनी बड़ी असमानता दिखाई नहीं देती। सच यह है कि शिक्षा अवसर का द्वार अवश्य खोलती है, लेकिन उस द्वार के आगे की यात्रा अब भी असमानताओं से भरी हुई है।

यही कारण है कि उच्च शिक्षा में लगभग बराबरी के बावजूद विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्योग, न्यायपालिका, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है। विश्वविद्यालयों तक पहुँचना यात्रा की शुरुआत है, मंज़िल नहीं। शिक्षा तभी सार्थक होगी, जब वह आर्थिक स्वतंत्रता, सामाजिक सम्मान और निर्णयकारी भूमिकाओं में समान भागीदारी का मार्ग भी प्रशस्त करे।

इस संदर्भ में एक और तथ्य विचारणीय है। उच्च शिक्षा में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ी है लेकिन विषयों के चयन में लैंगिक विभाजन अब भी बना हुआ है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाओं की कुल भागीदारी लगभग 44 प्रतिशत है किंतु इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में उनका प्रतिनिधित्व लगभग 31 प्रतिशत तक सीमित है। अधिकांश छात्राएँ अभी भी जीवन विज्ञान, रसायन विज्ञान और अन्य पारंपरिक विषयों में अधिक दिखाई देती हैं। यह केवल विषयों की पसंद का मामला नहीं है। यह उस सामाजिक मानसिकता का परिणाम भी है, जो बचपन से लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग भूमिकाएँ निर्धारित करती है। आज भी तकनीक, मशीन और नवाचार को पुरुषों का क्षेत्र तथा देखभाल, शिक्षा और जीवन विज्ञान को महिलाओं के लिए अधिक उपयुक्त माना जाता है। परिणामस्वरूप अनेक प्रतिभाशाली छात्राएँ उन क्षेत्रों तक नहीं पहुँच पातीं, जहाँ भविष्य की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक अवसर पैदा करने वाली है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर और डिजिटल प्रौद्योगिकी आने वाले दशकों की अर्थव्यवस्था की धुरी बनने जा रहे हैं। यदि इन क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सीमित रहेगी, तो आर्थिक विकास का लाभ भी समान रूप से वितरित नहीं होगा। इसलिए अब चुनौती केवल बेटियों को विश्वविद्यालय तक पहुँचाने की नहीं, बल्कि उन्हें भविष्य की तकनीकों और नवाचार के केंद्र में स्थापित करने की है।

यहीं से यह स्पष्ट होता है कि संख्या की समानता और अवसरों की समानता दो अलग-अलग बातें हैं। भारतीय उच्च शिक्षा ने पहला लक्ष्य काफी हद तक हासिल कर लिया है। अब असली परीक्षा दूसरे लक्ष्य की है—क्या विश्वविद्यालयों से निकलने वाली करोड़ों युवतियों को उनके ज्ञान, प्रतिभा और परिश्रम के अनुरूप अवसर भी मिलेंगे, या फिर वे डिग्री लेकर भी उसी सामाजिक संरचना में लौट जाएँगी, जिसने लंबे समय तक उनकी संभावनाओं को सीमित रखा था? यही प्रश्न भारतीय उच्च शिक्षा की सबसे बड़ी कसौटी बनने जा रहा है।उच्च शिक्षा में बढ़ती महिलाओं की भागीदारी का दूसरा पक्ष स्वयं शिक्षा संस्थानों की संरचना से जुड़ा है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्राओं की संख्या भले ही लगभग बराबरी तक पहुँच गई हो, लेकिन निर्णय लेने वाली संस्थागत संरचनाओं में महिलाओं की उपस्थिति अब भी सीमित है। एआईएसएचई के आँकड़े बताते हैं कि प्रत्येक 100 पुरुष शिक्षकों पर केवल 82 महिला शिक्षक हैं। यह अंतर केवल नियुक्तियों का नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक असमानता का भी संकेत है जिसमें ज्ञान का उत्पादन, शोध का नेतृत्व और शैक्षणिक संस्थानों की सत्ता लंबे समय तक पुरुषों के हाथों में केंद्रित रही है। विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक, डीन और विभागाध्यक्ष जैसे पदों पर महिलाओं की संख्या आज भी अपेक्षाकृत कम है।

भारतीय अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की ऊंची उड़ान

महेन्द्र तिवारी

भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में 18 जुलाई का दिन एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी यात्रा की दिशा को हमेशा के लिए बदल देगा। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस का स्वदेशी रूप से विकसित विक्रम-1 रॉकेट अपनी पहली कक्षीय उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह केवल एक रॉकेट का प्रक्षेपण नहीं है बल्कि यह उस नए और आत्मनिर्भर भारत का उद्‌घोष है जहाँ निजी क्षेत्र अब अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों को नापने के लिए पूरी तरह से सक्षम हो चुका है। दशकों तक भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम पूर्ण रूप से सरकारी नियंत्रण और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के कुशल मार्गदर्शन में पलता और बढ़ता रहा है। इसरो ने सीमित संसाधनों के बावजूद दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और मंगल ग्रह से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक तिरंगा फहराया है। लेकिन अब समय बदल रहा है और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी अनिवार्य हो गई है। इसी आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जो ऐतिहासिक निर्णय लिया था यह प्रक्षेपण उसी नीतिगत बदलाव का सबसे बड़ा और प्रत्यक्ष परिणाम है।

जब हम स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके महत्वाकांक्षी रॉकेट विक्रम-1 की बात करते हैं तो हमें इसके पीछे के तकनीकी चमत्कार और वर्षों की अथक मेहनत को समझना होगा। इस रॉकेट का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है जो अपने आप में एक बहुत बड़ा प्रतीकात्मक संदेश है। विक्रम-1 कोई साधारण लॉन्च वाहन नहीं है बल्कि यह अत्याधुनिक तकनीकों का एक अद्भुत संगम है। इस रॉकेट की सबसे बड़ी विशेषता इसके निर्माण में थ्रीडी प्रिंटिंग तकनीक का व्यापक उपयोग है। इसके कई महत्वपूर्ण पुर्जे और विशेष रूप से इसका क्रायोजेनिक इंजन जिसे धवन नाम दिया गया है पूरी तरह से थ्रीडी प्रिंटेड है। पारंपरिक निर्माण विधियों की तुलना में थ्रीडी प्रिंटिंग से रॉकेट के पुर्जे बनाने में लगने वाला समय और लागत दोनों काफी कम हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त रॉकेट का बाहरी ढांचा कार्बन फाइबर कंपोजिट से बनाया गया है जो इसे बेहद हल्का लेकिन इस्पात से भी अधिक मजबूत बनाता है। एक हल्के ढांचे का सीधा अर्थ यह है कि रॉकेट अपने साथ अधिक पेलोड यानी अधिक वजन के उपग्रह ले जाने में सक्षम होगा। यह एक बहु चरण वाला रॉकेट है जिसे विशेष रूप से छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उप कक्षीय और कक्षीय उड़ानों के बीच एक बहुत बड़ा तकनीकी अंतर होता है जिसे समझना यहां बेहद प्रासंगिक है। नवंबर 2022 में स्काईरूट एयरोस्पेस ने ही अपना पहला रॉकेट विक्रम एस लॉन्च किया था जो एक उप कक्षीय उड़ान थी। उप कक्षीय उड़ान का अर्थ होता है कि रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा को तो छूता है लेकिन वह पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए आवश्यक गति प्राप्त नहीं कर पाता और गुरुत्वाकर्षण के कारण वापस लौट आता है। इसके विपरीत अठारह जुलाई को होने वाला विक्रम-1 का प्रक्षेपण एक कक्षीय मिशन है। इसका मतलब है कि यह रॉकेट न केवल अंतरिक्ष में जाएगा बल्कि यह इतनी तेज गति प्राप्त करेगा कि यह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हो सके और अपने साथ ले जाए गए उपग्रहों को सटीक रूप से उनकी निर्धारित जगह पर छोड़ सके। कक्षीय उड़ान तकनीकी रूप से बहुत अधिक जटिल चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरी होती है। इसमें रॉकेट के इंजनों को कई बार चालू और बंद करना पड़ता है और इसकी नेविगेशन प्रणाली को बिल्कुल अचूक होना पड़ता है। अगर स्काईरूट की टीम इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लेती है तो यह भारतीय निजी क्षेत्र की तकनीकी क्षमता का विश्व स्तर पर सबसे बड़ा प्रमाण होगा। आर्थिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस प्रक्षेपण के मायने बहुत गहरे और दूरगामी हैं। आज पूरी दुनिया में संचार मौसम पूर्वानुमान कृषि निगरानी और नेविगेशन के लिए छोटे उपग्रहों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। पारंपरिक रूप से बड़े रॉकेटों के जरिए इन उपग्रहों को लॉन्च करने में बहुत समय लगता है क्योंकि सरकारी एजेंसियों के पास अपने स्वयं के बड़े मिशन होते हैं और छोटे उपग्रहों को उन बड़े मिशनों के साथ सह यात्री के रूप में भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में कई बार निजी कंपनियों और विश्वविद्यालयों को अपने उपग्रह लॉन्च करने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। स्काईरूट जैसी कंपनियां इसी समस्या का समाधान लेकर आई हैं। विक्रम-1 जैसे रॉकेट ऑन डिमांड लॉन्च की सुविधा प्रदान करते हैं। इसका मतलब है कि जब भी किसी ग्राहक को अपना उपग्रह लॉन्च करना हो यह रॉकेट कुछ ही हफ्तों की तैयारी के साथ उड़ान भरने के लिए तैयार हो सकता है। यह लचीलापन और कम लागत भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को वैश्विक कमर्शियल मार्केट में एक बहुत बड़ा प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान करेगा। वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बहुत कम है लेकिन विक्रम-1 की सफलता इस हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी और एलन मस्क की स्पेसएक्स जैसी दिग्गज अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को सीधे चुनौती देने की नींव रखेगी।

नेतागिरी विकास केंद्र

डॉ टी महादेव राव

नेतृत्व विकास केंद्र हमारे शहर के बीचोबीच एक नए बने बहु मंजिल इमारत के सामने यह बोर्ड पढ़ा तो लगा हम कहां कहां विकास कर गए? नए नए स्टार्टअप, नए नए आइडिया से भर गए। प्रबंधन विकास केंद्र देखा, लेकिन यह नेतागिरी विकास केंद्र (नेविके) ने तो सोचने पर विवश किया।

मैं भवन के स्वागत कक्ष में पहुंचा। यहीं से अभ्यर्थियों, नेतृत्व विकासार्थियों के लिए जाल फेंका जाता होगा। रिसेप्शनिस्ट भारतीय परिधान साड़ी में सजी सुंदर युवती, जैसे किसी बहुत बड़े स्टार होटल में होती हैं। मैं पूछने वाला ही था कि उसने पास रखे सोफे पर बैठने का इशारा किया।

मैं आस पास के फ्रेमों मे जड़े स्लोगन देख रहा था।नेता बनने के लिए आपको किसी पद पर होना जरूरी नहीं है। नेतृत्व एक ऐसी चीज़ है जिसे आप अर्जित करते हैं, जिसके लिए आपको चुना जाता है। आप चिल्लाते हुए नहीं आ सकते, 'मैं आपका नेता हूँ!' अगर ऐसा होता है, तो इसका मतलब है कि दूसरे लोग आपका सम्मान करते हैं। जो व्यक्ति हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है, वह उदाहरण देकर स्वाभाविक नेता बन जाता है। नेता बनने से पहले, सफलता का मतलब है खुद को आगे बढ़ाना। जब आप नेता बन जाते हैं, तो सफलता का मतलब है दूसरों को आगे बढ़ाना. नेता वह है जो रास्ता जानता है, रास्ते पर चलता है, और रास्ता दिखाता है।

भविष्य उन लोगों का है जो अपने सपनों की सुंदरता में विश्वास करते हैं। जब नेतृत्व नहीं होता, तो समाज ठहर जाता है। प्रगति तब होती है जब साहसी, कुशल नेता चीजों को बेहतर बनाने के अवसर का लाभ उठाते हैं।

मुझे लगा मैं किसी और देश में तो नहीं आ गया हूं जहां नेतृत्व के विकास के इस पुस्तकीय सिद्धांतों और परिभाषाओं का अनुसरण किया जाता है। मैं बैठे बैठे सोच ही रहा था कि एक बुजुर्ग आकर मेरे पास के सोफे में विराजे। मुझे उनका चेहरा कुछ जाना पहचाना लग रहा था, लेकिन नाम याद नहीं आ रहा था। जब उन्होंने अपना परिचय दिया तो याद आया सात साल पहले पार्टी से इन्हें पार्टी निधि हड़पने, कई घोटाले करने, करोड़ों रुपयों के भ्रष्टाचार के आरोप में पार्टी से और कहा जाए तो राजनीति से भी निकाल बाहर किया गया था।

उन्होंने कहा मैं इस नेतृत्व विकास केंद्र का विशेष सलाहकार हूं। बताएं आप किस लिए पधारे हैं?

मैने अपना तुरुप का इक्का निकाला जी मैं पत्रकार हूं। नया भवन, नया परिसर, नया बोर्ड देखा तो जानने चला आया।

बुजुर्ग के इशारे पर चाय और बिस्कुट आ गए। पहले बताते तो हम अपने और साथियों से मिलवाते क्योंकि अभी सिर्फ एडमिशन चल रहा है। एक माह बाद कक्षाएं चलाई जाएंगी।

मैं चाय सुड़कते हुए पूछा किस आधार पर प्रवेश मिलता है?

हम एक प्रवेश परीक्षा लेते हैं, जिसकी फीस दो हजार रुपए होती है।क्या होता है प्रवेश परीक्षा में?

हम अभ्यर्थी का आई क्यू, हालातों से सामना करने का गुण, राजनीतिक ज्ञान आदि अनेक विषयों पर प्रश्नपत्र देते हैं। इससे हमें उनकी योग्यता का एक्स रे दिख जाता है।अब तक तो काफी लोग नेता बनने आ गए होंगे।

बिल्कुल। अब तक डेढ़ हजार लोगों ने परीक्षाएं दी हैं जिनमें हम पांच सौ को चुनकर प्रशिक्षण देंगे। स्थितियों के अनुसार व्यवहार, अभिनय और भावाभिव्यक्ति, संदर्भानुसार संवाद, कहीं कही असत्य से काम चलाना मतलब नेताओं को जिन गुणों और योग्यताओं की जरूरत होती है, वह हम उन्हें मुहैया कराएंगे।

अच्छा है। साल भर के प्रशिक्षण का शुल्क क्या होगा? आप आयकर वाले सवाल न करें।आपकी जैसी इच्छा। लेकिन अगर मैं अनुमान लगाऊं तो प्रशिक्षण के दौरान सभी छात्रों को छात्रावास में रहना होगा। छात्रावास और प्रशिक्षण के लिए प्रति प्रशिक्षु पांच लाख रुपए वसूले जाएंगे। ठीक है न?उस बुजुर्ग ने रिसेप्शनिस्ट की ओर देखा। मैंने कहा मुझे किसी ने कुछ नहीं बताया। यह मेरा अनुमान है। शायद सही है।

6 भारतीय खिलाड़ी जो कभी भी कर सकते हैं संन्यास का ऐलान, रोहित शर्मा के साथ लगेगा इनका नंबर

भारतीय क्रिकेट में बदलाव की बयार बेहद तेजी से चल रही है। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स ने क्रिकेट गलियारों में हलचल मचा दी है कि टीम इंडिया के महान बल्लेबाज रोहित शर्मा को बीसीसीआई सेलेक्टर्स ने साफ कर दिया है कि वे अब 2027 के वनडे वर्ल्ड कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि लॉर्ड्स का वनडे मुकाबला रोहित के इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच हो सकता है। रोहित पहले ही टी20 क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं और अब वे पूरी तरह संन्यास की कगार पर हैं। लेकिन रोहित अकेले नहीं हैं। टीम इंडिया के कई अन्य सीनियर और दिग्गज खिलाड़ी भी हैं जो अपनी उम्र, फिटनेस या सेलेक्टर्स द्वारा युवाओं को तरजीह दिए जाने के कड़े रुख के कारण जल्द ही इंटरनेशनल क्रिकेट से हमेशा के लिए विदा ले सकते हैं। ऐसे ही 6 खिलाड़ियों की बात यहां कि गई है।

रोहित शर्मा

हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा के शानदार करियर का अंत अब बेहद करीब नजर आ रहा है। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब हालिया रिपोर्ट्स और सेलेक्टर्स के बयानों से यह साफ हो गया है कि बोर्ड भविष्य की टीम तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। इसी वजह से इन चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है कि उनका वनडे करियर भी अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है और वे जल्द ही संन्यास का ऐलान कर सकते हैं।

विराट कोहली

रोहित शर्मा की तरह ही विराट कोहली भी टी20 इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट से दूरी बना चुके हैं। कोहली भले ही अभी भी रन बना रहे हों लेकिन वे अपने करियर के अंतिम दौर में हैं। बीसीसीआई अब वनडे में भी युवा बल्लेबाजों को ग्रूम करने की नीति पर काम कर रही है, जिससे संकेत मिलते हैं कि कोहली भी अगले साल तक खेल को पूरी तरह अलविदा कह सकते हैं।

मोहम्मद शमी

भारतीय तेज गेंदबाजी के सबसे भरोसेमंद स्तंभों में से एक मोहम्मद शमी पिछले कुछ समय से चोटों से परेशान रहे हैं। हालांकि वे चोट के बाद वापसी की कोशिशों में जुटे हैं लेकिन इस समय टीम इंडिया के पास उभरते हुए युवा तेज गेंदबाजों की एक लंबी कतार है। ऐसे में कड़े कॉम्पिटिशन और युवाओं को मिल रहे मौकों को देखते हुए शमी के लिए राह आसान नहीं है और वे जल्द संन्यास का फैसला ले सकते हैं।

भुवनेश्वर कुमार

स्विंग के सुल्तान कहे जाने वाले भुवनेश्वर कुमार भी पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। वाइट-बॉल क्रिकेट में भारत के लिए कई मैच जीतने वाले भुवी को अब सेलेक्टर्स पूरी तरह नजरअंदाज कर चुके हैं और अर्शदीप सिंह मयंक यादव जैसे युवाओं पर भरोसा जता रहे हैं। अपनी गिरती रफ्तार और टीम में वापसी के बंद हो चुके दरवाजों को देखते हुए भुवनेश्वर भी जल्द ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर सकते हैं।

रविंद्र जडेजा

दुनिया के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर्स में गिने जाने वाले रविंद्र जडेजा ने साल 2024 के टी20 वर्ल्ड कप की खिताबी जीत के बाद इस छोटे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। भारत अब भविष्य के लिए नए ऑलराउंडर्स की फौज तैयार करना चाहता है, जिसके चलते यह संभावना जताई जा रही है कि जडेजा जल्द ही टेस्ट और वनडे फॉर्मेट को भी अलविदा कह सकते हैं। खासकर अक्षर पटेल को टीम मैनेजमेंट कम से कम वनडे फॉर्मेट में तो अपना परमानेंट ऑलराउंडर बनाने का मूड बना चुका है।

ईशांत शर्मा

अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा काफी लंबे समय से नेशनल टीम के सेटअप से बाहर चल रहे हैं। हालांकि वे घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहे हैं, लेकिन अब टीम में उनकी वापसी की कोई गुंजाइश नहीं बची है। यही वजह है कि माना जा रहा है कि यह सीनियर गेंदबाज जल्द ही आधिकारिक तौर पर क्रिकेट के सभी रूपों से अपने संन्यास की घोषणा कर सकता है।

हरमनप्रीत के बाद कौन संभालेगा भारतीय महिला टीम की कमान?

मिताली ने सुझाए महिला टीम के लिए नए कप्तान

हरमनप्रीत की फिटनेस और फॉर्म पर भी उठाए सवाल

महिला टी20 विश्व कप में भारत के लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने के बाद कप्तानी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के भविष्य को लेकर अपनी राय रखते हुए वनडे और टेस्ट की कप्तानी के लिए स्मृति मंधाना, जबकि टी20 टीम की कमान शेफाली वर्मा को सौंपने की वकालत की है।

मिताली ने कप्तानी को लेकर क्या कहा?

मिताली राज ने कहा कि हरमनप्रीत कौर का कार्यकाल खत्म होने के बाद स्मृति मंधाना लंबे प्रारूप यानी वनडे और टेस्ट की कप्तानी के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प हैं। वहीं, टी20 टीम की कमान युवा खिलाड़ी शेफाली वर्मा को दी जा सकती है।

हरमनप्रीत को लेकर क्या बोले?

मिताली ने कहा कि केवल टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में नहीं पहुंचना कप्तान बदलने का एकमात्र आधार नहीं होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि कप्तान के चयन में फिटनेस, फॉर्म और भविष्य के विश्व कप चक्र में उसकी भूमिका जैसे पहलुओं पर भी विचार किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, पिछले दो-तीन वर्षों में हरमनप्रीत कौर फिटनेस से जूझती रही हैं और कई मुकाबलों में उपलब्ध भी नहीं रहीं। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले तीन-चार वर्षों में हरमनप्रीत बल्लेबाजी में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं।

कोच की जवाबदेही पर क्या कहा?

मिताली ने कहा कि यदि सिर्फ टी20 विश्व कप के प्रदर्शन के आधार पर बदलाव की बात हो रही है तो इसकी जिम्मेदारी केवल कप्तान की नहीं, बल्कि मुख्य कोच अमोल मजूमदार की भी बनती है, क्योंकि अंतिम एकादश का फैसला कप्तान और कोच मिलकर करते हैं।

स्मृति और शेफाली को क्यों चुना?

मिताली का मानना है कि स्मृति मंधाना को दो-तीन साल पहले ही वनडे टीम की कप्तानी मिल जानी चाहिए थी। अब उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें वनडे और टेस्ट टीम की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। टी20 प्रारूप के लिए उन्होंने शेफाली वर्मा का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि शेफाली का सबसे मजबूत प्रारूप टी20 है और वह अंडर-19 विश्व कप में भारत की कप्तानी भी कर चुकी हैं। उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स को भी विकल्प बताया, लेकिन कहा कि जिसे भी कप्तानी मिले, उसे खुद को स्थापित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए।

नेतृत्व तैयार करने पर क्या उठाए सवाल?

मिताली ने कहा कि भारतीय टीम में लंबे समय से नेतृत्व समूह सिर्फ हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना तक सीमित रहा है। टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं ने तीसरे नेतृत्व विकल्प को तैयार करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अंडर-19 विश्व कप के बाद किसी युवा खिलाड़ी को नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार नहीं किया गया। शेफाली वर्मा ने भारत को अंडर-19 विश्व कप जिताया, लेकिन उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी नहीं मिली। इसी तरह निकी प्रसाद को भी इंडिया-ए की कप्तानी नहीं सौंपी गई।

रोहित शर्मा जबरिया रिटायर किए जाएंगे फैसले में शुभमन गिल भी शामिल?

इसलिए याद आ रहे सचिन तेंदुलकर

भारतीय क्रिकेट इतिहास में जब भी किसी महान खिलाड़ी के संन्यासी होने की स्क्रिप्ट लिखी जाती है, तो उसमें विवाद, कशमकश और कड़वाहट का तड़का न लगे, ऐसा कम ही देखा गया है। इंग्लैंड के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के बीच रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर जो बवाल मचा है, उसने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट के सबसे कड़वे सच को उजागर कर दिया है। सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में चर्चा तेज है कि हिटमैन को जबरिया रिटायरमेंट की ओर धकेला जा रहा है और इस पूरे फैसले में वर्तमान वनडे कप्तान शुभमन गिल की मौजूदगी भी इस विवाद को हवा दे रही है। रोहित शर्मा के साथ हो रहे इस बर्ताव को देखकर क्रिकेट फैंस को आज से 14 साल पुराना वो दौर याद आ गया है, जब क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था।

यह भारतीय क्रिकेट का वो इतिहास है जिसे चाहकर भी भुलाया नहीं जा सकता। साल 2011 में भारत को अपनी कप्तानी में विश्व विजेता बनाने वाले महेंद्र सिंह धोनी भविष्य की टीम की नींव रखना चाहते थे। उस वक्त ऑस्ट्रेलिया में खेली गई सीबी सीरीज के दौरान रोटेशन पॉलिसी और फील्डिंग का हवाला देकर सीनियर खिलाड़ियों को लेकर कड़े फैसले लिए जा रहे थे। धोनी का मानना था कि आगामी विश्व कप को देखते हुए अब युवाओं को ज्यादा मौके मिलने चाहिए और वे सचिन तेंदुलकर को वनडे स्क्वाड का हिस्सा बनाए रखने के पक्ष में नहीं थे। सचिन तेंदुलकर ने 18 मार्च 2012 को एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी वनडे मैच खेला। इसके बाद महीनों तक चली कशमकश के बाद आखिरकार 23 दिसंबर 2012 को सचिन ने वनडे क्रिकेट से संन्यास का आधिकारिक ऐलान कर दिया। सचिन के जाते ही साल 2013 में एमएस धोनी के अंडर में एक बिल्कुल नई और युवा टीम इंडिया तैयार हुई, जिसने इंग्लैंड की धरती पर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था। धोनी ने अपने उस फैसले को पूरी तरह से सही साबित करके दिखाया, लेकिन सवाल यहां यह है कि क्या शुभमन गिल ऐसा कर पाएंगे या नहीं?

शुभमन गिल का बयान और सिलेक्टर्स की लीक कहानी

आज रोहित शर्मा के मामले में भी इतिहास खुद को दोहराता दिख रहा है। सीरीज की शुरुआत में कप्तान शुभमन गिल ने मीडिया के सामने आकर कहा था कि रोहित और विराट पिछले एक दशक से भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ रहे हैं और वे टीम का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन पर्दे के पीछे की कहानी कुछ और ही बयां कर रही है। चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा को साफ बता दिया है कि वे 2027 वनडे विश्व कप के लिए अब आगे की सोच रहे हैं और यशस्वी जायसवाल जैसे युवाओं को मौका देना चाहते हैं। सिलेक्टर्स ने रोहित को साफ कर दिया है कि इंग्लैंड दौरे के बाद वे उनकी तरफ नहीं देख रहे हैं, और अब गेंद रोहित के पाले में है कि वे सम्मानजनक विदाई का रास्ता चुनते हैं या नहीं।

मानसिक तनाव का मैदान पर असर, लय से भटके हिटमैन

इस पूरे विवाद और बयानों के विरोधाभास का असर रोहित शर्मा की बल्लेबाजी पर साफ देखा जा सकता है। अपनी स्पष्ट सोच के लिए जाने जाने वाले रोहित इंग्लैंड के खिलाफ दोनों वनडे मैचों में बेहद असहज और तनाव में दिखे। कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में रोहित ने 47 गेंदों में संघर्ष करते हुए महज 26 रन बनाए।

क्या बिना लड़े हार मान लेंगे रोहित?

रोहित शर्मा आसानी से घुटने टेकने वाले खिलाड़ियों में से नहीं हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो रोहित ने बीसीसीआई के टॉप लेवल अधिकारियों के सामने इस फैसले पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। पिछले साल शुभमन गिल को वनडे कप्तानी सौंपे जाने के बाद रोहित का मानना है कि बतौर बल्लेबाज उनमें अभी बहुत क्रिकेट बाकी है।

इंग्लैंड के फीफा विश्व कप से बाहर होने के बाद बेलिंगहम ने लिखा भावुक पोस्ट, फैंस का किया धन्यवाद

इंग्लैंड के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी जूड बेलिंगहम ने भावुक पोस्ट लिखा है। इंग्लैंड को सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। बेलिंगहम ने अपने भावकु पोस्ट में सभी समर्थकों को उनके अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। सेमीफाइनल मैच में एंथनी गॉर्डन द्वारा किए गए गोल की बदौलत इंग्लैंड मुकाबले में 1-0 से आगे चल रहा था। हालांकि, मैच के अंतिम 7 मिनटों में अर्जेंटीना ने दो गोल दागते हुए इंग्लैंड का फाइनल खेलने का सपना एक बार फिर तोड़ दिया। इस निराशाजनक हार के एक दिन बाद, बेलिंगहम ने सोशल मीडिया पर उन सभी फैंस का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने अमेरिका आकर टीम का समर्थन किया।

उन्होंने सभी से भरोसा बनाए रखने की अपील भी की। बेलिंगहम ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, ₹बीते कुछ हफ्तों और कल के दिन को शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। कंसास में हमारे ड्राइवर ने जो बात कही, उसने हमारी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त कर दिया। मैं उन सभी लोगों का दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने घर से हमारा हौसला बढ़ाया और अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर अमेरिका आकर हमारा समर्थन किया। हमारे देश के लोगों के बीच जो एकता और प्यार इस अभियान के दौरान देखने को मिला, उसे यहीं खत्म नहीं होने देना चाहिए। अगर हम इसी तरह एकजुट रहें, तो हम आगे भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। आप सभी का दिल से धन्यवाद और ढेर सारा प्यार।

इंग्लैंड के बाहर होने के बावजूद, बेलिंगहम का टूर्नामेंट शानदार रहा और वह थॉमस ट्यूशेल के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रहे। इस मिडफील्डर ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 7 गोल दागे, जिसमें नॉर्वे के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में मैच जिताने वाले दो गोल शामिल रहे। नॉर्वे के खिलाफ बेलिंगहम के दो गोल की बदौलत इंग्लैंड ने चौथी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। राउंड ऑफ 16 में मेक्सिको के खिलाफ भी बेलिंगहम ने दो गोल किए थे।

इंग्लैंड ने नॉकआउट स्टेज में डीआर कांगो, मैक्सिको और नॉर्वे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इस शानदार प्रदर्शन से टीम के 60 साल से अधिक समय से दूसरे विश्व कप खिताब का इंतजार खत्म होने की उम्मीद बढ़ गई थी। हालांकि, सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने मैच के अंतिम समय में जोरदार वापसी करते हुए इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस हार के साथ इंग्लैंड का दूसरा विश्व कप जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। अब तीसरे स्थान के लिए इंग्लैंड की भिड़ंत फ्रांस से होगी।

गिल के साथ विश्वकप जीत चुका मनजोत कालरा श्रीलंका में गिरफ्तार!

भारत को 2018 अंडर-19 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व सलामी बल्लेबाज मनजोत कालरा अब एक बड़े विवाद में घिर गए हैं। श्रीलंकाई न्यूज एजेंसी के मुताबिक, श्रीलंका पुलिस ने उन्हें लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के दौरान खिलाड़ियों को कथित तौर पर रिश्वत देने की कोशिश के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किया। 27 वर्षीय कालरा हाल ही में एलपीएल फ्रेंचाइजी जाफना किंग्स के सह-मालिक बने थे।

खिलाड़ियों की शिकायत के बाद हुई कार्रवाई

श्रीलंकाई जांच एजेंसियों के मुताबिक, कालरा ने करीब 10 दिन पहले कुछ खिलाड़ियों से संपर्क कर उन्हें पैसे का लालच देने की कोशिश की थी। इसकी शिकायत श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों भानुका राजपक्षे, अविष्का फर्नांडो और दुनिथ वेलालागे ने की, जो जाफना किंग्स का हिस्सा हैं।

जांच के दौरान एक खिलाड़ी ने पुलिस को सूचना दी कि कालरा उसे पैसे देने वाले हैं। इसके बाद पुलिस ने कोलंबो के एक होटल में छापा मारा और कालरा को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह कथित तौर पर 95 लाख श्रीलंकाई रुपये (करीब 28,700 अमेरिकी डॉलर) सौंपने की तैयारी में थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

मनजोत पर पहले भी लग चुके आरोप

मनजोत पर पहले भी गंभीर आरोप लग चुके हैं। 2020 में कथित उम्र में फर्जीवाड़े के मामले में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के तत्कालीन लोकपाल ने मनजोत को दो साल के लिए किसी भी आयु वर्ग के टूर्नामेंट में खेलने से निलंबित कर दिया था। इतना ही नहीं, इस फैसले के कारण वह उस सीजन में रणजी ट्रॉफी में खेलने का मौका भी गंवा बैठे थे।

एलपीएल पर फिर लगे भ्रष्टाचार के दाग

यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब एलपीएल के छठे सीजन की शुरुआत हुई है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला जाफना किंग्स और गॉल गैलेंट्स के बीच खेला गया। एलपीएल पहले भी भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर सुर्खियों में रहा है।

इसी साल दांबुला थंडर्स के मालिक तमीम रहमान को खिलाड़ी को प्रभावित करने और सट्टेबाजी गतिविधियों के आयोजन की कोशिश स्वीकार करने पर चार साल की निलंबित जेल और 2.4 करोड़ श्रीलंकाई रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई थी।

श्रीलंका क्रिकेट का सख्त संदेश

श्रीलंका क्रिकेट ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सख्त नीति दोहराई। उन्होंने कहा, 'श्रीलंका क्रिकेट भ्रष्टाचार और अनैतिक गतिविधियों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कायम है। जरूरत पड़ने पर हम जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग देंगे।' बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि इस घटना का टूर्नामेंट के कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ेगा और प्रतियोगिता तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी।

विश्व कप हीरो से विवादों तक

मनजोत कालरा भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के बीच 2018 अंडर-19 विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई नाबाद 101 रन की पारी के लिए सबसे ज्यादा याद किए जाते हैं। पृथ्वी शॉ की कप्तानी में भारत ने वह विश्व कप जीता था और कालरा फाइनल के हीरो बने थे।

हालांकि, आठ साल बाद वही खिलाड़ी अब एलपीएल के सबसे चर्चित विवाद के केंद्र में हैं। यदि जांच में आरोप साबित होते हैं तो यह मामला न सिर्फ उनके करियर, बल्कि क्रिकेट प्रशासन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों पर भी बड़ा असर डाल सकता है।

हावड़ा स्टेशन से राष्ट्रीय स्तर की 15 वर्षीय शूटर दमयंती सेन लापता

पश्चिम बंगाल के खेल जगत में उस समय चिंता की लहर दौड़ गई जब राष्ट्रीय स्तर की 15 वर्षीय शूटर दमयंती सेन रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गईं। हाल ही में राष्ट्रीय टीम के ट्रायल के लिए चयनित दमयंती गुरुवार दोपहर अपने घर से घरेलू सामान खरीदने के लिए निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। शुक्रवार सुबह तक उनका कोई सुराग नहीं मिला।

परिजनों के मुताबिक, दमयंती अपने घर से मोबाइल फोन लेकर निकली थीं। काफी समय बीत जाने के बाद भी वह घर नहीं पहुंचीं, तो परिवार ने पहले रिश्तेदारों, दोस्तों और शूटिंग अकादमी के साथियों से संपर्क कर उनकी जानकारी जुटाने की कोशिश की। हर प्रयास विफल होने पर परिजनों ने स्थानीय पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की और आसपास के इलाकों के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान हावड़ा स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में दमयंती को प्लेटफॉर्म संख्या चार और पांच के बीच घूमते हुए देखा गया। पुलिस का कहना है कि यही वह आखिरी स्थान है, जहां उन्हें देखा गया था। इसके बाद वह किस दिशा में गईं या किसके साथ गईं, इसका अभी तक कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिल पाया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दमयंती सेन सेंट्रल हावड़ा के उमाचरण भट्टाचार्जी लेन इलाके की निवासी हैं। जांच के दौरान परिवार ने बताया कि राष्ट्रीय टीम के ट्रायल के लिए चयन होने के बाद वह नियमित रूप से सुबह जल्दी उठकर अभ्यास कर रही थीं और अपने खेल करियर को लेकर बेहद गंभीर थीं। परिजनों ने यह भी स्पष्ट किया कि हाल के दिनों में उनका परिवार के किसी सदस्य से कोई विवाद या तनाव नहीं था, जिससे उनके अचानक घर छोड़ने की कोई वजह सामने नहीं आती।

दमयंती के अचानक लापता होने से उनके माता-पिता गहरे सदमे में हैं। उनके दोस्त, पड़ोसी और शूटिंग समुदाय के साथी भी लगातार उनकी सुरक्षित वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है और रेलवे स्टेशन के आसपास के सीसीटीवी, मोबाइल फोन की लोकेशन तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनकी तलाश में जुटी हुई है।

टीम इंडिया को बड़ा झटका, सीरीज के आखिरी वनडे से ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर बाहर

भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले निर्णायक मुकाबले से पहले एक बहुत बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोट के कारण रविवार को लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और आखिरी वनडे मैच से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। गुरुवार को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए दूसरे वनडे मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय सुंदर के पैर में गंभीर चोट लग गई थी। इस चोट की वजह से वे भारत की गेंदबाजी के दौरान फील्डिंग करने भी मैदान पर नहीं उतर सके। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज इस समय 1-1 की बराबरी पर है।

वाशिंगटन सुंदर को लगी थी चोट

इस मुकाबले में वाशिंगटन सुंदर ने केवल 5 गेंदों में 2 रन बनाए, लेकिन मैच के दौरान वे काफी दर्द में दिखे। पारी के ब्रेक के दौरान टीम के फिजियो को उनकी जांघ पर पट्टी बांधते हुए देखा गया था और आउट होने के बाद वे बेहद असहज होकर मैदान से बाहर गए। सुंदर की इस चोट की गंभीरता की पुष्टि करते हुए भारतीय टीम के बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने मैच के बाद बयान दिया, 'वाशिंगटन को यह चोट तब लगी जब वे मिड-ऑफ की तरफ अपना पहला रन लेने के लिए दौड़े थे। मुझे लगता है कि उनकी हैमस्ट्रिंग की चोट काफी गंभीर दिख रही है, और इसके अगली ही गेंद पर वे आउट भी हो गए।'

कुलदीप यादव की हो सकती है एंट्री

कभी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की मौजूदगी में टीम के स्टैंडबाय खिलाड़ी रहने वाले सुंदर आज तीनों फॉर्मेट में भारत के मुख्य खिलाड़ी बन चुके हैं। पहले वनडे में छक्का लगाकर अर्धशतक पूरा करने और टीम को जीत दिलाने वाले सुंदर के रिप्लेसमेंट के तौर पर फिलहाल टीम के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

कुलदीप को नहीं मिले हैं मौके

लॉर्ड्स में टीम इंडिया की रणनीति इस बात पर निर्भर करेगी कि वे सुंदर के बिना गेंदबाजी डिपार्टमेंट को कैसे संतुलित करते हैं। दूसरे वनडे में बीमारी के कारण बाहर बैठे केएल राहुल अगर फिट होते हैं तो टीम ईशान किशन और राहुल दोनों को एक साथ खिला सकती है।

अर्जुन कपूर ने पामेला सेरेना से कही दिल की बात, बोले- 'मैं शादी के लिए तैयार हूं'

मशहूर बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर हाल ही में रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' में मेहमान बनकर पहुंचे। शो के दौरान अर्जुन कपूर ने कुछ ऐसा कह दिया, जिसे सुनकर शो की कंटेस्टेंट पामेला सेरेना शर्मा से लाल हो गईं। दरअसल, अर्जुन ने मजाक-मजाक में कहा कि वह शादी के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

शो में क्या-क्या हुआ?

अर्जुन कपूर ने बताया कि वह शो में पामेला के 'कलेश कॉर्नर' सेगमेंट को बहुत पसंद करते हैं और इसके फैन हैं। बातचीत के दौरान अर्जुन ने पामेला से मजाक में कहा, 'मैं अभी भी जवान हूं और शादी के लिए तैयार हूं।' यह सुनते ही पामेला हैरान रह गईं और शरमा गईं। अर्जुन ने शो की दूसरी कंटेस्टेंट आकांक्षा चमोला की तरफ इशारा करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'हमारी पसंद एक जैसी है।'

'लॉक अप' सीजन 2 के बारे में

इस बार इस रियलिटी शो 'लॉक अप' सीजन 2 को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इस सीजन में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव जैसे जाने-माने चेहरे नजर आ रहे हैं।

इस दूसरे सीजन में कुल 14 कंटेस्टेंट्स हैं, जो 6 हफ्तों तक लॉक-अप में रहेंगे। यहां रहने, खाने और सुविधाओं के लिए उन्हें टास्क जीतकर पैसे कमाने होते हैं। इस शो का पहला सीजन साल 2022 में आया था। पहले सीजन को कंगना रनौत ने होस्ट किया था। उसमें करण कुंद्रा जेलर बने थे और मशहूर कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी उस सीजन के विजेता रहे थे।

रकुल प्रीत सिंह ने स्वीकार किया #आपकी थाली में क्या है चैलेंज, फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' के जरिए फूड सेफ्टी पर बढ़ाई जागरूकता

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने # आपकी थाली में क्या है चैलेंज को स्वीकार करते हुए फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' से प्रेरित इस जागरूकता संदेश का हिस्सा बन गई हैं। काजल अग्रवाल द्वारा नॉमिनेट किए जाने के बाद रकुल ने सोशल मीडिया पर अपनी थाली की एक झलक साझा करते हुए लोगों से रोज़ाना खाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर ध्यान देने की अपील की है। अपने पोस्ट में रकुल ने काजल अग्रवाल का धन्यवाद करते हुए बताया कि उनकी थाली में साफ-सुथरा और संतुलित भोजन था, जो इस फिल्म के संदेश के अनुरूप है।

फिलहाल रकुल प्रीत सिंह ने इस चैलेंज को आगे बढ़ाते हुए जैकी भगनानी और तमन्ना भाटिया को नॉमिनेट किया है, जिससे यह महत्वपूर्ण बातचीत और अधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं, काजल अग्रवाल ने भी रकुल की स्टोरी को रीशेयर कर उनकी भागीदारी की सराहना करते हुए फिल्म के मूल संदेश को दोहराया है। # आपकी थाली में क्या है चैलेंज सोशल मीडिया पर लगातार लोकप्रिय हो रहा है। इस पहल के तहत लोगों को अपनी थाली की तस्वीर साझा करने के साथ-साथ भोजन की गुणवत्ता, खेती में कीटनाशकों के इस्तेमाल और फूड सेफ्टी जैसे अहम मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान लोगों को यह सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है कि उनका भोजन कहां से आता है और उनकी थाली तक पहुंचने से पहले उसकी गुणवत्ता कैसी होती है।

यह पहल फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की मूल थीम से जुड़ी हुई है, जो कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल वाली खेती और उसके जनस्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे गंभीर मुद्दे को उजागर करती है। फिल्म के जरिए इस चर्चा को सिनेमाघरों से निकालकर आम लोगों की रोजमर्रा की बातचीत का हिस्सा बनाने की कोशिश की जा रही है, जिससे उपभोक्ता अधिक जागरूक और सोच-समझकर निर्णय ले सकें।

ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत 'द इंडिया स्टोरी' में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। यह फिल्म 24 जुलाई, 2026 को हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। जैसे-जैसे अधिक हस्तियां # आपकी थाली में क्या है अभियान से जुड़ रही हैं, यह पहल फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ाने के साथ-साथ एक ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है, जो करोड़ों परिवारों के जीवन से जुड़ा हुआ है।

माहिरा शर्मा ने हाथ जोड़कर सबसे मांगी माफी, शेयर किया अजीब पोस्ट

एक्ट्रेस माहिरा शर्मा याद हैं? वह 'बिग बॉस' के अलावा कई टीवी सीरियलों और म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं। माहिरा पिछले करीब डेढ़ महीने से इंस्टाग्राम पर इनएक्टिव थीं, कोई पोस्ट या कमेंट तक नहीं किया था, लेकिन अब एक पोस्ट किया है, जिसने सनसनी मचा दी है। एक्ट्रेस के फैंस भी घबरा गए हैं। माहिरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने हाथ जोड़कर माफी मांगी है। माफी क्यों मांगी है और किस कारण ऐसा पोस्ट किया है, इस बारे में एक्ट्रेस ने कुछ नहीं बताया। इसीलिए फैंस टेंशन में आ गए हैं।

माहिरा शर्मा ने पोस्ट में बस दो शब्द लिखे हैं- माफ करना। और साथ में हाथ जोड़े हुए इमोजी बनाई है। इसी पोस्ट से फैंस का दिल दहल गया है और वो पूछ रहे हैं कि एक्ट्रेस ठीक तो हैं? वह किसी परेशानी में तो नहीं हैं?

यूजर्स को नहीं आया पसंद, माहिरा से बोले- लोग गलत समझेंगे

हालांकि, कई यूजर्स को यह पसंद नहीं आया और उन्होंने माहिरा से कहा कि वह इस तरह के पोस्ट वजह बताए बिना न करें नहीं तो लोग कुछ गलत भी समझ सकते हैं। वहीं, कुछ को लगा कि माहिरा कहीं जान तो नहीं देने जा रहीं? क्या उन्होंने कुछ ऐसा कर दिया है, जिसके कारण वह गलत कदम उठाने के बारे में सोच रही हैं। लेकिन कुछ का कहना है कि शायद यह माहिरा शर्मा का अगला प्रोजेक्ट हो सकता है।

फैंस भी घबराए, माहिरा का पूछ रहे हाल

एक यूजर ने लिखा, 'माहिरा, ऐसी चीजें पोस्ट मत करो, लोग सोचेंगे कि तुम कोई गलत कदम उठा रही हो।' एक और ने लिखा, 'माहिरा क्या हुआ? सब ठीक है? एक का कमेंट है, 'क्या हुआ? बॉयफ्रेंड का चक्कर है क्या है?' एक बोला, '29 मई के बाद कोई पोस्ट नहीं और अचानक माफ़ करना, क्या तुम ठीक हो?' वहीं, कुछ ने अंदाजा लगाया कि हो सकता है 'माफ करना' माहिरा के किसी आने वाले गाने या प्रोजेक्ट का टाइटल हो।

माहिरा शर्मा का करियर

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो माहिरा शर्मा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2017 में 'यारों का टशन' से की थी। इसके बाद वह एकता कपूर के 'नागिन 3', 'बेपनाह प्यार' और 'कुंडली भाग्य' जैसे पॉपुलर टीवी शो में नजर आईं। हालांकि, उन्हें पॉपुलैरिटी 'बिग बॉस 13' से मिली थी। इसमें वह फाइनलिस्ट रहीं और पारस छाबड़ा के साथ केमिस्ट्री काफी पसंद की गई।

टीवी के अलावा माहिरा ने पंजाबी सिनेमा में भी काफी काम किया है। उन्होंने पंजाबी फिल्म 'लेहंबरगिन्नी'में लीड रोल प्ले किया। फिर वह'रदुआ रिटर्न्स' और वेब सीरीज़ 'बजाओ' में नजर आईं। माहिरा ने 50 से ज्यादा म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है, जिनमें 'लहंगा', 'मेक्सिको कोका', 'गल करके', 'रंग लगया', 'नज़ारा', 'भाभी', 'कोका' और 'रिलेशन' जैसे पॉपुलर गाने शामिल हैं।

राज कुंद्रा के पंजाबी रंग में रंगीं शिल्पा शेट्टी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। शिल्पा जहां शेट्टी परिवार से ताल्लुक रखती हैं, वहीं राज कुंद्रा पंजाबी परिवार से हैं। समय के साथ शिल्पा पर पंजाबी संस्कृति का प्रभाव भी देखने को मिला है, जिसका जिक्र राज कुंद्रा ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के जरिए किया। राज कुंद्रा ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें शिल्पा ढोल की थाप पर मस्ती भरे अंदाज में भांगड़ा करती नजर आ रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब आप किसी शेट्टी परिवार में शादी करते हैं, तो धीरे-धीरे आपकी पंजाबी पहचान का असर उन पर भी दिखने लगता है। 'बांगड़ा' मछली से लेकर 'भांगड़ा' के डांस तक... मेरी आधी पंजाबी, शिल्पा। राज और शिल्पा अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ वीडियो और तस्वीरें साझा करते रहते हैं। राज की इस पोस्ट को भी प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी मूल रूप से कर्नाटक के मंगलुरु (मैंगलोर) के बंट समुदाय से हैं, जबकि राज कुंद्रा पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनका जन्म और पालन-पोषण लंदन (यूके) में हुआ।

दोनों की मुलाकात वर्ष 2007 में शिल्पा के परफ्यूम ब्रांड के लॉन्च के दौरान यूके में हुई थी। राज कुंद्रा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता को शुरुआत में एक अभिनेत्री से उनके रिश्ते पर आपत्ति थी, लेकिन शिल्पा से मिलने के बाद उनका नजरिया बदल गया।

शिल्पा और राज ने 22 नवंबर, 2009 को पारंपरिक रीति-रिवाजों से विवाह किया। विवाह समारोह में बंट समुदाय की परंपराओं के अनुसार मुख्य वैवाहिक रस्में निभाई गईं, जबकि संगीत और मेहंदी जैसे कार्यक्रमों में पंजाबी और उत्तर भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिली।शादी के दौरान शिल्पा ने डिजाइनर तरुण तहिलियानी की डिजाइन की हुई पारंपरिक लाल और सुनहरे रंग की कांजीवरम साड़ी पहनी थी, जिसकी कीमत मीडिया रिपोर्टों के अनुसार करीब 50 लाख रुपये बताई गई थी। वहीं, राज कुंद्रा ने डिजाइनर जोड़ी शांतनु और निखिल की डिजाइन की हुई पारंपरिक शेरवानी पहनी थी।

जब अर्चना पूरन सिंह के एक्टिंग में जाने के फैसले से टूट गया था टीचर्स का सपना

अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से इंग्लिश ऑनर्स की पढ़ाई पूरी करने के बाद मनोरंजन जगत में कदम रखा था। उन्होंने बताया कि वह स्कूल में टीचर की पसंदीदा छात्रा में से एक हुआ करती थी और शिक्षक चाहते थे कि वह सिविल सर्विस में जाएं। अभिनेत्री ने बताया कि क्लास में हमेशा अव्वल आने की वजह से शिक्षक उन्हें हमेशा सिविल सर्विस में जाने की सलाह दिया करते थे। उन्होंने बताया, मैं हमेशा क्लास में फर्स्ट आया करती थी और टीचर्स की फेवरेट रहा करती थी।

मेरे टीचर हमेशा मुझसे कहते थे कि तुम्हें आईएएस या फिर आईएफएस बनना चाहिए। उस समय, अगर कोई भी पढ़ाई में अच्छा होता था, तो लोग अपने आप मान लेते थे कि आप इन्हीं में से कोई एक करियर की राह चुनेंगे। मेरे टीचर भी मुझसे यही उम्मीद करते थे। अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्होंने अपने शिक्षकों से कहा था कि वे एक एक्टर बनना चाहती हैं और फिल्म इंडस्ट्री में चली गई हैं, तो उनके टीचर उनसे निराश हो गए थे। उन्होंने कहा, मेरे टीचर्स बस यह समझ नहीं पा रहे थे कि मैं उस भविष्य को क्यों छोड़ रही हूं जिसे वे बहुत अच्छा मानते थे। अजीब बात है, मैं टीचर की पसंदीदा भी थी और उनके लिए निराशा का कारण भी।

उन्होंने आगे कहा, अब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो यह काफी मजेदार लगता है। एक्टिंग ने मुझे प्यार, हंसी और ऐसे अनुभव दिए, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मुझे उम्मीद है कि अगर मेरे कोई भी टीचर आज मुझे देख रहे हैं, तो उन्हें पता होगा कि उनकी पसंदीदा स्टूडेंट ने अपना रास्ता खुद बनाया, और वह रास्ता सही साबित हुआ।

अभिनेत्री जल्द ही प्राइम वीडियो की कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में नजर आएंगी। 7 एपिसोड वाली यह सीरीज 24 जुलाई को रिलीज होगी। इसमें अर्चना पूरन सिंह एक बोल्ड व महत्वाकांक्षी टीचर 'उर्मिला देवी' का किरदार निभाती नजर आएंगी।

सीरीज की कहानी एक समस्याग्रस्त सरकारी स्कूल और उसके नए हेडमास्टर के चारों ओर घूमती है, जो स्कूल को सुधारकर कैम्ब्रिज जाने का मौका पाना चाहते हैं। इस शो में अर्चना पूरन सिंह के अलावा, के के मेनन, अभिमन्यु सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी और प्राची शाह भी अहम भूमिका में हैं।

'3 इडियट्स' सोनम वांगचुक पर आधारित नहीं थी यह एक गलतफहमीः आमिर खान

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने बताया कि 2009 की ब्लॉकबस्टर फिल्म ₹3 इडियट्स₹ में उनका किरदार 'फुंसुक वांगडू', शिक्षाविद और क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक पर आधारित नहीं है। आमिर लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल में बात कर रहे थे, तभी दर्शकों में से एक ने उनसे पूछा कि क्या '3 इडियट्स' के लिए सोनम वांगचुक प्रेरणा थे। आमिर ने जवाब दिया, नहीं, असल में ऐसा नहीं है। यह एक गलतफहमी है। जब वे फिल्म बना रहे थे, तब उन्हें सोनम के बारे में पता नहीं था।

उन्होंने कहा, मुझे पता है कि मैंने हाल ही में चतुर (ओमी वैद्य) का एक वीडियो देखा था, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि न तो राजू (राजकुमार हिरानी) और न ही अभिजात जोशी (लेखक) और न ही मुझे सोनम वांगचुक के बारे में पता था।

उन्होंने आगे कहा कि सोनम वांगचुक जो भी कर रहे हैं, वह हर हाल में अच्छा काम है।

आमिर खान ने कहा, हमें उनका सम्मान करने के लिए यह जरूरी नहीं है कि वे '3 इडियट्स' के किरदार पर आधारित हों, और इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बस असल बात के तौर पर मैं यह कहना चाहता था कि न तो राजू और न ही अभिजात... इस बारे में पहले कभी साफ तौर पर कुछ नहीं कहा गया। वह किरदार उन पर आधारित नहीं है।

जब आमिर से सोनम की भूख हड़ताल के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हम सभी उनकी सेहत और जिंदगी को लेकर बहुत चिंतित हैं। हम उम्मीद करते हैं कि सब कुछ ठीक हो जाए और हम सभी चाहते हैं कि वह अपना उपवास खत्म करें और अपनी सेहत का ध्यान रखें।

उल्लेखनीय है कि "3 इडियट्स" को राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि करीना कपूर, बोमन ईरानी, मोना सिंह और ओमी वैद्य ने सहायक भूमिकाएं निभाई हैं।

यह कहानी दो अलग-अलग समय-सीमाओं (एक वर्तमान में और दूसरी दस साल पहले) में चलती है। इसमें एक भारतीय इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन छात्रों की दोस्ती को दिखाया गया है।

थलपति विजय की आखिरी फिल्म जन नेता 30 से ज्यादा देशों और 8,000 स्क्रीन्स पर छाने को तैयार

अब काउंटडाउन शुरू हो चुका है! 23 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही 'जन नेता', जिसे 'जना नायकन' के नाम से भी जाना जाता है, अब सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक ग्लोबल सिनेमाई जश्न बन चुकी है। रिलीज में बस कुछ ही दिन बाकी हैं और फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट अपने चरम पर पहुंच चुकी है। दुनियाभर में लाखों फैंस उस ऐतिहासिक पल का इंतजार कर रहे हैं, जब थलपति विजय आखिरी बार बड़े पर्दे पर नजर आएंगे और भारतीय सिनेमा के अपने शानदार सफर को एक यादगार अंदाज में अलविदा कहेंगे। फिल्म की इस मेगा रिलीज और इससे जुड़ी भावनाओं पर बात करते हुए प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण ने खुलासा किया कि टीम कोई कसर नहीं छोड़ रही है, ताकि 'जन नेता' दुनियाभर में मौजूद हर थलपति विजय फैन तक पहुंच सके। प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण ने कहा, "हम फिल्म को बड़े पैमाने पर और 30 से ज्यादा देशों में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हमारा मकसद यही है कि दुनियाभर में जहां कहीं भी थलपति सर के फैंस और 'जन नेता' को देखने वाले दर्शक हैं, फिल्म उन सभी तक पहुंचे। हम लगातार थिएटर्स में और स्क्रीन्स जोड़ रहे हैं। फिलहाल भारत के अलावा लगभग सभी बड़े शहरों में फिल्म की मौजूदगी होगी और 30 से ज्यादा देशों में इसे एक बहुत बड़ी ग्लोबल रिलीज मिलने जा रही है। हम दुनियाभर में 7,000 से 8,000 से ज्यादा स्क्रीन्स पर फिल्म को रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं।"

इतने बड़े पैमाने पर होने जा रही यह वर्ल्डवाइड रिलीज फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज की कहानी खुद बयां करती है। 'जन नेता' भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी थिएट्रिकल रिलीज में से एक बनने की ओर बढ़ रही है। थिएटर मालिक लगातार फिल्म के लिए और स्क्रीन्स जोड़ रहे हैं और एडवांस बुकिंग से भी नए रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है।

ऐसे में 'जन नेता' सिर्फ एक फिल्म की रिलीज नहीं, बल्कि विजय के शानदार सिनेमाई सफर का एक ग्लोबल सेलिब्रेशन बनने जा रही है। एक्टर से मुख्यमंत्री बने विजय के साथ अपने सफर को याद करते हुए नारायण ने उन खूबियों के बारे में भी बात की, जिन्होंने उनके शानदार करियर के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन में भी उनकी एक अलग पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा, जहां तक मैं विजय सर को जानता हूं और जितना मैंने उनके साथ सफर किया है, उनका वैल्यू सिस्टम हमेशा से बेहद मजबूत रहा है। वह जो भी काम करते हैं, उसमें उनका प्रोफेशनलिज्म, कमिटमेंट और डेडिकेशन साफ नजर आता है। 'जन नेता' 23 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'मेरी जिंदगी पर फिल्म बनी तो कहानी दिलचस्प होगी' शहनाज गिल ने अपनी लव स्टोरी को लेकर कही बड़ी बात

पंजाबी इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक अपनी खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शहनाज गिल आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी मासूमियत, बेबाक अंदाज और मेहनत के दम पर उन्होंने लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई है। रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' से घर-घर में लोकप्रिय हुईं शहनाज अब फिल्मों में भी अपनी अलग पहचान बनाने में जुटी हुई हैं। वह अब अपनी आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' को लेकर चर्चा में हैं।

अपनी जिंदगी, प्रेम कहानी और एक कलाकार के तौर पर जिम्मेदारियों को लेकर खुलकर बात की है। शहनाज गिल ने कहा कि अगर कभी उनकी जिंदगी पर फिल्म बनाई जाती है तो वह कहानी बेहद दिलचस्प होगी। हालांकि, उन्होंने अभी से अपनी जिंदगी पर बनने वाली फिल्म का नाम बताने से इनकार कर दिया। अभिनेत्री का कहना है कि जब ऐसा मौका आएगा, तब वह खुद अपनी कहानी का टाइटल दुनिया के सामने बताएंगी। अगर उनकी जिंदगी की अपनी कोई 'इश्कनामा' यानी प्रेम कहानी हो, तो उसका टाइटल क्या होगा। इस सवाल पर अभिनेत्री ने कहा, ₹जब मेरी जिंदगी पर फिल्म बनेगी तो मुझे लगता है कि वह बहुत दिलचस्प होगी, और जब ऐसा होगा, तब मैं उसका टाइटल भी बताऊंगी।

फिल्म में अपने किरदार को लेकर शहनाज गिल ने कहा, "मुझे लगता है कि जब किसी सच्ची कहानी पर फिल्म बनाई जाती है तो जिम्मेदारी लेना बहुत जरूरी होता है। मैंने अपनी तरफ से इस जिम्मेदारी को पूरी क्षमता के साथ निभाने की कोशिश की है। मुझे विश्वास है कि मेरे किरदार को लोग जरूर पसंद करेंगे।"

फिल्म की बात करें, तो 'इश्कनामा' एक सच्ची प्रेम कहानी से प्रेरित बताई जा रही है, जिसमें निम्मा और नसीमा के रिश्ते को दिखाया गया है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

20 साल में पहली बार बाढ़ के हालात

शहर के हर इलाके में पानी भरा, निचले इलाकों में रेस्क्यू, कई इलाकों में ब्लैकआउट

बिलासपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 20 साल में पहली बार बाढ़ के हालात बने हैं। शहर के हर इलाके में पानी भर गया है। सरकंडा और चांटीडीह के नीचले इलाके में 40 से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया। कई जगह से ट्रांसफार्मर भी डूब गए है। जिससे ब्लैकआउट की स्थिति है। हालात को देखते हुए बिलासपुर जिले के स्कूलों में आज छुट्टी कर दी गई है।

दरअसल, बिलासपुर में गुरुवार दोपहर से लगातार बारिश हो रही है। रात में मूसलाधार बारिश ने पूरे शहर को तरबतर कर दिया। लगातार तेज बारिश के कारण कई प्रमुख सड़कों पर नाले का पानी बहने लगा, जबकि निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई।

रातभर हुई बारिश से शहर के कई मोहल्लों, कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर पानी भर गया। कई जगह सड़क और नाले का अंतर खत्म हो गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के अधिकांश हिस्सों में बिजली आपूर्ति ठप होने से पेयजल संकट भी गहरा गया है। कई ट्रांसफॉर्मर जलमग्न हो गए हैं।

कलेक्टर के बंगले में भी पानी भर गया है, जहां नगर निगम की टीम जल निकासी में जुटी हुई है। वहीं, निचले इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है। सरकंडा के बंधवापारा क्षेत्र में दो नावों के जरिए लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है।

नदी नालों में बने रपटा, निम्न तल की क्रासिंग जिसके ऊपर से पानी बह रहा है। उसमें से बिल्कुल क्रास न करें।

श्रीकांत वर्मा मार्ग, महाराणा प्रताप चौक एसबीआर कालेज लेन, गौरव पथ, ईदगाह चौक मार्ग, मस्तूरी मार्ग, भारती नगर मार्ग, आदि जगहों पर जल भराव की स्थिति है।

मुंगेली नाका मार्ग, सरकंडा मार्ग में भी कहीं कहीं जल भराव है। जब तक जल भराव कम न हो कृपया इन मार्गो से परहेज करें।

भारी बारिश के मद्देनजर जिला प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर ने राहत एवं बचाव के निर्देश दिए हैं।

पीएम मोदी बोले- आप सरकार की कर्ज पर मौज

कांग्रेस में कुर्सी का रोना-धोना, अकाली अपनी उलझन में, पंजाब में भाजपा ही बदलाव लाएगी

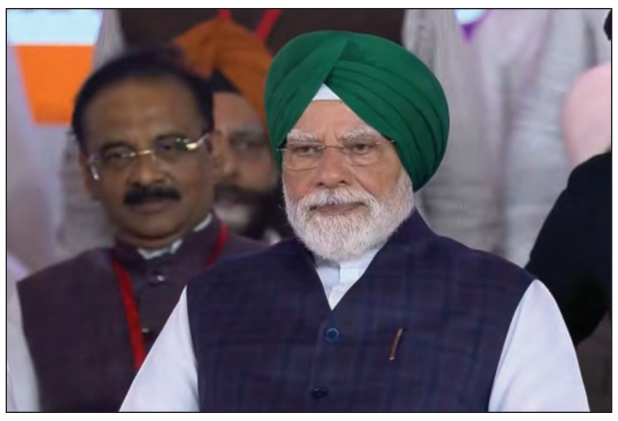

चंडीगढ़/जालंधर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (17 जुलाई) को जालंधर रैली में कहा- पंजाब में कट्टर बेईमान पार्टी (आप) की सरकार है। यहां की सरकार कर्ज पर मौज कर रही है। इस पार्टी ने किसानों और बहन-बेटियों के साथ धोखा किया है। लॉ एंड ऑर्डर के ये हालात हैं कि कब कहां गैंगवार हो जाए, कहां किस दिशा से गोलियां चलने लगें, कोई कह नहीं सकता। व्यापार-कारोबार करना मुश्किल हो चुका है। थानों पर अटैक हो रहे हैं।

पीएम ने कहा कि यहां कांग्रेस का भी अपना रोना धोना चल रहा है। इनका तो कुर्सी का किस्सा खत्म नहीं हो रहा है। अकाली दल का भी यही हाल है। उनकी अपनी उलझनें खत्म नहीं हो रही हैं। पंजाब में भाजपा ही असली बदलाव लाएगी। हरियाणा में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को रवाना करने के बाद पीएम पहले चंडीगढ़ पहुंचे। जहां उन्होंने 4700 करोड़ के प्रोजेक्टों का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में नए एमबीबीएस कॉलेज को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही वहां पढ़ाई शुरू होगी। यहां मंच पर चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी मौजूद रहे। प्रोजेक्टों के नींव पत्थर में विपक्षी सांसदों के साथ सीएम भगवंत मान का भी नाम रहा। हालांकि मान पीएम के साथ कहीं स्टेज पर नहीं आए।

इसके बाद जालंधर आकर 5470 करोड़ रुपए के प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। यहां वे संतों से भी मिले। उन्होंने सीर गोवर्धनपुर वाराणसी एक्सप्रेस (अमृतसर के छेहर्टा से वाराणसी तक) को हरी झंडी दिखाई। इसी ट्रेन में रविदासिया समाज के सबसे बड़े डेरे सचखंड बल्लां के मुखी संत निरंजन दास और स्कूली बच्चों से मिलकर बातचीत की।

रैली में पीएम किसान नेताओं की तरह हरी पगड़ी पहन पहुंचे। रैली में आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए विक्रमजीत साहनी, हरभजन सिंह व अशोक मित्तल पहली बार भाजपा की स्टेज पर आए। पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह नहीं पहुंचे।

तीन देशों के दौरे पर जाएंगी राष्ट्रपति मुर्मू: क्या है मकसद

यूरोप में भारत ने क्यों बढ़ाई सक्रियता?

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 से 25 जुलाई तक मोल्दोवा, उत्तरी मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा करेंगी। इस यात्रा का मकसद इन देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू की तीन देशों की यह यात्रा यूरोप के साथ भारत के व्यापक संबंधों और यूरोपीय संघ के साथ रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

पहली बार भारतीय राष्ट्रपति का दौरा

एमईए में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, तीन देशों की यह यात्रा ऐतिहासिक रूप से काफी अहम है, क्योंकि यह मोल्दोवा और उत्तरी मैसेडोनिया की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी, जो किसी भारतीय राष्ट्रपति की ओर से की जा रही है। उन्होंने कहा, रोमानिया की यात्रा भी तीन दशक से अधिक समय बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली राजकीय यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इससे पहले 1994 में भारतीय राष्ट्रपति ने रोमानिया का दौरा किया था।

जॉर्ज ने कहा, तीन देशों की यह यात्रा मध्य और पूर्वी यूरोप के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को दर्शाती है। यह इस क्षेत्र के देशों के साथ साझेदारी मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है। साथ ही यह यूरोप के साथ भारत के व्यापक संबंधों और यूरोपीय संघ के साथ रणनीतिक साझेदारी को भी आगे बढ़ाती है।

री-नीट रिजल्ट, छत्तीसगढ़ के शिप्रक और चार्वी स्टेट टॉपर

दोनों को 99 .99 पर्सेंटाइल, एआईआर 117 और 136 मिलीं, बोले- दूसरे एग्जाम जैसी ही परीक्षा थी

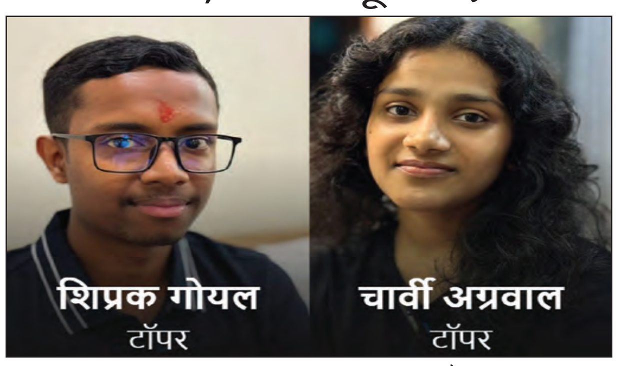

शिप्रक गोयल टॉपर

चार्वी अग्रवाल टॉपर

रायपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने री-नीट यूजी 2026 का रिजल्ट जारी कर दिया है। परीक्षा में छत्तीसगढ़ के रायपुर के शिप्रक गोयल और चार्वी अग्रवाल ने 99.99 परसेंटाइल हासिल किए हैं। दोनों को प्रदेश का संयुक्त स्टेट टॉपर घोषित किया गया है। शिप्रक गोयल ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 117 हासिल की है। वहीं, चार्वी अग्रवाल की ऑल इंडिया रैंक 136 रही।

दोनों अभ्यर्थी अनारक्षित (यूआर) श्रेणी से हैं। समान परसेंटाइल होने के बावजूद टाई-ब्रेकिंग नियमों के कारण दोनों की ऑल इंडिया रैंक अलग-अलग है। अब पढ़िए शिपराक गोयल ने टॉप करने के बाद क्या कुछ कहा?

शिप्रक गोयल ने बताया कि, मैंने छत्तीसगढ़ में एआईआर-117 और रैंक 1 हासिल की। मैं इस परीक्षा को किसी भी दूसरे नॉर्मल परीक्षा की तरह ही देखता हूं। अगर आप इसे कुछ बहुत खास समझते हैं, तो आप स्ट्रेस में आ जाएंगे और टेस्ट के दौरान गलतियां करेंगे।

जहां तक मेरे पढ़ाई के घंटों की बात है, तो दिन में 16 घंटे पढ़ाई करने की जरूरत या खुद को थका देने तक काम करना पूरी तरह से घिसी-पिटी बातें हैं। मेरा मानना है कि दिन में 8 से 10 घंटे पढ़ाई करना काफी है, बशर्ते आप इसे दो साल तक लगातार करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको कोई दिक्कत नहीं होगी।

नीट री-एग्जाम और पेपर लीक पर कहा कि, नीट री-एग्जाम देना बुरा था, लेकिन असलियत को मानना पड़ता है और काम पर वापस जाना पड़ता है। मुझे अपने परिवार और टीचरों से बहुत मोटिवेशन मिला, जो बहुत सपोर्टिव थे।

हमारे रेगुलर टेस्ट फिर से शुरू हो गए और दोस्तों से मिलने से मुझे अपनी एनर्जी वापस पाने में मदद मिली। डर जरूर था, लेकिन चिंता करने से कुछ नहीं होता। एग्जाम देना ही मेरे हाथ में है, आखिरी नतीजा भगवान पर है।

छत्तीसगढ़ में इस परीक्षा में करीब 45 हजार कैंडिडेट्स शामिल हुए थे। पूरे प्रदेश में 127 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जबकि रायपुर में 25 केंद्रों में परीक्षा हुई। एनटीए की गाइडलाइन के अनुसार कड़ी जांच के बाद स्टूडेंट्स को एंट्री दी गई थी।

पुरी रथयात्रा, तीनों रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे

अब तीनों देवता 9 दिन मौसी के घर रहेंगे, दूसरे दिन 9 लाख श्रद्धालु जुटे

पुरी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ शुक्रवार दोपहर गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। अब तीनों देवता 9 दिन अपनी मौसी के घर रहेंगे। इसके साथ ही रथयात्रा पूरी हुई। इसके पहले रथयात्रा शुक्रवार सुबह दूसरे दिन शुरू हुई। बह बारिश और उमस के बीच 9 लाख श्रद्धालु फिर से रथ खींचने के लिए ग्रैंड रोड पर जुटे। गुरुवार को पाहंडी अनुष्ठान में हुई देरी और अंधेरा होने के कारण तीनों रथ गुंडिचा मंदिर तक नहीं पहुंच सके थे। तीनों देवता रातभर अपने-अपने रथों पर ही विराजमान रहे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने बताया कि सभी अनुष्ठान समय पर हुए, लेकिन भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा मुख्य द्वार पर करीब 40 मिनट तक आगे नहीं बढ़ सकी।

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी

आईजीआईएमएस में इलाज के लिए पहुंचे आरजेडी सुप्रीमो

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत नासाज हो गई है। उन्हें इलाज के लिए आईजीआईएमस में लाया गया है। लालू यादव किडनी की बीमारी से ग्रसित हैं। लालू यादव का शुगर भी लगातार होता रहता है फलक्चुएट। डॉक्टर कर रहे लालू प्रसाद यादव का चेकअप। पूर्वी मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ लालू यादव इलाज के लिए पटना के आईजीआईएमएस पहुंचे हैं। फिलहाल डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है। अस्पताल लाने की वजह और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। लालू यादव के साथ बड़े बेटे तेज प्रताप यादव और राबड़ी देवी मौजूद हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें चक्कर आने के बाद इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है। चिकित्सकों की टीम पूरी जांच में जुटी है। उनके सेहत को लेकर चिकित्सकों की ओर से कोई जानकारी अभी मुहैया नहीं कराई गई है।

लालू यादव के साथ बड़े बेटे तेज प्रताप यादव और राबड़ी देवी मौजूद हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें चक्कर आने के बाद इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है। चिकित्सकों की टीम पूरी जांच में जुटी है। उनके सेहत को लेकर चिकित्सकों की ओर से कोई जानकारी अभी मुहैया नहीं कराई गई है।

लालू यादव को किडनी की समस्या है। उन्हें हार्ट की भी बीमारी है। उनका प्रोस्टेट बढ़ने की भी समस्या है। उन्हें यूरिक एसिड को लेकर समस्या है। शुगर से संबंधित समस्या है। उन्हें रक्तचाप की भी बीमारी है। थैलेसीमिया नाम की एक बीमारी से भी वे ग्रसित हैं। आंखों में परेशानी रहती है। ब्रेन से संबंधित बीमारी की दवा भी वे खाते हैं।

ध्यान रहे कि लालू प्रसाद यादव पोस्ट ट्रांसप्लांट के रूटीन मेडिकल चेकअप के लिए 2 महीने पहले सिंगापुर गए थे। उन्हें कोर्ट की ओर से इलाज के लिए विदेश यात्रा की अनुमति मिली थी। जानकारी के मुताबिक लालू यादव को हर तीन महीने पर रुटीन चेकअप के लिए डॉक्टर से मिलना जरूरी होता है।

12 साल के बच्चे को मगरमच्छ जिंदा खा गया

पैर जबड़े में दबाकर खींच ले गया, बच्चा तड़पता रहा...चाचा चिल्लाते रह गए

बहराइच, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच से रोंगटे खड़े करने वाली घटना सामने आई है। यहां मगरमच्छ 12 साल के बच्चे को जिंदा खा गया। धान की रोपाई करने के बाद बच्चा नदी में हाथ-पैर धोने गया था, तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। उसे जबड़े में दबोच लिया। बच्चे ने खुद को छुड़ाने के लिए हाथ-पैर मारे।

उसके चाचा और ग्रामीणों ने भी ईंट-पत्थर फेंककर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे छोड़ा नहीं। उसने दो-तीन बार बच्चे को उछालकर पानी में पटका, फिर गहरे पानी में खींच ले गया। देखते ही देखते बच्चे के आधे शरीर को निगल लिया। 5 घंटे बाद ग्रामीणों ने बच्चे का शव बरामद किया।

घटना गुरुवार शाम की है। लेकिन इसका वीडियो शुक्रवार सुबह सामने आया। थाना प्रभारी टीएन मौर्या ने घटना और वीडियो की पुष्टि की है। वन रेंजर साकिब अंसारी ने बताया- मगरमच्छ बच्चे का दाहिना पैर और कमर के नीचे का हिस्सा खा गया। मामला जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर बौंडी थाना क्षेत्र का है।

सुनील टिकुरी गांव का रहने वाला था। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। पिता बुधराज की 5 साल पहले, जबकि मां की 7 साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। चार भाई-बहनों में सुनील दूसरे नंबर पर था।

उससे बड़ी बहन सुमन (14), छोटा भाई संजय (10) और सबसे छोटी बहन सीमा (7) है। तीनों भाई-बहन गांव के प्राथमिक स्कूल में पढ़ते हैं, जबकि सुनील पढ़ाई छोड़ चुका था। माता-पिता के निधन के बाद वह अपने चाचा विजय राज सिंह के साथ रहता था। गांव वालों ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे सुनील अपने चाचा विजय राज सिंह के साथ खेत में धान की रोपाई करने गया था। 3-4 घंटे तक रोपाई करने के बाद देर शाम दोनों खेत से लौटते समय घाघरा नदी में हाथ-पैर धोने लगे। इसी दौरान अचानक नदी से मगरमच्छ निकला और सुनील पर अटैक कर दिया। यह देखकर उसके चाचा घबरा गए। शोर मचाकर उसे बचाने की कोशिश की। दौड़कर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों को बुलाया। ग्रामीणों ने बच्चे को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे नहीं छोड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में नदी किनारे पहुंच गए।

बारिश से बस्तियां डूबीं, घरों में घुसा पानी

विधायक पूर्णिमा साहू ने उपायुक्त से मिलकर समाधान की मांग की

जमशेदपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में शुक्रवार को हुई कुछ घंटों की तेज बारिश से शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खुल गई। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के पटेल नगर और टीचर्स कॉलोनी सहित कई इलाकों में 200 से अधिक घरों में गंदा पानी घुस गया। इससे लोगों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, बारिश से पहले बड़े नालों और जल निकासी मार्गों की उचित सफाई नहीं की गई थी। नालियों में जमा गाद और कचरे के कारण पानी की निकासी बाधित हो गई, जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं। गंदा पानी घरों में घुसने से फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, राशन और कपड़ों सहित घरेलू उपयोग की वस्तुएं खराब हो गईं। कई परिवारों को घरों से पानी निकालने में परेशानी हुई।

जलभराव के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। गलियों और सड़कों पर पानी भरने से लोगों का आवागमन बाधित हो गया, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष कठिनाई हुई। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि हर साल बारिश में ऐसी ही स्थिति उत्पन्न होती है, लेकिन नगर निगम स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाता। इस घटना से नाराज लोगों ने नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने, नालों की तत्काल सफाई कराने और जल निकासी व्यवस्था को स्थायी रूप से सुधारने की मांग की। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे नगर निगम के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेंगे।

टिकट न मिलने पर भी देना होगा रेल हादसे का मुआवजा

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रेन हादसे में मारे गए किसी यात्री के पास टिकट न मिलना, उसके परिवार को मुआवजा देने से इनकार करने का आधार नहीं हो सकता। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल (आरसीटी) और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के पुराने आदेशों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने साल 2015 में चलती ट्रेन से गिरकर जान गंवाने वाले एक व्यक्ति की पत्नी लता को 8 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

इससे पहले ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट ने महिला के दावे को यह कहकर खारिज कर दिया था कि हादसे के बाद उनके पति के पास टिकट नहीं मिला था। इसलिए उन्हें वैध यात्री नहीं माना गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए कहा कि रेलवे कानून एक कल्याणकारी कानून है और इसकी व्याख्या उदार होनी चाहिए, न कि संकीर्ण।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि रेलवे कानून की धारा 124ए 'बिना गलती के जिम्मेदारी' (नो-फॉल्ट लायबिलिटी) के सिद्धांत पर काम करती है। इसका उद्देश्य हादसे के शिकार लोगों को बिना किसी लापरवाही के सबूत के जल्द मुआवजा देना है। कोर्ट ने कहा कि केवल टिकट न मिलने से किसी यात्री का दर्जा अवैध नहीं हो जाता। दावेदार शुरुआत में एक हलफनामे (एफिडेविट) के जरिए अपनी बात रख सकता है। इसके बाद दावे को गलत साबित करने की जिम्मेदारी रेलवे की होती है।

बिहार के साथ ही झारखंड में भी कर रहा था सरकारी नौकरी

औरंगाबाद डीएम अभिलाषा शर्मा ने पकड़ा लिपिक का खेल

औरंगाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के औरंगाबाद में एक सरकारीकर्मी को एक ही अवधि में बिहार-झारखंड के दो भिन्न संस्थानों में सरकारी नौकरी करते हुए दोनों स्थानों से वेतन लेने का मामला उजागर होने के बाद जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने शुक्रवार को आरोपी लिपिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जिलाधिकारी ने बताया कि यहां के सिविल सर्जन कार्यालय में कार्यरत लिपिक कृष्ण प्रसाद वर्मा को एक ही अवधि में बिहार-झारखंड में दो भिन्न संस्थानों में कार्यरत रहकर वेतन प्राप्त करने तथा बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के नियम-16 के उल्लंघन का आरोप प्रथमदृष्टया प्रमाणित होने के बाद तत्काल प्रभाव से निलंबित कर ने दिया गया है।

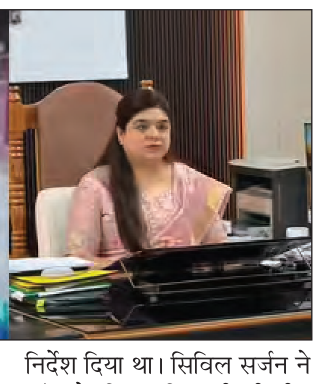

मामले में औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने लिपिक कृष्ण प्रसाद वर्मा के विरुद्ध दो स्थानों पर सरकारी सेवा करते हुए वेतन प्राप्त करने एवं सेवा संबंधी अनियमितता बरते जाने की शिकायत जिलाधिकारी से की थी। शिकायत के बाद जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। सिविल सर्जन ने जांच के लिए गठित की थी तीन सदस्यीय कमिटी-डीएम के निर्देश के आलोक में सिविल सर्जन ने त्रि-सदस्यीय जांच समिति का गठन किया था। जांच समिति द्वारा उपलब्ध कराए गए सेवा अभिलेखों, सेवा पुस्तिका, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (पूर्वी झरिया क्षेत्र) से प्राप्त प्रमाणित अभिलेखों तथा अन्य संबंधित दस्तावेजों के परीक्षण के बाद प्रतिवेदित किया कि उपलब्ध अभिलेखों में विरोधाभास परिलक्षित होता है तथा संबंधित कर्मी द्वारा एक ही अवधि में दो संस्थानों से वेतन प्राप्त किया जाना प्रतीत होता है।

जांच रिपोर्ट में आया कि कृष्ण प्रसाद वर्मा 06 जुलाई, 2005 से सिविल सर्जन कार्यालय, औरंगाबाद में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं तथा नियमित रूप से वेतन प्राप्त कर रहे हैं। वहीं भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, पूर्वी झरिया क्षेत्र से प्राप्त अभिलेखों के अनुसार वे वहां 24 नवंबर 2008 से 12 मार्च, 2017 तक जूनियर ओवरमैन के पद पर कार्यरत रहे है तथा उक्त अवधि में वहां से भी वेतन प्राप्त किया है।

बद्रीनाथ मंदिर दान मामले में एक और गिरफ्तारी

देहरादून, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बद्रीनाथ मंदिर के दान मामले में एसआईटी ने मंदिर के ही एक पूर्व अधिकारी राजेंद्र चौहान को गिरफ्तार किया है। एसआईटी ने उनसे चार घंटे पूछताछ की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा कि एसआईटी ने उनकी गिरफ्तारी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की है। इससे पहले एसआईटी ने बद्रीनाथ-केदारनाथ समिति के अध्यक्ष के निजी सचिव प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार किया था।

राजेंद्र चौहान को एसआईटी 18 जुलाई को कोर्ट में पेश करेगी। राजेंद्र चौहान 30 जून को बद्रीनाथ मंदिर परिसर से रिटायर हुए थे। एसआईटी ने जांच के दौरान 22 जून की सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध गतिविधि देखी थी।

मर्डर के बाद लाश से रेप, फिर किए टुकड़े-टुकड़े

50 साल की महिला की हत्या, आरी से हांथ-पांव काटे, गठरी में बांधकर नदी में फेंका

बेमेतरा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के चंदनू थाना क्षेत्र में 6 जुलाई को दुकलिहिन बाई बंजारे (50) की निर्मम हत्या कर दी गई। उसके साथ उसी के गांव के 42 साल के रामप्रसाद सोनवानी ने पहले रेप की कोशिश की, विरोध करने पर मर्डर किया, फिर उसके लाश के साथ रेप किया, बाद में शव के टुकड़े-टुकड़े कर शिवनाथ नदी में फेंक दिया।

आरोपी गिरफ्तार हो चुका है और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी हत्या के मामले में पहले भी जेल गया है। एसपी त्रिलोक बंसल ने बताया कि मृतका 7 जुलाई को अपने घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद चंदनू थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। 9 जुलाई को मृतका के बेटे गोवर्धन बंजारे को अमरैया नाला और शिवनाथ नदी किनारे पानी में साड़ी में बंधी एक गठरी मिली। गठरी खोलने पर मां का धड़ मिला, जबकि दूसरी गठरी में कटे हुए हाथ और पैर थे। शव सड़ी-गली अवस्था में था।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी रामप्रसाद सोनवानी 6 जुलाई की रात करीब 10 बजे महिला दुकलिहिन बाई के घर पहुंचा। महिला घर में अकेली थी। आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की, जिसका महिला ने विरोध किया। विरोध करने पर आरोपी ने फावड़े के बेंत से महिला के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी ने शव के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसने घर में रखी लकड़ी काटने वाली आरी से शव के दोनों हाथ और दोनों पैर काट दिए। शव के इन हिस्सों को अलग-अलग गठरियों में बांधकर आरोपी ने अपनी झोपड़ी में रखा। अगली रात उसने इन गठरियों को शिवनाथ नदी के पास फेंक दिया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने मृतका के घर में रखे झोले से 2500 रुपए भी निकाल लिए थे। पूछताछ में उसने बताया कि 2000 रुपए खर्च कर दिए, जबकि 500 रुपए पुलिस ने उसके कब्जे से बरामद किए हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज शेयर में मुकेश अंबानी के 'मास्टरस्ट्रोक' से बंपर तेजी आने की संभावना, 9000 करोड़ का है बड़ा दांव

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के प्रमोटर ग्रुप ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान बाज़ार से शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी में लगभग 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इसे देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के प्रति उनकी लंबी अवधि की प्रतिबद्धता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। रेगुलेटरी शेयरहोल्डिंग डेटा के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही के आखिर में प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप की हिस्सेदारी बढ़कर 50.48 प्रतिशत हो गई, जो तीन महीने पहले (जनवरी-मार्च) लगभग 50 प्रतिशत थी। यह हिस्सेदारी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के 'क्रीपिंग एक्विजिशन' नियमों के तहत तय सीमा के भीतर बढ़ाई गई थी। इन नियमों के तहत, प्रमोटर तय सीमा के अंदर रहते हुए बिना अनिवार्य ओपन ऑफर लाए धीरे-धीरे अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकते हैं। मार्केट एनालिस्ट का अनुमान है कि प्रमोटर ग्रुप ने इन शेयरों की खरीद पर 8,500 करोड़ से 9,000 करोड़ के बीच खर्च किए होंगे।

ईशा, आकाश और अनंत सबके पास 1.61 करोड़ शेयर

कंपनी के लेटेस्ट शेयरहोल्डिंग डेटा के अनुसार, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी, उनकी पत्नी और उनके तीनों बच्चों ईशा, आकाश और अनंत में से हर एक के पास कंपनी के 1.61 करोड़ शेयर हैं। इसका मतलब है कि उनमें से हर एक की हिस्सेदारी 0.12 प्रतिशत है। उनकी मां, के.डी. अंबानी के पास 3.14 करोड़ शेयर हैं, जो 0.24 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। बाकी शेयर प्रमोटर ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों के पास हैं; इनमें से श्रीचक्र कमर्शियल्स एलएलपी के पास सबसे ज़्यादा, यानी 10.93 प्रतिशत हिस्सेदारी है। देवर्षि देवरर्षि कमर्शियल्स एलएलपी, करुणा कमर्शियल एलएलपी और तत्त्वम एंटरप्राइजेज

एलएलपी में से हर एक के पास 8.06 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब रिलायंस अपने रिटेल, डिजिटल, नई ऊर्जा और कंज्यूमर बिज़नेस में बड़े निवेश कर रही है और साथ ही लंबे समय के विकास के मौकों पर ध्यान दे रही है।

प्रमोटर की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी मैनेजमेंट के भरोसे का संकेत

आम तौर पर, प्रमोटर की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी को कंपनी के भविष्य को लेकर मैनेजमेंट के भरोसे का संकेत माना जाता है। उनका मानना है कि इस बढ़ोतरी का कंपनी के कामकाज पर तुरंत कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है, लेकिन निवेशक इसे एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देख सकते हैं। यह संकेत प्रमोटरों का रिलायंस की कमाई में बढ़ोतरी और भविष्य में पूंजी के बंटवारे की योजनाओं पर भरोसा दिखाता है। जानकारों के मुताबिक, यह कदम रिलायंस की लंबी अवधि की ग्रोथ की संभावनाओं में प्रमोटरों का भरोसा दिखाता है।

इसे माइनॉरिटी इन्वेस्टर्स के लिए भी सकारात्मक रूप से देखा जा रहा है, क्योंकि प्रमोटरों द्वारा शेयर की खरीद को आम तौर पर कंपनी में उनके भरोसे का संकेत माना जाता है।

चीन ने रोके 'रेयर अर्थ' मिनरल्स तो दुनिया को होगा 6.5 ट्रिलियन डालर का नुकसान, बचने का क्या है प्लान?

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने रेयर अर्थ और जरूरी खनिजों पर अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि अगर चीन के रेयर अर्थ एक्सपोर्ट पर लगी पाबंदियां पूरी तरह लागू होती हैं, तो हर साल देश के बाहर 6.5 ट्रिलियन डॉलर का डाउनस्ट्रीम प्रोडक्शन खतरे में पड़ सकता है।

इन कमियों को दूर करने के लिए, रिपोर्ट में कहा गया है कि देशों को 11 हाई-रिस्क मटीरियल का स्टॉक बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। एजेंसी ने कहा कि इसके लिए शुरुआती तौर पर 9.2 बिलियन डॉलर की खरीदारी करनी होगी और सालाना नेट खर्च 900 मिलियन डॉलर आएगा। एजेंसी ने कहा कि हालांकि ये आंकड़े काफी बड़े हैं, लेकिन सप्लाई में रुकावट से होने वाले संभावित असर के मुकाबले ये बहुत छोटे साबित होंगे। आईईए ने कहा कि चीन, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और जिम्बाब्वे जैसे देशों की ओर से एक्सपोर्ट पर लगाई गई पाबंदियों ने सप्लाई चेन के एक ही जगह पर केंद्रित होने के जोखिम को हकीकत में बदल दिया है। आईईए के डायरेक्टर फतिह बिरोल ने एक प्रेस रिलीज में कहा, बहुत अधिक आर्थिक मूल्य, अहम खनिजों की अपेक्षाकृत कम मात्रा पर निर्भर करता है। इनकी सप्लाई चेन बहुत अधिक केंद्रित हैं और इसलिए ये जोखिम में हैं। हालांकि अलग-अलग जगहों से सप्लाई लेने पर अधिक लागत आ सकती है, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितता के समय में इसे 'मिनरल सिक्योरिटी प्रीमियम' यानी सप्लाई से जुड़े बड़े जोखिमों के ख़िलाफ़ एक तरह का आर्थिक बीमा माना जा सकता है। पिछले साल अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर में 'रेयर अर्थ' (दुर्लभ खनिज) एक अहम मुद्दा बन गए थे। बीजिंग ने इनके एक्सपोर्ट पर पाबंदियां लगा दी थीं, जिससे सैटेलाइट से लेकर स्मार्टफोन तक बनाने वाली कंपनियां परेशान हो गई थीं। हालांकि दुनिया भर में कंपनियों के लिए इनकी लागत कुल प्रोडक्शन कॉस्ट का एक छोटा सा हिस्सा ही होती है, लेकिन इनकी कीमतों में अचानक उछाल से मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेड में रुकावट आ सकती है।

सोना आज 415 सस्ता हुआ, इस हफ्ते 2,104 रुपए गिरा

चांदी 797 गिरी, सात दिन में 3,753 की गिरावट

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में 17 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 415 रुपए गिरकर 1,41,264 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 16 जुलाई को यह 1,41,679 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी 797 रुपए घटकर 2,16,637 रुपए पर आ गई है, जो गुरुवार को 2,17,434 लाख रुपए पर थी। सोना के दाम इस हफ्ते 2,104 रुपए और चांदी के दाम 3,753 रुपए गिरे हैं। 10 जुलाई को सोना 1,43,368 10 ग्राम और चांदी 2,20,390 किलो थी।

ऑल टाइम हाई से 1.69 लाख रुपए गिरी चांदी

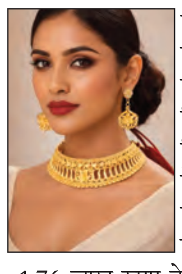

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 34,857 रुपए सस्ता हो चुका है।वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 169 दिन में चांदी 1,69,296 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

रिलायंस के रिजल्ट से शेयर बाजार बमबम

सेंसेक्स 965 अंक उछला, टेक महिंद्रा और कोटक में तेजी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज आज पहली तिमाही का रिजल्ट जारी करेगी। उससे पहले शेयर बाजार में काफी तेजी रही। कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स में 1,100 अंक से अधिक तेजी आई जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी करीब 300 अंक उछला। अंत में सेंसेक्स 964.58 अंक यानी 1.25% तेजी के साथ 78,151.45 अंक पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी भी 261.55 अंक यानी 1.09% ऊपर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ। रिलायंस का शेयर बीएसई पर 2.59% तेजी के साथ 1326.50 रुपये पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। टेक महिंद्रा में सबसे ज्यादा 3.88 फीसदी तेजी रही। इसके अलावा कोटक महिंद्रा, टीसीएस, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस में भी उल्लेखनीय तेजी रही। दूसरी ओर, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो और एनटीपीसी में गिरावट रही।

कच्चे तेल की कीमत

सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी प्राइवेट बैंक सबसे ज्यादा बढ़त वाला इंडेक्स रहा। इसमें 2.12% की तेजी आई। निफ्टी आईटी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में क्रमशः 1.75%, 1.24% और 1.34% की बढ़त दर्ज की गई।

इस बीच शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। ब्रेंट क्रूड अभी 1.63 फीसदी तेजी के साथ 85.60 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। अमेरिका ने लगातार छठी रात ईरान पर हवाई हमले किए और बंदर अब्बास समेत अहम लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक बंदरगाहों को निशाना बनाया। इसके जवाब में ईरान ने भी पड़ोसी देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागी और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह बंद करने की धमकी दी है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारभ समय
सूर्य	कर्क	मे	कर्क--- 05-48 बजे
चंद्र	सिंह	मे	सिंह--- 08-01 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-- 10-08 बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला----12-13 बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक--14-22 बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु---- 16-36 बजे
शनि	मीन	मे	मकर-- 18-42 बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ--- 20-33 बजे
केतु	सिंह	मे	मीन--- 22-12 बजे
			मेष---- 23-48 बजे
			वृष----- 01-32 बजे
			मिथुन-- 03-36 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय 05-53
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. 18 -50
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष शनिवार **18 July 2026**
तिथि - पंचमी **03-43** रात तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी **18-00** तक उप उ.फाल्गुनी
योग - वरियान **20-45** तक उप परिघ
करण - बव **16-07** तक उप बालव

विशेष: गुरु तारा

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-07 से 10-45 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05-53 - 07-30	अशुभ	लाभ	18-50 - 20-15	शुभ
शुभ	07-30 - 09-07	शुभ	उत्पात	20-15 - 21-38	अशुभ
रोग।।	09-07 - 10-45	अशुभ	शुभ	21-38 - 23-00	शुभ
उत्पात	10-45 - 12-22	अशुभ	अमृत	23-00 - 00-23	शुभ
चंचल	12-22 - 13-59	शुभ	चंचल	00-23 - 01-45	शुभ
लाभ	13-59 - 15-37	शुभ	रोग	01-45 - 03-08	अशुभ
अमृत	15-37 - 17-15	शुभ	काल	03-08 - 04-30	अशुभ
काल	17-15 - 18-50	अशुभ	लाभ	04-30 - 05-53	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है ।आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज अनुशासन अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

गेहूं एक महीने में 8 फीसदी महंगा, बढ़ सकती है खाद्य तेल की कीमतें; बिगड़ रहा रसोई का बजट

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन से ठीक पहले रसोई का बजट फिर बिगड़ सकता है। घरेलू बाजार में पिछले एक माह में गेहूं की कीमतें 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुकी हैं। खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी आने की पूरी आशंका है। काले सागर में आपूर्ति के बढ़ते जोखिमों के कारण शिकागो गेहूं वायदा पिछले सत्र में 5 फीसदी उछलने के बाद दो महीने के उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गया है। यूक्रेन के बंदरगाह पर हुए हमलों से गेहूं निर्यात प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर, अजोव सागर और केर्च जलडमरूमध्य में प्रतिबंध से रूस का गेहूं निर्यात भी मुश्किल में आ गया है। इन व्यवधानों ने वैश्विक गेहूं बाजारों में एक जोखिम प्रीमियम जोड़ दिया है। गेहूं की वैश्विक कीमतों में आए इस उछाल का असर भारतीय बाजार पर भी हुआ है। इस दौरान इंदौर मंडी में गेहूं के दाम सबसे अधिक 8.44 फीसदी तक बढ़े हैं। दिल्ली, कानपुर और कोटा जैसी प्रमुख मंडियों में कीमतें औसतन 3.5-4 फीसदी के बीच बढ़ी हैं।

गेहूं उत्पादन हो सकता है प्रभावित

गेहूं उत्पादन का परिदृश्य प्रतिकूल मौसम की स्थिति के प्रति संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि पैदावार एवं अनाज की गुणवत्ता के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं। मौसम में हालिया व्यवधानों के कारण व्यापारियों ने अगले रबी सीजन के उत्पादन पूर्वानुमान को 11.35 करोड़ टन से घटाकर 11.40 करोड़ टन कर दिया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में अधिक उत्पादन के बावजूद शुरुआती उम्मीदों से कम है।

खाद्य तेलों में तेजी के चार कारण

इस साल सोयाबीन की खेती 6 फीसदी तक कम रहने की आशंका है। 15 दिनों में

बारिश में सुधार नहीं हुआ, तो प्रति हेक्टेयर उत्पादन भी 5 से 7 फीसदी घट सकता है। वैश्विक बाजारों में पाम तेल की उपलब्धता में कमी और घरेलू बाजार में सरसों व सोयाबीन के पर्याप्त स्टॉक के चलते भारत ने आयात कम किया है, जिससे आने वाले समय में घरेलू स्टॉक पर दबाव बढ़ेगा। एफएमसीजी कंपनियों और स्टॉकिस्टों की मांग थोड़ी सुस्त जरूर है। लेकिन, अगस्त के पहले पखवाड़े से बाजार में रिकवरी आएगी और दिवाली तक त्योहारी मांग चरम पर होगी। यह मांग कीमतों को और ऊपर धकेलेगी। वैश्विक स्तर पर बायोफ्यूल में पाम तेल का इस्तेमाल बढ़ने से सोया तेल और सूरजमुखी तेल महंगा हुआ है। रुपये की कमजोरी ने रिफाइनर्स के लिए आयात लागत बढ़ा दिया है।

कितने बढ़ सकते हैं खाद्य तेल के दाम?

विशेषज्ञों के मुताबिक, कीमतों में अचानक कोई बड़ा विस्फोट भले न हो, लेकिन आने वाले दिनों में कीमतों में तेजी बनी रहेगी। सूरजमुखी तेल 1,580 से 1,600 प्रति क्विंटल के स्तर पर बनी रहेगी। यानी इसके दाम 160 रुपये प्रति लीटर से ऊपर बने रहने के आसार है। सोयाबीन तेल का दाम 1,420 रुपये के मजबूत स्तर पर बरकरार रहने की उम्मीद है, जिससे इसमें मंदी की गुंजाइश खत्म हो गई है। पाम तेल काफी अच्छे डिस्काउंट पर आ चुका है, इसलिए 1,340 से 1,350 के स्तर पर इसमें तगड़ी खरीदारी लौटती दिख रही है।

आरबीआई गवर्नर की बड़ी चेतावनी

मजबूत है देश की अर्थव्यवस्था, पर इन 2 वजहों से बढ़ सकती है आफत

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी तनाव के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मानसून कमजोर रहा या वैश्विक हालात और बिगड़े, तो इसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

दूरदर्शन को दिए एक इंटरव्यू में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव के कारण दुनिया भर में अनिश्चितता बढ़ी है। इसके चलते अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है और कई देशों की मुद्राएं कमजोर हुई हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में भारतीय रुपया अपेक्षाकृत स्थिर रहा है और इसकी स्थिति सामान्य मानी जा सकती है।

यहां से मिल रही अर्थव्यवस्था को मजबूती

आरबीआई गवर्नर ने बताया कि भारत का सेवा निर्यात, विदेशों में रहने वाले भारतीयों से आने वाला पैसा (रेमिटेंस), रिकॉर्ड विदेशी निवेश और नए व्यापार समझौते देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। इससे भारत का बाहरी क्षेत्र मजबूत रहेगा और निर्यात को भी फायदा मिलेगा।

गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि सरकार ने विदेशी निवेशकों के लिए सरकारी बॉन्ड में निवेश आसान बनाया है। इसके अलावा ब्रिटेन के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ तथा अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ताएं भी भारत के भुगतान संतुलन को मजबूत करेंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। इसलिए सरकार और आरबीआई को हालात पर नजर रखते हुए सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। संजय मल्होत्रा ने कहा कि फिलहाल देश में महंगाई करीब 4% के आसपास है। हाल के महीनों में कीमतों में बढ़ोतरी मुख्य रूप से सप्लाई से जुड़ी समस्याओं के कारण हुई है। आरबीआई ने इस साल अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) 5.25% पर स्थिर रखी है, ताकि आर्थिक विकास और महंगाई के बीच संतुलन बना रहे।

जून में महंगाई 4.38% रही

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में खुदरा महंगाई 4.38% रही। यह आरबीआई के तय 2% से 6% के लक्ष्य दायरे के भीतर है, जिसका मध्य बिंदु 4% है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए महंगाई का अनुमान बढ़ाकर 5.1% कर दिया है। पहले यह अनुमान 4.6% था। केंद्रीय बैंक का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक सप्लाई चेन और कमोडिटी कीमतों पर असर पड़ सकता है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा है। अब बाजार की नजर आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक पर है, जो 3 से 5 अगस्त के बीच होगी। इस बैठक में मौजूदा आर्थिक हालात को देखते हुए ब्याज दरों पर फैसला लिया जाएगा।

50% कर्मचारी सिर्फ 10 से 20 हजार रुपए के साथ हो रहे रिटायर, ईपीएफओ ने बताया पीएफ खातों का सच

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत हर कर्मचारी का एक पीएफ अकाउंट होता है। जिसमें उस कर्मचारी के भविष्य और जरूरतों के लिए फंड इकट्ठा होता है। लेकिन इस अकाउंट को लेकर कई लोगों के बीच अवेयरनेस की कमी है। जिसके चलते हाल ही में खुलासा हुआ है कि करीब 50 प्रतिशत कर्मचारी रिटायरमेंट के समय महज 10 या 20 हजार रुपये बैलेंस के साथ रिटायर हो रहे हैं। जिसे देखते हुए अब संगठन ने एक नया फैसला किया है।

ईपीएफओ का नया फैसला

दरअसल ईपीएफओ ने बताया है कि नए ईपीएफ स्कीम 2026 में पीएफ खाते में कुल जमा राशि का कम से कम 25% हिस्सा बनाए रखना जरूरी होगा। बिजनेस स्टैंडर्ड के भेजे गए मेल पर रिप्लाय करते हुए ईपीएफओ ने ये भी बताया कि करीब 48.7 प्रतिशत कर्मचारियों के पीएफ खाते में आखिरी भुगतान के समय सिर्फ 10,000 से 20,000 रुपये ही बचते थे। इससे रिटायरमेंट के बाद आर्थिक सुरक्षा कमजोर हो जाती थी।

ईपीएफओ का ये भी कहना है कि अगर कोई कर्मचारी 20 साल तक हर महीने

15,000 रुपये की सैलरी पर नौकरी करता है, तो उसके पीएफ खाते में करीब 14 लाख रुपये जमा हो सकते हैं। अगर वो बीच में 75% राशि निकाल भी ले, तब भी उसके खाते में करीब 3.5 लाख रुपये बचेंगे। इससे रिटायरमेंट के समय पहले की तुलना में 7 से 35 गुना ज्यादा बचत हो सकती है।

1 जुलाई 2026 से लागू हुई नई ईपीएफ स्कीम में कई बदलाव किए गए हैं। अब अलग-अलग जरूरतों के लिए अलग नियमों की जगह एक आसान व्यवस्था बनाई गई है। कर्मचारी 12 महीने की नौकरी पूरी करने के बाद बीमारी, पढ़ाई, शादी और घर खरीदने जैसी जरूरतों के लिए पीएफ से पैसा निकाल सकते हैं।

अब यदि आपको कोई जरूरत होगी तो आप अपने पीएफ खाते से बैलेंस निकाल सकते हैं। लेकिन उससे पहले आपको कम से कम 25% राशि खाते में रखना जरूरी होगा।

सरकार के फैसले से लगातार तीसरे हफ्ते बढ़े चावल के दाम, ग्लोबल मार्केट में दिखी तेजी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत चावल के उत्पादन और निर्यात के मामले में विश्व का नंबर वन देश है। ग्लोबल मार्केट में भारतीय चावल की बंपर मांग है। इसी बीच चावल की कीमत में बढ़ोतरी की खबर सामने आई है। लगातार तीसरे हफ्ते चावल के निर्यात दाम बढ़े है। कीमतों में तेजी का मुख्य कारण सरकार की ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत तय किए गए ऊंचे दाम और मानसून की कमजोर बारिश को माना जा रहा है। भारत की 5 प्रतिशत टूटे हुए उबले चावल की किस्म का भाव गुरुवार तक के सप्ताह में 352-357 डॉलर प्रति टन रहा, जो पिछले सप्ताह के 348-352 डॉलर से अधिक है। वहीं 5 प्रतिशत तक टूटे हुए भारतीय सफेद चावल की कीमत 353-357 डॉलर प्रति टन है। कोलकाता के एक व्यापारी ने मीडिया को बताया कि बाजार को उम्मीद थी की ओएमएसएस के तहत रिजर्व चावल की कीमत

में कमी देखी जाएगी लेकिन सरकार ने इसे बढ़ाने का फैसला किया और खुले बाजारों में कीमतें बढ़ गईं। अलनीनो के कारण इस साल मानसून के महीने में अब तक बारिश में काफी गिरावट दर्ज की गई है। जिसके चलते धान की बुवाई के क्षेत्रफल में काफी आई है। 10 जुलाई तक के आंकड़ों में 11.5 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली धान की फसल लगाई गई, जो पिछले साल के 12.6 मिलियन हेक्टेयर से कम है। बुवाई कम होने से भी चावल की कीमतों में इजाफा हुआ है।

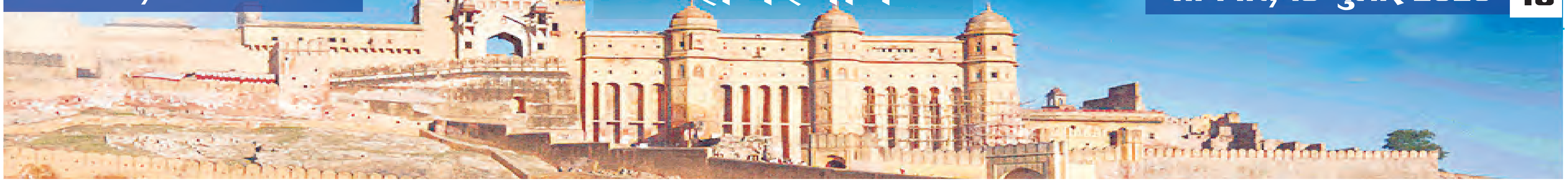

आरपीएससी हिंदी प्राध्यापक भर्ती : फर्जी डिग्री रैकेट में एक और गिरफ्तारी

एसओजी ने सहयोगी आरोपी को रिमांड पर लिया

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की प्राध्यापक (हिंदी) स्कूल शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2022 में फर्जी डिग्री के जरिए नियुक्ति दिलाने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने इस मामले में सहयोगी आरोपी अशोक विश्नोई उर्फ अशोक चोटिया को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 17 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थी ब्रह्मा कुमारी ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार (चित्तौड़गढ़) से जारी एमए (हिंदी) की डिग्री प्रस्तुत की थी। आरपीएससी की ओर से दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान यह डिग्री फर्जी पाई गई, जिसके बाद मामले की जांच एसओजी को सौंपी गई।

अभियुक्त अशोक विश्नोई

फर्जी डिग्री उपलब्ध कराने में निभाई अहम भूमिका

जांच में सामने आया कि अशोक विश्नोई ने महेंद्र सिंह राव के जरिए डॉ. सुरेश कुमार से संपर्क किया और अपनी बहन ब्रह्मा कुमारी के लिए मेवाड़ यूनिवर्सिटी के नाम से फर्जी मार्कशीट और डिग्री उपलब्ध करवाई। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने विश्वविद्यालय के तत्कालीन डीन कौशल किशोर चंदूल से संपर्क स्थापित कर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने और उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अब तक 15 आरोपी गिरफ्तार

एसओजी के अनुसार, इस प्रकरण में फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी हासिल करने वाली ब्रह्मा कुमारी समेत अब तक 15 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं, अजमेर के सिविल लाइंस थाने में दर्ज फर्जी डिग्री से जुड़े एक अन्य मामले में भी अशोक विश्नोई की भूमिका की जांच की जा रही है।

पहले भी हो चुका है गिरफ्तार

जांच एजेंसी ने बताया कि अशोक विश्नोई उर्फ अशोक चोटिया को इससे पहले जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में दर्ज एक अन्य मामले में भी गिरफ्तार किया जा चुका है। फिलहाल एसओजी इस पूरे फर्जी डिग्री नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश और मामले की गहन जांच में जुटी है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक अजयपाल लाम्बा, उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव, पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्याम सुंदर विश्नोई के नेतृत्व में एसओजी अजमेर यूनिट ने की।

आपसी विवाद में भाई ने कुल्हाड़ी से की भाई की हत्या, आरोपी हिरासत में

बीकानेर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले के नोखा कस्बे से रिश्तों को झकझोर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां मामूली आपसी विवाद ने इतना भयावह रूप ले लिया कि एक भाई ने अपने ही सगे भाई की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, यह वारदात नोखा के पंचारिया चौक में देर रात हुई। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर दो भाइयों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी इतनी बढ़ गई कि जगदीश ब्राह्मण ने गुस्से में आकर अपने भाई हुकुमचंद पंचारिया (35), पुत्र ओमप्रकाश पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में हुकुमचंद गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें तुरंत इलाज के लिए बागड़ी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राजस्थान ट्रांसफर लिस्ट में बड़ा गड़बड़झाला !

एक ही अधिकारी के दो जिलों में तबादले का आदेश

सलूंबर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार की हाल ही में जारी स्थानांतरण सूची में एक ही अधिकारी के दो अलग-अलग विभागों से दो अलग-अलग स्थानों पर तबादला होने का मामला सामने आया है। इससे विभागीय समन्वय और स्थानांतरण प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

कृषि विभाग ने प्रतापगढ़ किया स्थानांतरण

मामला पंचायत समिति जयसमंद में कार्यरत सहायक अभियंता बुद्धिप्रकाश खोईवाल का है। कृषि (ग्रुप-1) विभाग द्वारा जारी आदेश में राजस्थान कृषि (अभियांत्रिकी) सेवा के अधिकारी बुद्धिप्रकाश खोईवाल का स्थानांतरण सहायक अभियंता (मनरेगा), पंचायत समिति जयसमंद, जिला सलूम्बर से सहायक अभियंता, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण, पीपलखूंट, जिला प्रतापगढ़ किया गया था।

पंचायतीराज विभाग ने उदयपुर भेज दिया

इसके बाद ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की ओर से जारी दूसरी स्थानांतरण सूची में भी बुद्धिप्रकाश खोईवाल का तबादला पंचायत समिति जयसमंद से पंचायत समिति झाड़ोल, जिला उदयपुर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार पंचायत समिति जयसमंद के खंड विकास अधिकारी ने पंचायतीराज विभाग के आदेश के आधार पर उन्हें कार्यमुक्त कर झाड़ोल भेज दिया, जहां उन्होंने कार्यभार भी ग्रहण कर लिया।

कैडर और आदेश पर उठे सवाल

यहीं से पूरा मामला सवालों के घेरे में आ गया है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार बुद्धिप्रकाश खोईवाल की मूल नियुक्ति राजस्थान कृषि (अभियांत्रिकी) सेवा में है। ऐसे में उनके मूल विभाग यानी कृषि (अभियांत्रिकी) विभाग ने भी अलग से स्थानांतरण आदेश जारी कर उन्हें पीपलखूंट, जिला प्रतापगढ़ पदस्थापित किया था। सामान्यतः मूल विभाग के आदेश के अनुरूप ही अधिकारी को नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करना होता है।

ऐसे में बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब मूल विभाग कृषि (अभियांत्रिकी) का था और उसी विभाग ने प्रतापगढ़ में पदस्थापन का आदेश जारी किया था, तो अधिकारी ने पंचायतीराज विभाग के आदेश के आधार पर झाड़ोल में कार्यभार क्यों ग्रहण किया? क्या मूल विभाग के आदेश की अनदेखी की गई या फिर दोनों विभागों के आदेशों के बीच समन्वय का अभाव रहा?

राजस्थान में दो साल में 8.4 लाख से ज्यादा छात्रों का नामांकन घटा

सरकारी स्कूलों में सबसे बड़ी गिरावट

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में स्कूली शिक्षा को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। यूडीआईएसई की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो शैक्षणिक सत्रों में प्रदेश के स्कूलों में विद्यार्थियों का कुल नामांकन 8.4 लाख से अधिक घट गया है। सबसे अधिक गिरावट सरकारी स्कूलों में दर्ज की गई है, जबकि निजी स्कूलों में इसी अवधि में 11 लाख से अधिक नए विद्यार्थियों का नामांकन हुआ है।

इस मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने भजनलाल सरकार पर निशाना साधते हुए इसे ₹शिक्षा का सबसे बड़ा घोटाला₹ बताया। उन्होंने कहा कि करीब नौ लाख विद्यार्थियों का स्कूलों से गायब होना गंभीर सामाजिक विषय है और इसकी स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। यूडीआईएसई रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2023-24 में सरकारी स्कूलों में 83.8 लाख विद्यार्थी नामांकित थे। यह संख्या 2024-25 में घटकर 77.8 लाख और 2025-26 में 74.5 लाख रह गई। यानी दो वर्षों में सरकारी स्कूलों से 9.3 लाख विद्यार्थियों का नामांकन कम हुआ। इसके विपरीत, निजी स्कूलों में इसी अवधि के दौरान लगभग 11.3 लाख नए विद्यार्थियों का नामांकन दर्ज किया गया, जिससे यह संकेत मिलता है कि बड़ी संख्या में अभिभावक निजी स्कूलों का रुख कर रहे हैं।

डोटासरा बोले-कांग्रेस सरकार में स्थिर था नामांकन

गोविंद सिंह डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के दौरान स्कूलों में नामांकन 1.74 करोड़ से अधिक बना रहा। उनके अनुसार, 2018-19 और 2020-21 में यह आंकड़ा 1.79 करोड़ था, जबकि कोविड काल के बाद भी 2022-23 में 1.77 करोड़ और 2023-24 में नामांकन में फिर बढ़ोतरी हुई थी। उनका आरोप है कि दिसंबर 2023 में भाजपा सरकार बनने के बाद नामांकन लगातार घटता गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अंग्रेजी माध्यम महात्मा गांधी स्कूलों की अवधारणा को कमजोर किया और सैकड़ों स्कूल बंद कर दिए।

जोधपुर पुलिस कमिश्नर के तबादले पर सियासत गरमाई

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार को घेरा माफिया के दबाव में अधिकारी का ट्रांसफर

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर के पुलिस कमिश्नर के अचानक हुए तबादले को लेकर प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस प्रशासनिक फेरबदल को लेकर वर्तमान सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि यह तबादला किसी प्रशासनिक आवश्यकता के तहत नहीं, बल्कि शराब माफिया के भारी दबाव में किया गया है, जो प्रदेश की कानून-व्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी है। रात 8 बजे शराबबंदी का दिया हवाला पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सरकार के कार्यकाल के फैसले को याद दिलाते हुए कहा- हमारी कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में शांति बनाए रखने, युवाओं को नशे से बचाने और अपराधों पर लगाम कसने के उद्देश्य से रात 8 बजे के बाद शराब बिक्री पर सख्त पाबंदी का निर्णय लिया था, जिसके बहुत सकारात्मक परिणाम भी सामने आए थे।

गहलोत ने कहा कि जोधपुर में इसी नियम को धरातल पर कड़ाई से लागू करवाने वाले पुलिस कमिश्नर का महज कुछ महीनों के भीतर ही अचानक तबादला कर दिया गया, जो कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। अपने बयान के अंत में अशोक गहलोत ने वर्तमान सरकार की नीतियों पर तीखा कटाक्ष करते हुए जनता से एक बड़ा सवाल पूछा।

उन्होंने कहा कि क्या अब प्रदेश में नीतियां और प्रशासनिक फैसले आम जनता के हित को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि माफियाओं के मुनाफे और उनके राजनीतिक दबाव में तय किए जाएंगे? गौरतलब है कि आज ही जोधपुर में नए पुलिस कमिश्नर अंशुमन भोमिया ने कार्यभार संभाला है, और उससे ठीक पहले आए पूर्व मुख्यमंत्री के इस बयान ने इस प्रशासनिक फेरबदल को पूरी तरह से राजनीतिक रंग दे दिया है।

'सिस्टम पर हावी है माफिया' सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

सरकार के इस फैसले पर कड़ा ऐतराज जताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के कदमों से प्रशासनिक व्यवस्था और अपराधियों के बीच एक बेहद गलत संदेश जाता है। उन्होंने वर्तमान सरकार की कार्यप्रणाली पर निम्नलिखित गंभीर सवाल खड़े किए:अधिकारियों का मनोबल टूटनाः इस फैसले से पूरे प्रदेश की पुलिस में यह साफ संदेश गया है कि वर्तमान शासन में ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से काम करने वाले अधिकारियों के लिए कोई जगह नहीं है। माफिया का हौसला बढ़नाः शराब माफिया में यह संदेश चला गया है कि सिस्टम पर वे पूरी तरह हावी हैं और उन्हें रात 8 बजे शराब की दुकानें बंद करने के सरकारी आदेश की पालना करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

नीमकाथाना में प्रसूता की मौत पर हंगामा

सिजेरियन के बाद गई जान, परिजनों ने डॉक्टरों के खिलाफ खोला मोर्चा

नीमकाथाना/सीकर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले के नीमकाथाना में भी सिजेरियन डिलीवरी के बाद 25 वर्षीय प्रसूता की मौत ने बड़ा बवाल खड़ा कर दिया है। पहली संतान को जन्म देने वाली अंजली सैनी की मौत के बाद अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए परिजन और ग्रामीण मातृ एवं शिशु चिकित्सालय (एमसीएच) के बाहर धरने पर बैठ गए।

प्रदर्शनकारियों ने जिम्मेदार डॉक्टरों और स्टाफ के खिलाफ एफआईआर, एक करोड़ रुपए मुआवजा, मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम और पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश का प्रयास किया, लेकिन खबर लिखे जाने तक परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे। बताते चले कि बीते दिनों में राजस्थान के कोटा, बांसवाड़ा सहित अन्य इलाकों में भी प्रसूताओं से जुड़े गंभीर मामले सामने आए और इन मामलों को लेकर सूबे के चिकित्सा मंत्री का बयान भी विवादों का घेरे में रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीकर जिले के नीमकाथाना के खादरा गांव निवासी अंजली सैनी की शादी फरवरी 2024 में राजकुमार सैनी से हुई थी। 12 जुलाई को प्रसव पीड़ा होने पर उसे नीमकाथाना के नव निर्मित मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। 14 जुलाई को सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए उसने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद अंजली को लगातार ब्लीडिंग हो रही थी। इसकी जानकारी बार-बार अस्पताल स्टाफ को दी गई, लेकिन समय पर प्रभावी उपचार नहीं मिलने से उसकी हालत बिगड़ती चली गई।

बाद में उसे हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां चौमू स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

मां की हत्या के दोषी बेटे को आजीवन कारावास

लालसोट, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अपर जिला एवं सेशन न्यायालय ने मां की हत्या के मामले में आरोपी बेटे गोविंद शर्मा को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही न्यायालय ने उस पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। एपीपी अशोक हट्टीका ने बताया कि रामगढ़ पचवारा थाना क्षेत्र के टापरिया नापाकावास गांव में मार्च 2024 में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने जांच पूरी कर आरोपी गोविंद शर्मा के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। जांच एवं साक्ष्यों के आधार पर यह सिद्ध हुआ कि आरोपी ने मूसली से वार कर अपनी मां की हत्या की थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष 18 गवाहों के बयान तथा 58 दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश गीता पाठक ने आरोपी को हत्या का दोषी ठहराया। दोष सिद्ध होने पर न्यायालय ने आरोपी गोविंद शर्मा को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए 50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड जमा नहीं कराने की स्थिति में आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार अतिरिक्त कारावास भी भुगतना होगा।

राजस्थान के चेरापूंजी में बारिश के लिए अनोखा टोटका

गाजेबाजे से मेंढक-मेंढकी का कराया विवाह

बांसवाड़ा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा में इस बार मानसून की बेरूखी दिखाई पड़ रही है। जुलाई के दो सप्ताह बीतने के बाद भी जिले में एक-दो बार ही हल्की बारिश हुई है।

आषाढ़ के सूखा बीतने के बाद अब सावन में बरखा की झड़ी लगे, इसे लेकर बारिश की कामनार्थ विभिन्न प्रकार के टोटके किए जा रहे हैं। शहर में गाजेबाजे से मेंढक-मेंढकी का विवाह कराया गया। गुरुवार को शहर के डेगलीमाता चौक में तरुण क्रांतिकारी मंच के तत्वावधान में मेंढक-मेंढक़ी का विवाह करवाया गया। इस दौरान बैंडबाजे के साथ हाथों में मेंढक और मेंढकी को लेकर लोग नाचते-गाते हुए सब्जी मंडी चौक तक पहुंचे और पंडित के मंत्रोच्चार के साथ सात फेरे लगाकर उनका विवाह कराया। मेंढक का नाम संतरा और मेंढकी का नाम मौसंबी रखा गया।

इस दौरान क्षेत्र के व्यापारी और बाजार में आए ग्रामीण भी कार्यक्रम में शामिल हुए। मंच के महासचिव अशोक मदहोश ने बताया कि बांसवाड़ा में मानूसन सीजन में बारिश नहीं होने के कारण यह टोटका किया है। पहले के वर्षों में भी मानसून के रूठने पर मेंढक-मेंढक़ी के विवाह का टोटका कराया। हल्दी एवं मेहंदी की रस्म पूरी की गई। दोनों को नए कपड़े व जेवर पहनाकर सजाया गया। बाद में मिठाई भी बांटी गई। कार्यक्रम में लेखक भारत दोसी, नरेश कुमावत, संजय झाला, मयूर सारगिया, ओमप्रकाश वाधवानी, रफीक चौहान, राकेश मोरिया, गोविंद राजोरा, सुनील तेली, दीपक मालवीय, दिनेश जैन, राजू भाई, रामू सिंधी, मुजफ्फर बाजी आदि शामिल हुए। राजस्थान में बांसवाड़ा में सर्वाधिक बारिश होती है। इस कारण बांसवाड़ा को राजस्थान का चेरापूंजी भी कहा जाता है, किंतु इस वर्ष मेघ रुठे हुए हैं। मौसम विभाग की ओर से बांसवाड़ा में बारिश का यलो अलर्ट भी कई बार इस सीजन में जारी हुआ है, किंतु बरसात नहीं होने से लोग अब टोटके कर रहे हैं।

प्यार करने की इतनी खौफनाक सजा !

लव मैरिज पर खाप पंचायत ने लगाया 21 लाख रुपये का जुर्माना

डर से सहमी नवविवाहिता ने मांगी सुरक्षा

दौसा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा जिले में प्रेम विवाह को लेकर विवाद सामने आया है. आरोप है कि 84 गांवों की खाप पंचायत में प्रेम विवाह का विरोध करते हुए महिला पक्ष पर 21 लाख रुपये का जुर्माना लगाने और राशि नहीं देने पर समाज से बहिष्कार की चेतावनी दी गई. इस मामले में महिला ने वीडियो जारी कर अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। रामगढ़ पचवारा निवासी अर्जुन लाल मीणा का आरोप है कि उनके भतीजे कमलेश मीणा और एक युवती ने अपनी सहमति से प्रेम विवाह किया है। परिवार का कहना है कि इसके बाद आयोजित खाप पंचायत में उनकी बात नहीं सुनी गई और 21 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का फैसला सुनाया गया. परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत के दौरान उन पर दबाव बनाया गया और विरोध करने पर दंड भी लगाया गया. वहीं, युवती ने एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि उसने अपनी इच्छा और सहमति से प्रेम विवाह किया है तथा उसका अपहरण या जबरदस्ती नहीं हुई. उसने अपने ससुराल और पीहर पक्ष के कुछ लोगों से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है इधर, थाना अधिकारी मदनलाल मीणा ने बताया कि युवती की ओर से सुरक्षा संबंधी प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुआ है.

युवक की पगड़ी उतारकर जानलेवा हमला

बदमाश बोले-आज तीनों भाइयों का खेल खत्म कर देते हैं, पुलिस पर उठे सवाल

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में तीन दिन पहले आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने तीन भाइयों पर जानलेवा हमला किया। तीनों भाइयों को लाठियों और सरियों ने इतना पीटा की अधमरा करके छोड़ दिया। मौके पर खून ही खून बिखर गया था और मारपीट का पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद भी हो गया लेकिन पुलिस ने अभी तक हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया है। मारपीट की यह घटना भांकरोटा थाना क्षेत्र की है।

सरदार की पगड़ी उतारी, बाल भी नोचे

मारपीट की यह घटना 13 जुलाई सोमवार की देर रात की है। सुखवंत सिंह, कमलजीत सिंह और अर्शदीप पर जानलेवा हमला हुआ था। ये तीनों भाई सरदार परिवार से हैं। हमलावरों ने तीनों भाइयों को जमकर पीटा। अर्शदीप की पगड़ी उतारी। उसे जमीन पर पटका और उसके बाल नोचे। घटना स्थल पर उसके उखड़े हुए बाल पड़े दिखाई दिए। अगले दिन स्थानीय लोगों ने घटना स्थल पर बिखरे बालों के फोटो भी खींचे जो कि अब सोशल मीडिया पर सामने आए है। तीनों भाइयों पर रात करीब साढ़े 11 बजे मारपीट हुई थी। हमलावर लग्जरी गाड़ियों में सवार होकर आए थे। लाठियां और सरिये लहराते हुए पीछे दौड़ते हुए मारपीट की। पीड़ित भाइयों सुखवंत सिंह और कमलजीत सिंह का कहना है कि काफी देर तक मारपीट के दौरान जब हंगामा हुआ तो स्थानीय लोग घरों से निकल कर बाहर आए। लोगों के बाहर आने के बाद हमलावर अलग अलग गाड़ियों में बैठकर फरार हो गए। अर्शदीप सिंह के सिर पर लोहे के पाईप से वार किया गया जिससे उसका सिर फट गया और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद इन्होनें अर्शदीप सिंह के बाल खींचकर तोड़ दिए। बोला की आज तीनों भाईयों का खेल खत्म कर देते है। पीड़ित सुखवंत सिंह का कहना है कि हमलावरों में भांकरोटा के रहने वाले विष्णु चौधरी, पवन टोडावता, विष्णु पूनिया, वीरू गढ़वाल, मदन टोडावता, अजय टोडावता, लोकेश टोडावता, राजेश टोडावता, यशवंत चौधरी, राकेश टोडावता और हेमराज टोडावता के साथ उनके कुछ अन्य साथी भी शामिल थे।

7 गौशालाओं से होगी 16 करोड़ की वसूली, सरकारी अनुदान में बड़ी गड़बड़ी के आरोप

जालोर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में जालोर जिले की गौशालाओं को दिए गए सरकारी अनुदान में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का मामला सामने आया है. महालेखाकार (लेखा परीक्षा) की जांच के बाद गोपालन विभाग ने जिले की सात गौशालाओं से कुल 16 करोड़ 15 लाख रुपए से अधिक की वसूली के आदेश जारी किए हैं. विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार अनुदान वितरण में गंभीर विसंगतियां मिलने के बाद संबंधित गौशालाओं को नोटिस जारी कर अतिरिक्त राशि वापस जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। जांच में सबसे बड़ा मामला जालोर जिले के पथमेड़ा स्थित श्री गोपाल गोवर्धन गौशाला का सामने आया है. विभागीय आंकड़ों के अनुसार इस गौशाला को 10 करोड़ 95 लाख 73 हजार 200 रुपए का अतिरिक्त अनुदान जारी होने का उल्लेख किया गया है. इसके अलावा श्री खेतेश्वर गौशाला, खिरोड़ी के नाम पर 4 करोड़ 20 लाख 57 हजार रुपए की अतिरिक्त सहायता राशि दर्ज की गई है. शेष राशि जिले की अन्य पांच गौशालाओं से संबंधित बताई गई है. इस प्रकार जालोर जिले की सात गौशालाओं पर कुल 16.15 करोड़ रुपए की वसूली प्रस्तावित है। महालेखाकार की जांच में सामने आया कि अनुदान वितरण के दौरान कई स्तरों पर रिकॉर्ड में गड़बड़ियां पाई गईं. विभागीय दस्तावेजों के अनुसार कई मामलों में गोवंश की वास्तविक संख्या और प्रस्तुत रिकॉर्ड में अंतर मिला. कुछ स्थानों पर टैग पंजीकरण, पशुधन रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों में भी विसंगतियां सामने आईं, जिसके आधार पर अतिरिक्त भुगतान का निष्कर्ष निकाला गया। गोपालन विभाग ने संबंधित गौशालाओं को नोटिस जारी कर निर्धारित अवधि में वसूली योग्य राशि राजकोष में जमा कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हैदराबाद में पुनर्निर्मित हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह उद्घाटन अमृत भारत योजना के तहत 20 राज्यों में 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन की कड़ी में शामिल है। इससे पहले दिन में, नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जिंद से सोनीपत के बीच चलने वाली भारत की पहली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिंद और हरियाणा ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

उन्होंने कहा कि पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त होने के साथ-साथ, भारत की हाइड्रोजन ट्रेन मेक इन इंडिया की एक उल्लेखनीय सफल मिसाल है। स्टेशन का आधुनिकीकरण 35.61 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है, जिसमें एक नया स्टेशन भवन, बेहतर प्रतीक्षा कक्ष, लिफ्ट, एस्केलेटर, दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं, डिजिटल साइनेज और अन्य यात्री सुविधाएं शामिल हैं। हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन पर एक समानांतर उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें एमएलसी एवीएन रेड्डी, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, सिकंदराबाद डीआरएम आर गोपालकृष्णन और अन्य रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए ए.वी.एन. रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे विकास परियोजनाएं शुरू की हैं। तेलंगाना में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार रेल बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश के माध्यम से कनेक्टिविटी को मजबूत कर रही है। एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हाई-टेक सिटी देशभर में उद्घाटन किए गए 75 पुनर्विकसित स्टेशनों में से एक है और उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना में अन्य अमृत स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य निर्धारित समय पर आगे बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम में स्टेशन के कायापलट के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध, चित्रकला, पेंटिंग और सेल्फी प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरण के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी शामिल थीं। हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारतीय रेलवे में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना का वार्षिक रेलवे आवंटन 2014 से पहले 500 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 4,900 करोड़ रुपये हो गया है और राज्य के 41 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में हैदराबाद से पांच वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं और भविष्य में हाई-स्पीड और बुलेट ट्रेन कॉरिडोर बनाने की योजना पर काम चल रहा है।

जनता की अपेक्षाओं को समझना अत्यंत आवश्यक : डॉ.एम. रमेश

साइबराबाद पुलिस ने प्रशिक्षुओं को किया सम्मानित

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय सभागार में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण सम्मान कार्यक्रम-2026 का सफल आयोजन किया। सार्वजनिक सेवा में नवाचार, सीख और सहयोग का उत्सव विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रशिक्षु, मार्गदर्शक और विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साइबराबाद के पुलिस आयुक्त एवं साइबराबाद सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ.एम. रमेश ने ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं को बधाई दी। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में सार्वजनिक सेवा, नेतृत्व और पुलिस व्यवस्था में अपने अनुभव साझा किए।

उन्होंने प्रशिक्षुओं को जिज्ञासु बने रहने, निरंतर सीखने की आदत विकसित करने, बेहतर संवाद कौशल अपनाने तथा अपने करियर में ईमानदारी, अनुशासन और व्यावसायिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की सलाह दी। प्रशिक्षुओं से बातचीत करते हुए डॉ. रमेश ने उनके प्रशिक्षण अनुभवों, इस दौरान बने संबंधों और प्राप्त सीख के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि सार्थक संवाद सामाजिक माध्यमों की अत्यधिक निर्भरता को कम करने के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास में भी सहायक होता है।

उन्होंने नागरिक केंद्रित पुलिस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए प्रशिक्षुओं से रचनात्मक सुझाव मांगे और उन्हें अपने प्रशिक्षण से जुड़े प्रोजेक्ट तथा अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं को समझना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि दूसरों से प्रशंसा पाने से पहले अपने प्रयासों को स्वयं महत्व देना सीखें। आत्मविश्वास, विनम्रता और ईमानदारी सफलता के मूल आधार हैं।

महिला-नेतृत्व वाला विकास विकसित भारत की आधारशिला : राज्यपाल

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि भारत अब महिला विकास की अवधारणा से आगे बढ़कर महिला-नेतृत्व वाले विकास की दिशा में अग्रसर है और यही विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला है। महिलाओं का सशक्तिकरण न केवल परिवारों को मजबूत बनाता है, बल्कि आर्थिक विकास और राष्ट्र निर्माण को भी नई गति देता है। राज्यपाल शुक्रवार को हैदराबाद के जेआरसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित फिक्की लेडीज़ ऑर्गेनाइजेशन (एफएलओ) हैदराबाद के रजत जयंती समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एफएलओ हैदराबाद के 25 वर्ष पूरे होने पर संगठन को बधाई देते हुए कहा कि महिला उद्यमिता, नवाचार और नेतृत्व को बढ़ावा देने में संगठन ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। 1,200 से अधिक महिला सदस्यों वाला यह संगठन उद्योग, स्टार्टअप और कॉर्पोरेट क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रभावी मंच बन चुका है।

राज्यपाल ने एफएलओ इंडस्ट्रियल पार्क की विशेष सराहना करते हुए इसे देश का पहला ऐसा औद्योगिक पार्क बताया, जिसका स्वामित्व और संचालन पूरी तरह महिला उद्यमियों के हाथों में है। उन्होंने कहा कि इस अभिनव पहल की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रशंसा की थी, जो इसकी राष्ट्रीय महत्ता को दर्शाता है। उन्होंने स्टाइल तत्व जैसी पहलों की भी सराहना की, जो तेलंगाना की समृद्ध हथकरघा एवं हस्तशिल्प परंपरा को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय महिला कारीगरों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास उद्यमिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। राज्यपाल ने अनुभवी महिला उद्यमियों से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करने का आह्वान करते हुए कहा कि देश में ऐसा वातावरण तैयार किया जाना चाहिए, जहां हर महिला अपने सपनों को साकार कर सके।

तेलंगाना के इतिहास का पुनर्निर्माण करें : चिन्ना रेड्डी

तेलंगाना के पहले स्वतंत्रता सेनानी थे मौलवी अलाउद्दीन

तुर्रेबाज खान की विरासत की सराहना की

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी. चिन्ना रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना के इतिहास के पुनर्निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया और राज्य की ऐतिहासिक और राजनीतिक यात्रा का दस्तावेजीकरण करने के लिए कॉर्पोरेट सीएसआर समर्थन का आह्वान किया। कोटी स्थित चकाली ऐलम्मा महिला विश्वविद्यालय में 'ब्रिटिश रेजीडेंसी पर धावा' शीर्षक से आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करते हुए, चिन्ना रेड्डी ने स्वतंत्रता सेनानी तुर्रेबाज खान को श्रद्धांजलि अर्पित की और 17 जुलाई, 1857 को मौलवी अलाउद्दीन के साथ ब्रिटिश रेजीडेंसी पर उनके हमले को याद करते हुए इसे सिपाही विद्रोह के प्रति दक्कन की प्रतिक्रिया बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि मौलवी अलाउद्दीन तेलंगाना के पहले स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्हें अंडमान सेलुलर जेल में कैद किया गया था। इस अवसर पर चिन्ना रेड्डी ने पूर्व टीएसपीएससी सदस्य टी. विवेक और इतिहासकार डॉ.के. पद्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'तेलंगाना राज्य आंदोलन- संकट के वर्ष' का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक 2009 से 2014 के बीच तेलंगाना राज्य आंदोलन के दस्तावेजीकरण में मौजूद महत्वपूर्ण कमियों को पूरा करती है और भावी पीढ़ियों के लिए राज्य के इतिहास को संरक्षित करने में सहायक होगी। सेमिनार में तेलंगाना अध्ययन निदेशक कैप्टन (डॉ.) एल. पांडु रंगा रेड्डी, महिला विश्वविद्यालय के कुलपति सूर्य धनुंजय, इतिहासकार डॉ.के. पद्मा, डॉ.पी. अरुणा, प्रोफेसर अदापा सत्यनारायण और पूर्व सांसद आर. सुरेंद्र रेड्डी ने भाग लिया, जिन्हें कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया।

भगवान शिव की महिमा का वर्णन

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला सुराराम स्थित मां दधिमाता मंदिर परिसर में शिवपुराण कथा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कथा वाचक पंडित संजय कृष्ण शास्त्रीजी ने शिवपुराण कथा में भगवान शिव की महिमा का विस्तृत वर्णन किया। श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण कर धर्म, भक्ति एवं आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ प्राप्त किया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही तथा समूचा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

इस आयोजन का संचालन समस्त महिला मंडल द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिवपुराण कथा का लाभ लेने का आग्रह किया है।

जनसंपर्क मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मौजूद : अजय मिश्रा

पीआरएसआई हैदराबाद ने विश्व जनसंपर्क दिवस-2026 मनाया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनसंपर्क सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के हैदराबाद अध्याय ने गुरुवार को रेड हिल्स स्थित तेलंगाना वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ के सुराना सभागार में विश्व जनसंपर्क दिवस-2026 का आयोजन किया। कार्यक्रम में जनसंपर्क क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, अध्याय के सदस्यों, जनसंपर्क शिक्षकों तथा विभिन्न संस्थानों के पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन करते हुए पीआरएसआई हैदराबाद अध्याय के अध्यक्ष डॉ. कंभमपति यदागिरी ने कहा कि इस वर्ष की वैश्विक विषयवस्तु 'रणनीतिक जनसंपर्क का स्वर्णिम युग' दुनिया भर के संचार विशेषज्ञों को विश्वास, विश्वसनीयता और संबंध निर्माण के बढ़ते महत्व पर विचार करने का अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद अध्याय जनसंपर्क पेशे को बढ़ावा देने और समाज में इसकी भूमिका एवं महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डॉ. यदागिरी ने बताया कि विश्व जनसंपर्क दिवस की शुरूआत वर्ष 2020 में अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क एवं संचार संगठनों के समूह द्वारा की गई थी। यह दिवस नैतिक संवाद को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक समाजों को मजबूत बनाने में जनसंपर्क की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनसंपर्क वॉइस के संपादक वाई. बाबजी ने कहा कि जनसंपर्क एक बहुआयामी पेशा है, जिसमें संचार विज्ञान, पत्रकारिता, प्रबंधन, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, विपणन, अर्थशास्त्र, कानून, सूचना प्रौद्योगिकी, व्यवहार विज्ञान और रचनात्मक कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों का समावेश होता है। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों के समन्वय से जनसंपर्क संस्थाओं और उनके विभिन्न हितधारकों के बीच विश्वास आधारित संबंध स्थापित करने और उन्हें बनाए रखने में सहायता करता है। उन्होंने बताया कि आज के समय में यह पेशा पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने कहा कि विश्व जनसंपर्क दिवस का आयोजन आधुनिक जनसंपर्क के जनक माने जाने वाले आइवी लेडबेटर ली की जयंती के अवसर पर किया जाता है। उन्होंने वर्ष 1906 में जारी अपने प्रसिद्ध सिद्धांतों की घोषणा के माध्यम से सत्यपूर्ण, पारदर्शी और जिम्मेदार संवाद की नींव रखी थी। वाई. बाबजी ने जनसंपर्क को प्रचार, दबाव समूह गतिविधियों और जन मामलों से अलग बताते हुए कहा कि जनसंपर्क का मूल आधार नैतिकता, आपसी समझ और दीर्घकालिक संबंध प्रबंधन है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर जनसंपर्क क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है। संस्थाएं अब प्रतिष्ठा प्रबंधन, हितधारक सहभागिता, सतत विकास संबंधी संवाद और संकट संचार के महत्व को समझ रही हैं। मुख्य अतिथि एवं तेलंगाना सरकार के पूर्व विशेष मुख्य सचिव अजय मिश्रा, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने देशभर में पीआरएसआई के अध्यायों के माध्यम से जनसंपर्क पेशे को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लगभग सात दशकों तक किसी पेशेवर संस्था को सफलतापूर्वक संचालित करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मौजूद है और जनसंपर्क विशेषज्ञों के लिए प्रभावी सार्वजनिक वक्तृत्व कला अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के प्रभावशाली संवाद कौशल का उल्लेख करते हुए कहा कि इन महान नेताओं ने महत्वपूर्ण समय में भारत के विचारों और आदर्शों को विश्व के सामने सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में हैदराबाद के अंतिम निजाम के वंशज नवाब रौनक यार खान उपस्थित रहे। उन्होंने अपने राजवंशीय इतिहास का संक्षिप्त परिचय देते हुए पीआरएसआई हैदराबाद अध्याय द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने सामाजिक जागरूकता, आपसी सद्भाव और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने वाली पहलों में सहयोग की इच्छा व्यक्त की। धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए पीआरएसआई हैदराबाद अध्याय के सचिव राजेश कल्याण ने जनसंपर्क और संचार क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने तेलंगाना ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन के सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के उप महाप्रबंधक सी.एच. श्रीनिवास राव, अखिल भारतीय मास्टर प्रिंटर्स महासंघ के अध्यक्ष सी. रविंदर रेड्डी, छात्र मंच समिति के संयोजक श्रीकृष्ण बाजी, पीआर वॉइस के सहयोगी संपादक पी. मोहन राव, महिला प्रकोष्ठ की संयोजक अर्पणा राजहंस सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भगवान की सेवा करना एक दुर्लभ सौभाग्य है : कोंडा सुरेखा

191 धार्मिक कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि मंदिर पवित्र संस्थाएं हैं जो भारतीय संस्कृति, परंपराओं, वैदिक ज्ञान और धर्म के संरक्षण के केंद्र के रूप में कार्य करती हैं। मंत्री ने कहा कि पुजारियों, वैदिक विद्वानों, मंदिर सेवकों, पारंपरिक संगीतकारों और मंदिर के रसोई कर्मचारियों द्वारा दी जाने वाली सेवाएं, जिन्हें मंदिरों की भव्यता और पवित्रता को बनाए रखने का दायित्व सौंपा गया है, वास्तव में पवित्र हैं। कोंडा सुरेखा हैदराबाद के रवींद्र भारती में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं, जहां धर्मस्व विभाग द्वारा भर्ती किए गए 191 धार्मिक कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। उन्होंने स्वयं नव चयनित उम्मीदवारों में से कई को नियुक्ति पत्र सौंपे। भर्ती किए गए लोगों में पुजारी, वैदिक विद्वान, मंदिर के सेवक और मृदंगम, डोलू, नादस्वरम (सन्नयी), श्रुति और तालम जैसी पारंपरिक संगीत सेवाओं के लिए नियुक्त कर्मी शामिल हैं, जिन्हें राज्य भर के 47 मंदिरों में सेवा करने के लिए नियुक्त किया गया है। कोंडा सुरेखा ने 191 धार्मिक कर्मियों की भर्ती को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, जिसे तेलंगाना धर्मस्व विभाग के इतिहास में याद रखा जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मंदिरों के विकास और श्रद्धालुओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक पदों पर लंबे समय से लंबित रिक्तियों को भरने से दैनिक अनुष्ठानों, वैदिक पाठों, मंदिर उत्सवों और अन्य धार्मिक समारोहों का व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित होगा। मंत्री जी ने विश्वास व्यक्त किया कि नव नियुक्त कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों के माध्यम से मंदिरों की आध्यात्मिक भव्यता को और मजबूत करेंगे तथा उनकी प्रशासनिक दक्षता में सुधार करेंगे।

बीआरएस के 'युवा संघर्ष सम्मेलन' को हाईकोर्ट ने दी अनुमति

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को बीआरएस पार्टी को कुछ शर्तों के अधीन शनिवार, 18 जुलाई को सरूरनगर स्टेडियम में अपना 'युवा संग्राम सदास्सु' (युवा संघर्ष सम्मेलन) आयोजित करने की अनुमति दे दी। बीआरएस ने 30 जून को अनुमति के लिए आवेदन किया था, लेकिन पुलिस ने कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताओं और खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया। इस फैसले को चुनौती देते हुए पार्टी की कानूनी शाखा ने उच्च न्यायालय का रुख किया और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर इस कार्यक्रम में बाधा डाली है। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद न्यायालय ने कुछ शर्तों के साथ बैठक की अनुमति दे दी। इस सम्मेलन का उद्देश्य कांग्रेस सरकार द्वारा अपनी युवा घोषणा के तहत किए गए प्रमुख वादों को लागू करने में कथित विफलता को उजागर करना है, जिसमें मेगा डीएससी भर्ती अभियान, सरकारी नौकरी की रिक्तियों को भरना और बेरोजगारी भत्ता प्रदान करना शामिल है। इस स्थल का राजनीतिक महत्व है क्योंकि कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों से पहले इसी सरूरनगर स्टेडियम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की उपस्थिति में अपना युवा घोषणापत्र जारी किया था।

एशियाई स्वर्ण पदक विजेता नरिमल्ला प्रवालिका का मंत्री ने किया सम्मान

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सामाजिक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने शुक्रवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर तेलंगाना सचिवालय स्थित अपने कक्ष में तेलंगाना सामाजिक कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी की खेल अकादमी की छात्रा नरिमल्ला प्रवालिका को सम्मानित किया। प्रवालिका को चीन के ऑर्डोस में आयोजित प्रथम एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता-2026 में महिला 4÷400 मीटर रिले स्पर्धा में भारत के स्वर्ण पदक जीतने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने युवा खिलाड़ी को बधाई देते हुए कहा कि प्रवालिका की उपलब्धि ने न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता राज्य में मजबूत होती खेल व्यवस्था को दर्शाती है और सरकार की उस प्रतिबद्धता को दोहराती है, जिसके तहत राज्य के हर क्षेत्र से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाया जा रहा है। नलगोंडा जिले के डिंडी मंडल के गुंडलापल्ली गांव से आने वाली प्रवालिका ने साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी बनने तक का सफर तय किया है। मंत्री ने कहा कि उनका संघर्ष, अनुशासन और दृढ़ संकल्प यह साबित करता है कि मेहनत और लगन से सपनों को असाधारण उपलब्धियों में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रवालिका की प्रेरणादायक यात्रा ग्रामीण तेलंगाना के हजारों युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करेगी और उन्हें खेल क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। मंत्री ने कहा कि सामाजिक कल्याण आवासीय शिक्षण संस्थान हमेशा शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देते रहे हैं। इन संस्थानों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ऐसे अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले खिलाड़ी बन सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं, वैज्ञानिक प्रशिक्षण सहायता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर खेल ढांचे को लगातार मजबूत कर रही है। अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार ने खेलों को अभूतपूर्व प्राथमिकता दी है और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हरसंभव प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण तेलंगाना से ओलंपिक स्तर के खिलाड़ी तैयार करने के उद्देश्य से सरकार कई प्रगतिशील योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले तेलंगाना के खिलाड़ियों को समूह-1 स्तर की सरकारी नौकरी देने की ऐतिहासिक घोषणा ने खिलाड़ियों में नया विश्वास और उत्साह पैदा किया है। यह नीति राज्य में खेल संस्कृति को और मजबूत करेगी तथा युवाओं को वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। मंत्री ने प्रवालिका के प्रशिक्षक पसुपुला परशुराम, डिंडी सामाजिक कल्याण खेल अकादमी के प्रशिक्षकों तथा उनके माता-पिता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सफल खिलाड़ी के पीछे प्रशिक्षकों, मार्गदर्शकों और परिवार के सदस्यों का अथक योगदान होता है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय सड़क हादसे में बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय शुक्रवार को राजन्ना सिरसिल्ला जिले में उनके काफिले से जुड़ी एक मामूली दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। यह घटना हरिदासनगर (येल्लारेड्डीपेट मंडल) से गम्भीरावपेट जा रहे काफिले के दौरान घटी, जब वाहन आपस में टकरा गए। कुछ वाहनों को मामूली नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी को चोट नहीं आई और काफिला अपनी यात्रा जारी रखते हुए आगे बढ़ गया। दिन के आरंभ में, बंडी संजय ने सिरसिल्ला में 105 करोड़ रुपये की लागत से बन रही कारगिल चेरुवु की जीर्णोद्धार परियोजना की आधारशिला रखी। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विकास निधि का दुरूपयोग वेतन और बिजली के खर्चों को पूरा करने के लिए किया जा रहा है और चेतावनी दी कि वित्त आयोग के अनुदान का दुरूपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो केंद्र सरकार ग्राम पंचायत खातों में सीधे धनराशि हस्तांतरित करने पर विचार कर सकती है और उन्होंने यह भी कहा कि वे इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाएंगे। मंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि अमृत योजना के कार्यों को पूरा करने में देरी से केंद्रीय निधियों की वापसी हो सकती है, और जोर देकर कहा कि तेलंगाना का विकास काफी हद तक केंद्रीय सहायता पर निर्भर है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू

चोट के कारण क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं ले सकीं ओकुहारा

टोक्यो, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन वह चोट के कारण मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं। यह इस सीजन में सिंधू का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वह मलयेशिया सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलिया सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

सीजन का पहला खिताब जीतने पर नजरें

इसके साथ ही, 2023 डेनमार्क ओपन के बाद यह उनका पहला सुपर 750 सेमीफाइनल है। 31 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू की निगाहें इस सीजन का पहला खिताब जीतने पर होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले में उनका सामना टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की विश्व की नंबर 4 चीनी खिलाड़ी चेन युफेई से होगा। सिंधू और चेन युफेई के बीच अब तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हालांकि, हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सिंधू उनसे 6-8 से पीछे हैं।

युफेई के खिलाफ अच्छा नहीं है सिंधू का रिकॉर्ड

सिंधू को युफेई के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में जीत न केवल सिंधू के हारने के इस सिलसिले को खत्म करेगी, बल्कि लगभग तीन साल में उनके पहले सुपर 750 फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब भारत की एकमात्र दावेदार हैं। सिंधू ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान युए को सिर्फ 35 मिनट में हराया था। उन्होंने हान को सीधे गेम में 21-16, 21-14 से मात देते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था।

इस साल 28 वर्षीय चेन युफेई ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीता, जबकि थाईलैंड और मलयेशिया में हुए सुपर 500 टूर्नामेंट में फाइनल में भी जगह बनाई थी। इसके अलावा, युफेई ने सिंगापुर और भारत में खेले गए सुपर 750 टूर्नामेंट में भी सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। वह मलयेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड जैसे प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट में भी अंतिम चार में पहुंची थीं।

कोहली ने विवियन रिचर्ड्स की बराबरी की

रोहित के साथ 8 हजार साझेदारी रन पूरे

श्रेयस के शॉट से सीगल पक्षी घायल

कार्डिफ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में भारत को 4 विकेट से हरा दिया। कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए इस मैच में विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना 14वां 50+ स्कोर बनाकर वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर ली। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 8 हजार रन की साझेदारी का आंकड़ा भी पार कर लिया। दूसरी ओर, श्रेयस अय्यर का एक शॉट मैदान पर बैठे सीगल पक्षी को लग गया, जिससे कुछ देर खेल भी रुका।

रोहित-विराट भारत की तीसरी सबसे कामयाब जोड़ी

रोहित शर्मा और विराट कोहली अब इंटरनेशनल क्रिकेट में 8,021 रन की साझेदारी कर चुके हैं। इसके साथ ही यह भारत की तीसरी सबसे सफल जोड़ी बन गई। कार्डिफ में दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। विराट कोहली ने 65 रन की पारी के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ अपना 14वां 50+ स्कोर बनाया। इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा 15 बार 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा के नाम है। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड की पारी की पहली ही गेंद पर बेन डकेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराया। वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए। जो रूट ने नाबाद 99 रन की पारी खेली। इसके साथ ही जीते हुए वनडे मैचों में रन चेज के दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 91.59 हो गया। कम से कम 2 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाजों में अब उनसे आगे सिर्फ एमएस धोनी (102.71) हैं। विराट कोहली (89.07) तीसरे स्थान पर खिसक गए। रूट वनडे में 99 रन पर नाबाद रहने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बने।

पाकिस्तानी स्पिनर मोहम्मद नवाज डोप टेस्ट में फेल हुए

आईसीसी ने लगाया 3 महीने का बैन, 1 मई से लागू माना गया प्रतिबंध

स्पोर्ट्स डेस्क, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को आईसीसी एंटी-डोपिंग कोड का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। नवाज ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसके बाद उन पर 3 महीने का बैन लगाया गया है। अगर वे नशीले पदार्थों के इलाज से जुड़ा ट्रीटमेंट प्रोग्राम पूरा कर लेते हैं, तो इस प्रतिबंध के समय को घटाकर 1 महीना कर दिया जाएगा।

कोलंबो में हुआ था नवाज का डोपिंग टेस्ट

32 साल के नवाज का यह डोपिंग टेस्ट श्रीलंका के कोलंबो में हुआ था। 7 फरवरी को आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के बाद उनका सैंपल लिया गया था। इस टेस्ट में नवाज के शरीर में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ (कार्बोक्सी-टीएचसी) के अंश पाए गए थे, जो आईसीसी एंटी-डोपिंग कोड के तहत बैन है। नवाज ने अपनी इस गलती को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह साबित किया कि इस प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल उन्होंने आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन (यानी खेल के समय से अलग) किया था। साथ ही इसका उनके खेल के प्रदर्शन को बेहतर करने से कोई संबंध नहीं था।

1 मई से लागू माना गया प्रतिबंध

नवाज पर लगा यह 3 महीने का प्रतिबंध 1 मई 2026 से लागू माना गया है। 1 मई से उन्होंने अपना प्रोविजनल सस्पेंशन शुरू किया था। अब ढाई महीने का निलंबन पूरा करने और ट्रीटमेंट प्रोग्राम में शामिल होने के कमिटमेंट के बाद उनका प्रोविजनल सस्पेंशन हटा लिया गया है। अगर वे आईसीसी की संतुष्टि के अनुसार इस ट्रीटमेंट प्रोग्राम को पूरा कर लेते हैं, तो उन्हें आगे कोई अतिरिक्त बैन नहीं झेलना होगा।

नीदरलैंड्स मैच और उसके बाद के रिकॉर्ड्स रद्द

आईसीसी एंटी-डोपिंग कोड के नियमों के तहत नवाज के कुछ मैचों के रिकॉर्ड्स को अमान्य कर दिया गया है। 7 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए मैच और उसके बाद से लेकर 1 मई 2026 तक खेले गए सभी मैचों में उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन और रिकॉर्ड्स को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

कोटक बोले-कोहली-गंभीर दिन में 10 बार बात करते हैं

कार्डिफ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने विराट कोहली और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच मतभेद की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। कोटक ने कहा कि दोनों दिन में कम से कम 10 बार आपस में बातचीत करते हैं। उनके बीच बातचीत बंद होने की बात महज अफवाह है।

कार्डिफ में दूसरे वनडे से पहले नेट्स के दौरान कोहली और गंभीर के बीच बातचीत नहीं दिखने के बाद दोनों के रिश्तों को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। यहां तक कि ऐसी खबरें भी सामने आईं कि दोनों में बातचीत शुरू कराने के लिए बीसीसीआई की लीडरशिप को आगे आना पड़ सकता है। बैटिंग कोच कोटक ने एक सवाल पर कहा- 'मुझे नहीं लगता कि विराट को मुख्य कोच से बात करने के लिए किसी ब्रिज की जरूरत है।'

बैटिंग कोच बोले-लॉड्र्स में बड़ी पारी खेल सकते हैं रोहित

सितांशु कोटक ने कहा-स्ट्रगल नहीं कर रहे; दावा था- रिटायरमेंट लेंगे

कार्डिफ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। रोहित शर्मा के रिटायरमेंट की अटकलों के बीच भारतीय कोच सितांशु कोटक ने कहा- रोहित न तो दबाव में हैं और न ही स्ट्रगल कर रहे हैं। वे लॉड्र्स में बड़ी पारी खेल सकते हैं। एक दिन पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लॉड्र्स वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे होगा। उसके बाद उनके रिटायरमेंट की अटकलें भी शुरू हो गईं।

कोटक ने मैच के बाद कहा, 'आज भी ऐसा लग रहा था कि रोहित बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पिच पर गेंद पर असमान्य उछाल था। रोहित जिन शॉट्स को आमतौर पर आसानी से खेलते हैं, उनमें उन्हें सहज महसूस नहीं हुआ। ऐसा कई बैटर्स के साथ होता है। आप लॉड्र्स में रोहित शर्मा की बिल्कुल अलग पारी देख सकते हैं।' इस मसले में पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा- 'मुझे उम्मीद है कि पूर्व कप्तान जबरदस्त वापसी करेंगे और एक शानदार शतक लगाकर आलोचकों का मुंह बंद कर देंगे। यशस्वी जायसवाल या ईशान किशन को वनडे टीम में मौका मिलने की संभावना पर पूछे गए सवाल पर कोटक ने कहा कि वे रोहित के लिए 'संघर्ष' शब्द का इस्तेमाल नहीं करेंगे। कोटक ने शुभमन गिल और विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा- पहले वनडे में गिल और दूसरे वनडे में कोहली को अच्छी शुरुआत मिली, जिससे वे बड़ी पारी खेल सके। लेकिन, रोहित को वैसी शुरुआत नहीं मिल सकी। इस मैच में रोहित शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इसलिए मैं नहीं कहूंगा कि वह संघर्ष कर रहे हैं।'

कार्डिफ की पिच दूसरी पारी में आसान हुई

कोटक के अनुसार कार्डिफ की पिच पहली पारी में दो गति वाली थी, जिससे बल्लेबाजी मुश्किल रही। दूसरी पारी में विकेट बेहतर हो गया और इसका फायदा जो रूट ने नाबाद 99 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर उठाया। उन्होंने कहा, 'पहली पारी में बैक ऑफ लेंथ गेंदें रुककर आ रही थीं और ज्यादा उछाल ले रही थीं। दूसरी पारी में ऐसा नहीं था।'

ट्रम्प फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल देखने पहुंचेंगे

मैच के ऑफिशियल्स तय हुए, पेले की जर्सी 42 करोड़ रुपए में नीलाम

वॉशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल देखने न्यू जर्सी पहुंचेंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की है। स्पेन-अर्जेंटीना के बीच होने वाले खिताबी मैच से पहले ट्रम्प न्यूयॉर्क स्थित ट्रम्प टॉवर में आयोजित फीफा स्वागत समारोह में भी हिस्सा लेंगे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने राष्ट्रपति के सप्ताहांत कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि ट्रम्प शुक्रवार को न्यूयॉर्क में फीफा रिसेप्शन में शामिल होंगे। रविवार को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में वर्ल्ड कप फाइनल का मुकाबला देखेंगे। लेविट ने कहा कि यह टूर्नामेंट अमेरिकी इतिहास का सबसे ज्यादा देखा गया, सबसे सुरक्षित और सबसे सफल वर्ल्ड कप रहा है। उनके मुताबिक, यह आयोजन दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच की मेजबानी करने की अमेरिका की क्षमता का प्रमाण है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो भी पुष्टि कर चुके हैं कि वे ट्रम्प के साथ फाइनल देखेंगे। दोनों मिलकर विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपेंगे। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि विश्व कप फाइनल के बाद ट्रंप उनके साथ पुरस्कार वितरण समारोह में मौजूद रहेंगे। विश्व कप 2026 का फाइनल 19 जुलाई (स्थानीय समय) को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के विजेताओं को पहली बार मिलेगी ऐतिहासिक चैंपियनशिप रिंग

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के विजेता खिलाड़ियों को इस बार एक खास सम्मान मिलेगा। विश्व कप के इतिहास में पहली बार चैंपियन बनने वाली टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ट्रॉफी और गोल्ड मेडल के साथ-साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी। फीफा ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है। फीफा के अनुसार, यह रिंग अमेरिकी खेलों की मशहूर परंपरा से प्रेरित है और पहली बार फुटबॉल विश्व कप का हिस्सा बनेगी। इसका मकसद खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक जीत की एक खास याद देना है। रिंग के एक तरफ फीफा वर्ल्ड कप की ट्रॉफी बनी होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम के अनुसार खास डिजाइन तैयार किया जाएगा। हर रिंग पर अलग नंबर होगा, उसे खिलाड़ी के हिसाब से तैयार किया जाएगा और उसके साथ असली होने का प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। फाइनल मैच खत्म होने के तुरंत बाद विजेता टीम के कप्तान और हेड कोच को अस्थायी रिंग दी जाएगी।

फाइनल मुकाबले के लिए मुख्य रेफरी का एलान

स्लोवेनिया के स्लावको विंसिक को मिली जिम्मेदारी

न्यू जर्सी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा ने विश्व कप 2026 के फाइनल मैच के लिए रेफरी के नाम की घोषणा कर दी है। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में स्लोवेनिया के अनुभवी अधिकारी स्लावको विंसिक मुख्य रेफरी की भूमिका निभाएंगे। फीफा के रेफरी प्रमुख पियरलुइगी कोलिना ने इस नियुक्ति पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि विश्व कप फाइनल जैसे बड़े मुकाबले के लिए अनुभवी और योग्य रेफरी का होना बेहद जरूरी है। विंसिक को इस महत्वपूर्ण मैच की जिम्मेदारी मिलना उनके शानदार करियर को दिखाता है।

फीफा के अनुसार, फाइनल में स्लावको विंसिक की सहायता के लिए टोमाज क्लैंचनिक असिस्टेंट रेफरी-1 और एंड्राज कोवाचिक असिस्टेंट रेफरी-2 की भूमिका निभाएंगे। वहीं, अधम मखादमेह चौथे अधिकारी और मोहम्मद अल्कालाफ रिजर्व असिस्टेंट रेफरी होंगे। 46 साल के स्लावको विंसिक का यह पहला बड़ा विश्व कप फाइनल होगा। उन्होंने 2022 में कतर विश्व कप से अपने विश्व कप करियर की शुरुआत की थी, जहां उन्होंने दो मैचों में रेफरी की जिम्मेदारी संभाली थी। फीफा विश्व कप 2026 में भी वह अब तक तीन मैचों में रेफरी रह चुके हैं। फाइनल उनके विश्व कप करियर का छठा मुकाबला होगा।

विंसिक के करियर में कई बड़े मुकाबले शामिल हैं। इनमें यूईएफए 2024 चैंपियंस लीग फाइनल भी शामिल है, जिसमें रियल मैड्रिड और बोरूसिया डॉर्टमुंड आमने-सामने थे। इसके अलावा उन्होंने यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप, विश्व कप क्वालिफायर, यूरोपा लीग, नेशंस लीग और क्लब वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भी रेफरी की भूमिका निभाई है। यह मुकाबला न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार फाइनल का टिकट हासिल किया है। वहीं, स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। स्पेन ने साल 2010 में विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया था। ऐसे में टीम की निगाहें दूसरे खिताब पर होंगी। वहीं, अर्जेंटीना चौथी बार फीफा विश्व कप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। अर्जेंटीना इससे पहले 1978, 1986 और 2022 में चैंपियन बन चुका है।

मेसी बोले-हमें कुछ भी थाली में परोसकर नहीं मिला

फीफा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना रेफरी से फेवर मिलने के आरोपों का जवाब दिया

इंग्लैंड को हराकर अर्जेंटीना फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार रात को दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। टीम 85 मिनट 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागे और जीत हासिल की। फाइनल में उसका मुकाबला 19 जुलाई को स्पेन से होगा। अटलांटा में एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल से इंग्लैंड फाइनल की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन लियोनेल मेसी की टीम ने आखिर वक्त में मैच का रुख पलट दिया। मेसी के पास पर एंजो फर्नांडेज ने 25 गज से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फिर इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी के सटीक क्रॉस पर सब्स्टीट्यूट लॉटारो मार्टिनेज ने हेडर से गोल दागकर जीत दिला दी।

न्यू जर्सी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने उन दावों को खारिज किया है, जिनमें कहा गया कि 2026 फीफा वर्ल्ड कप में उनकी टीम को रेफरी से फेवर मिला है। मेसी ने कहा कि मौजूदा चैंपियन टीम ने अपनी मेहनत और जुझारूपन से लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है।

द एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 2-1 की जीत के बाद मेसी ने कहा-चाहे किसी को पसंद हो या न हो, हम पिछले चार साल से सर्वश्रेष्ठ रहे हैं। हमने साबित किया है कि हमारी सफलता कोई तुक्का नहीं है और हमें कुछ भी मुफ्त में नहीं मिला है। अटलांटा में बुधवार को हुए सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बनाई थी। हालांकि, इंग्लैंड के डिफेंसिव रुख का फायदा उठाते हुए अर्जेंटीना के लिए एंजो फर्नांडीज और लाउटारो मार्टिनेज ने देर से गोल कर टीम को जीत दिलाई। टूर्नामेंट के दौरान अर्जेंटीना के मैचों में रेफरी के फैसलों पर सवाल उठे थे। स्विट्जरलैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में ब्रिल एम्बोलो को रेड कार्ड मिलने पर स्विस कोच मूरत याकिन ने कहा था, हमें एक ऐसे नियम की सजा मिली जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। यह हार बहुत दर्दनाक है। मिस्र फुटबॉल एसोसिएशन ने भी राउंड ऑफ 16 के मैच में विवादास्पद फैसलों पर नाराजगी जताई थी। मिस्र का आरोप था कि मुस्तफा जिको का गोल वीएआर रिव्यू में गलत तरीके से रद्द किया गया और मोहम्मद सलाह को गिराए जाने के बावजूद पेनल्टी नहीं दी गई।

अर्जेंटीना अब रविवार को न्यू जर्सी में होने वाले फाइनल में स्पेन का सामना करेगा। वहीं, शनिवार को मियामी में तीसरे स्थान के लिए फ्रांस और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा। इससे पहले अर्जेंटीना ने केप वर्डे, मिस्र और स्विट्जरलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबलों के बाद जीत हासिल की थी। फॉकलैंड अटलांटिक महासागर में स्थित एक द्वीप है, जिस पर दोनों देश अपना दावा करते हैं। 2 अप्रैल 1982 को अर्जेंटीना ने फॉकलैंड पर कब्जा कर लिया। फिर ब्रिटेन ने 74 दिन चले युद्ध के बाद द्वीपों पर दोबारा कब्जा हासिल कर लिया।

तेलंगाना के 17.88 लाख लाभार्थियों को मिलेगी कैशलेस उपचार सुविधा

उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ने नई कर्मचारी स्वास्थ्य योजना का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों तथा उनके परिवारों को बेहतर, पारदर्शी और पूर्णतः कैशलेस चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को नई कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (न्यू एम्प्लॉइज हेल्थ स्कीम) का शुभारंभ किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क तथा स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने संयुक्त रूप से इस योजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल न्यास (एम्प्लॉइज हेल्थ केयर ट्रस्ट-ईएचसीटी) के न्यास प्रलेख का लोकार्पण किया गया। इसके बाद नई कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के वेब पोर्टल का शुभारंभ किया गया तथा डाउनलोड किए जा सकने वाले डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए। कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य कार्ड भी वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिंह ने कहा कि जनता के स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का कार्य सदैव कांग्रेस सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि गरीबों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजीव आरोग्यश्री योजना देश में सबसे पहले तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने ही शुरू की थी। इसी प्रकार सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए कर्मचारी स्वास्थ्य योजना तथा पत्रकारों एवं उनके परिवारों के लिए पत्रकार स्वास्थ्य योजना भी कांग्रेस सरकार की ही देन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व तथा उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के सहयोग से कर्मचारियों और पेंशनरों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए अधिक प्रभावी, टिकाऊ और पारदर्शी नई कर्मचारी स्वास्थ्य योजना तैयार की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पूर्व में लागू कर्मचारी स्वास्थ्य योजना में पैकेज दरें कम होने के कारण अनेक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल इसमें शामिल नहीं हो रहे थे। इसके अलावा दावा निपटान में विलंब, कर्मचारियों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं होना तथा चिकित्सा पैकेजों में संशोधन की सीमित व्यवस्था जैसी समस्याएं थीं। इन सभी कमियों को दूर करते हुए नई योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत राज्य के 17,88,336 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इनमें 4,38,594 सरकारी कर्मचारी, 3,61,955 पेंशनर तथा लगभग 9.88 लाख परिवार के सदस्य शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों और पेंशनरों के अंशदान के बराबर ही राज्य सरकार भी योगदान देगी तथा योजना के लिए एकत्र की गई प्रत्येक राशि का उपयोग केवल कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के संचालन में किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि राज्यभर के 886 निजी अस्पतालों तथा 114 सरकारी अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा अपोलो, यशोदा, किम्स, मेडिकवर, कामिनेनी, कॉन्टिनेंटल, केयर, स्टार और बसवतारकम जैसे प्रमुख कॉरपोरेट सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में भी सरकारी कर्मचारी, पेंशनर तथा उनके परिवार अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने योजना से जुड़े सभी अस्पतालों के प्रबंधन और चिकित्सकों का आभार भी व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना की तर्ज पर 1,816 चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा पैकेज इस योजना में शामिल किए गए हैं। इससे कर्मचारियों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी और कॉरपोरेट अस्पतालों की भागीदारी भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी। मंत्री ने कहा कि इस योजना का संचालन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल न्यास (ईएचसीटी) के माध्यम से किया जाएगा। न्यास में सरकार की ओर से 17 सदस्य, कर्मचारियों की ओर से 10 सदस्य तथा पेंशनरों की ओर से तीन सदस्य शामिल होंगे, जिससे कर्मचारियों की भागीदारी के साथ पारदर्शी ढंग से योजना का संचालन सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि कर्मचारी और पेंशनर वेब पोर्टल के माध्यम से अपने डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। पूर्व स्वीकृति से लेकर दावा निपटान तक की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल प्रणाली से संचालित की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण में वेलनेस केंद्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में राज्य के 12 वेलनेस केंद्रों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1,800 बाह्य रोगियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रत्येक केंद्र में एमबीबीएस एवं विशेषज्ञ चिकित्सक, तेलंगाना डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से प्रयोगशाला जांच तथा गुणवत्तापूर्ण ब्रांडेड दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने घोषणा की कि शीघ्र ही राज्य में 24 नए वेलनेस केंद्र स्थापित किए जाएंगे। जिन 24 जिलों में अभी वेलनेस केंद्र नहीं हैं, वहां नए केंद्र खोलकर इस सेवा का विस्तार किया जाएगा। प्रत्येक वेलनेस केंद्र को सरकारी सामान्य अस्पतालों से जोड़ा जाएगा, जिससे वहां कार्यरत विशेषज्ञ और सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सकों की सेवाएं भी इन केंद्रों में उपलब्ध कराई जा सकें। कार्यक्रम में राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू, स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव क्रिस्टिना ज़ेड. चोंग्थु, कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल न्यास के सदस्य, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि, पेंशनर संगठनों के पदाधिकारी, नेटवर्क अस्पतालों के प्रतिनिधि तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हैदराबाद में बनेगा एआई उत्कृष्टता केंद्र

युवाओं को मिलेंगे हरित कौशल का प्रशिक्षण

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 1एम1बी फाउंडेशन, माइक्रोसॉफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप हब और तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद में ग्रीन स्किल्स एंड एप्लाइड एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की घोषणा की है। यह देश का पहला ऐसा केंद्र होगा, जहां हरित कौशल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का संयुक्त प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, इस केंद्र का संचालन अगस्त से शुरू होने की उम्मीद है। इसमें हरित फार्मा क्षेत्र के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। केंद्र का संचालन 1एम1बी फाउंडेशन करेगा, जबकि माइक्रोसॉफ्ट अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत एआई तकनीक, डिजिटल शिक्षण सामग्री, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, नवाचार कार्यक्रम और क्षमता निर्माण में सहयोग देगा।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि यह केंद्र राज्य में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे युवाओं को नई तकनीकों के साथ रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

1एम1बी फाउंडेशन के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मानव सुबोध ने कहा कि इस पहल के जरिए युवाओं को एआई के उपयोग से हरित फार्मा उद्योग और टिकाऊ विनिर्माण क्षेत्र में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। वहीं माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर के अध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य विशेष रूप से महिलाओं और पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों को व्यावहारिक एआई तथा हरित कौशल का प्रशिक्षण देकर उन्हें इंटर्नशिप और रोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

तेंदुए की हत्या में 13 गिरफ्तार

जहर और अवैध हथियारों का खुलासा

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले में तेंदुए की हत्या के दो अलग-अलग मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान नौ अवैध देसी राइफलें भी बरामद की गई हैं, जबकि चार अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

पुलिस आयुक्त पी. साई चैतन्य ने बताया कि भीमगल थाना क्षेत्र के देवक्कापेट गांव के पास वन क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर पुलिस ने छापा मारा। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से नौ बिना लाइसेंस की देसी राइफलें बरामद हुईं। सभी हथियार जब्त कर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने जंगली जानवरों का शिकार करने की बात स्वीकार की। उन्होंने यह भी बताया कि हाल में तेंदुए की मौत की जांच तेज होने के कारण वे हथियार जंगल में छिपाने जा रहे थे।

एक अन्य मामले में पुलिस और वन विभाग की जांच में सामने आया कि करीब एक माह पहले भीमगल मंडल के तल्लापल्ली गांव में तेंदुए को जहर देकर मार दिया गया था। तेंदुए के हमले में मरी एक बकरी के शव में कीटनाशक का इंजेक्शन लगाया गया, जिसे खाने से तेंदुए की मौत हो गई। आरोपियों की योजना तेंदुए के शरीर के अंग बेचकर पैसा कमाने की थी।

जांच के दौरान पुलिस ने इस साजिश का पर्दाफाश किया। एक आरोपी के घर से देसी बंदूक भी बरामद हुई। मुख्य आरोपियों ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

13 अगस्त तक पूरी करें सरकारी स्कूलों की वर्दी सिलाई : एम. दानकिशोर

विशेष मुख्य सचिव ने जिला-वार प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव एम. दानकिशोर ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की वर्दी सिलाई का कार्य 13 अगस्त तक हर हाल में पूरा किया जाए। शुक्रवार को उन्होंने जिला ग्रामीण विकास अधिकारियों (डीआरडीओ), एमईपीएमए परियोजना निदेशकों, जिला परियोजना प्रबंधकों (डीपीएम), सहायक परियोजना प्रबंधकों (एपीएम) तथा अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर जिला-वार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला दर्जियों के साथ-साथ आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त संख्या में बल्क कटिंग कर्मियों की भी व्यवस्था की जाए।

जहां जरूरत हो वहां प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही, मंडल मुख्यालयों में कपड़ा पहुंचते ही विद्यालयवार बल्क कटिंग का कार्य शुरू कर दिया जाए, ताकि सिलाई का काम बिना किसी बाधा के लगातार चलता रहे। दानकिशोर ने कहा कि कुछ जिलों में कपड़े की आपूर्ति आंशिक रूप से हुई है। ऐसे जिलों में शेष कपड़ा शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए डीआरडीओ और एमईपीएमए परियोजना निदेशकों को क्षेत्रीय समन्वय अधिकारियों (आरसीओ) तथा जिला समन्वय अधिकारियों (डीसीओ) के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्दी सिलाई में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

प्रत्येक चरण में गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए विद्यार्थियों को समय पर टिकाऊ और अच्छी गुणवत्ता वाली वर्दी उपलब्ध कराई जाए।

विशेष मुख्य सचिव ने जिला अधिकारियों को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने, क्षेत्र स्तर पर आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान करने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिए।

दिलकुशा गेस्ट हाउस में अनुसूचित जाति जनप्रतिनिधियों की बैठक

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रति जताया आभार

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित दिलकुशा गेस्ट हाउस में शुक्रवार को तेलंगाना के अनुसूचित जाति वर्ग के सांसदों, विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नागरकर्नूल लोकसभा सदस्य एवं तेलंगाना राज्य सांसद मंच के अध्यक्ष डॉ. मल्लु रवि ने की। बैठक में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा मादिगा समुदाय के उत्थान के लिए लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं, राज्यव्यापी जाति गणना तथा मादिगा उपजातियों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से लागू की जा रही एबीसीडी वर्गीकरण व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सामाजिक न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से मादिगा समुदाय के हितों को ध्यान में रखते हुए जाति गणना कराने तथा एबीसीडी वर्गीकरण को लागू करने की दिशा में पहल के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रति सर्वसम्मति से विशेष आभार व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के कल्याण तथा सामाजिक सशक्तिकरण के लिए संचालित कार्यक्रमों को उनका पूरा समर्थन जारी रहेगा। बैठक में राज्य के अनुसूचित जाति वर्ग के सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

केटीआर पहले तेलंगाना के युवाओं से माफी मांगें : चनगानी दयाकर

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव चनगानी दयाकर ने भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव (केटीआर) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें तेलंगाना के युवाओं और बेरोजगारों से पहले माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र समिति द्वारा आयोजित की जा रही 'युवा संग्राम सभा' वास्तव में युवाओं और बेरोजगारों के साथ हुए कथित अन्याय की 'विश्वासघात सभा' है। उनके अनुसार, बेरोजगार युवाओं के मुद्दे पर बोलने का नैतिक अधिकार केटीआर को नहीं है। दयाकर ने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति की दस वर्ष की सरकार अपने कार्यकाल में ग्रुप-1 परीक्षा तक आयोजित नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं ने हजारों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया। उन्होंने प्रवलिका, सुनील नायक और मुरली मुदिराज की आत्महत्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं की जिम्मेदारी भी पूर्ववर्ती सरकार पर है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरूरनगर स्टेडियम में आयोजित होने वाली सभा को 'युवा संग्राम सभा' कहने के बजाय 'बेरोजगारों के साथ विश्वासघात सभा' कहना अधिक उचित होगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रतियोगी परीक्षाओं, इंटरमीडिएट तथा दसवीं की परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने जैसी घटनाएं हुईं, इसलिए युवाओं के भविष्य की चिंता करने का दावा करना उचित नहीं है। दयाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने ग्रुप-1, ग्रुप-2, ग्रुप-3, ग्रुप-4, डीएससी, उपनिरीक्षक, आरक्षी, सहायक अभियंता, नर्सिंग तथा स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न सरकारी भर्तियों को पूरा कर रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य किया है, जो पिछली सरकार दस वर्षों में नहीं कर सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति ने अपने दस वर्ष के शासनकाल में युवाओं को रोजगार देने के बजाय भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति अर्जित करने पर अधिक ध्यान दिया।

तेलंगाना मीडिया अकादमी में डिजिटल अभिलेखागार को सशक्त बनाने पर मंथन

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मीडिया अकादमी द्वारा संचालित डिजिटलीकरण कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाकर आम लोगों तक व्यापक रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को अकादमी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी ने मनसु फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में तेलंगाना मीडिया अकादमी द्वारा पुराने तेलुगु, अंग्रेजी और उर्दू समाचार पत्रों के डिजिटलीकरण के माध्यम से पत्रकारों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा अन्य इच्छुक लोगों के लिए लाखों पृष्ठों की ऐतिहासिक सामग्री उपलब्ध कराने के प्रयासों की समीक्षा की गई। राज्य के गठन के बाद से तेलंगाना से संबंधित लगभग आठ लाख पृष्ठ डिजिटल अभिलेखागार में सुरक्षित किए जा चुके हैं। बैठक में इस बहुमूल्य सामग्री को आम जनता के लिए पूर्ण रूप से उपलब्ध कराने, आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल अभिलेखागार को और विकसित करने तथा सूचना खोज प्रणाली को अधिक सरल और प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना मीडिया अकादमी ने मनसु फाउंडेशन द्वारा लगभग 28 लाख पृष्ठों के ऐतिहासिक समाचार पत्रों, पुस्तकों, राजपत्रों, पत्रिकाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों के डिजिटलीकरण और संरक्षण के कार्य की सराहना की। अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि भावी पीढ़ियों के लिए ऐतिहासिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखने की दिशा में फाउंडेशन का योगदान अत्यंत प्रशंसनीय है। बैठक में डिजिटलीकरण प्रक्रिया के दौरान कॉपीराइट नियमों का पालन करने, संबंधित अधिकारियों से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने तथा दुर्लभ पुस्तकों, समाचार पत्रों, राजपत्रों, मोनोग्राफ और अन्य ऐतिहासिक दस्तावेजों को डिजिटल स्वरूप में संरक्षित करने जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने डिजिटल अभिलेखागार के विस्तार के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने, डिजिटलीकृत दस्तावेजों की व्यवस्थित अनुक्रमणिका और प्रलेखन विकसित करने, अलग डिजिटल अभिलेखागार वेबसाइट तैयार करने, आंकड़ों की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक प्रतियां सुरक्षित रखने तथा राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने के सुझाव दिए। मनसु फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने डिजिटल अभिलेखागार, अभिलेख प्रबंधन, मीडिया अनुसंधान, पत्रकारिता के इतिहास और प्रलेखन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा। बैठक में निर्णय लिया गया कि ऐतिहासिक मीडिया धरोहर के संरक्षण, शोध को प्रोत्साहन देने तथा डिजिटल अभिलेखागार को और सुदृढ़ बनाने के लिए तेलंगाना मीडिया अकादमी और मनसु फाउंडेशन आपसी सहयोग से कार्य करेंगे। बैठक में मनसु फाउंडेशन के अध्यक्ष रायुडु, सदस्य चंद्रमौलि, दामु बालाजी, वी. शेषतल्पसाई, ए.वी. रमणमूर्ति तथा जगन उपस्थित रहे। तेलंगाना मीडिया अकादमी की ओर से सचिव एन. वेंकटेश्वर राव, लेखा अधिकारी पूर्णचंदर राव, नागुल्लपल्ली वेंकटेश्वर राव सहित अकादमी के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे।

महिला समूहों के विकास को मिलेगा बढ़ावा

नए भवनों का सांसद चामला ने किया शुभारंभ

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं के विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में भुवनगिरि लोकसभा क्षेत्र के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने महिला समूहों के लिए निर्मित नए भवनों का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद ने चेरियाल नगर के साथ-साथ मंडल के आकुनूर, रामपुर, गुर्जकुंटा, पेद्दराजुपेट, नागपुरि, शबाशपुरम, पोतिरेड्डीपल्ली और चुंचनकोटा गांवों में नवनिर्मित महिला समूह भवनों का उद्घाटन किया। उन्होंने महिला समूहों की सदस्यों से आत्मीय बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस अवसर पर सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि महिला समूह ग्रामीण विकास और परिवारों की आर्थिक प्रगति की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार करना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि महिला समूहों के लिए अलग भवन उपलब्ध होने से बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रोजगार से जुड़े कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी। सांसद ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ विकास कार्यक्रमों में उनका सहयोग निरंतर जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, महिला समूहों की सदस्याएं, ग्रामीण, पार्टी नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने सर दर्रा फतह करने वाले नौ वर्षीय पर्वतारोही को सम्मानित किया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शुक्रवार को लोक भवन में हैदराबाद की नौ वर्षीय बालिका वी. सिरी अताशा को उनके साहस, दृढ़ संकल्प और अदम्य जिजीविषा के लिए सम्मानित किया। सिरी अताशा ने हिमाचल प्रदेश के सर पास ट्रेक को सफलतापूर्वक पूरा कर 13,800 फीट की ऊंचाई तक पहुंचने का उल्लेखनीय साहसिक कारनामा किया है। कम उम्र में इस कठिन ट्रेक को पूरा कर उन्होंने असाधारण साहस और धैर्य का परिचय दिया। इस अवसर पर सिरी अताशा ने राज्यपाल को लद्दाख स्थित उमलिंग ला दर्रे की अपनी यात्रा के अनुभव भी साझा किए। यह मार्ग गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार विश्व की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क के रूप में मान्यता प्राप्त है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने सिरी अताशा की इस प्रेरणादायक उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वह भविष्य में भी उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छूती रहें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी उपलब्धि देशभर के बच्चों और युवाओं को साहसिक गतिविधियों, अनुशासन, दृढ़ता और खोज की भावना अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

चंद्रायनगुट्टा डिजिटलीकरण में सबसे आगे

हैदराबाद में 32.75 प्रतिशत काम पूरा

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चुनावी प्रक्रिया के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत हैदराबाद जिले में मतदाता गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण का कार्य तेजी से जारी है। शुक्रवार सुबह 10 बजे तक जारी रिपोर्ट के अनुसार, चंद्रायनगुट्टा विधानसभा क्षेत्र 40.72 प्रतिशत डिजिटलीकरण के साथ जिले में पहले स्थान पर है, जबकि मुशीराबाद 27.69 प्रतिशत के साथ सबसे पीछे है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद जिले के 15 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 47.36 लाख मतदाता हैं। इनमें से 15.51 लाख मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है। इस तरह जिले में अब तक कुल 32.75 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है।

चंद्रायनगुट्टा में 3.77 लाख मतदाताओं में से 1.53 लाख से अधिक मतदाताओं के प्रपत्र डिजिटलीकृत किए गए हैं। वहीं कारवान विधानसभा क्षेत्र 35.95 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जहां 1.37 लाख से अधिक मतदाताओं के प्रपत्रों का डिजिटलीकरण पूरा किया गया है।

स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, जिले में 1.77 लाख से अधिक मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित या मृत (एएसडी) श्रेणी में चिह्नित किए गए हैं। ऐसे मतदाता संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर 3 अगस्त तक गणना प्रपत्र भरकर जमा कर सकते हैं। अधिकारियों ने मतदाताओं से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द प्रपत्र जमा करने की अपील की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की रिपोर्ट के अनुसार, पड़ोसी मेडचल-मलकाजगिरि जिले में 28.41 प्रतिशत और रंगारेड्डी जिले में 41.46 प्रतिशत डिजिटलीकरण कार्य पूरा हो चुका है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.